फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 38 प्रभात जयपुर, सोमवार 8 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

The H-1B changed American food forever

The H-1B visa facilitated a new model where visa wives developed and perfected traditional food from their regional Indian communities and then found ways to make it more available, through potlucks, local fairs, and eventually even restaurants

BEES STOPPED BUZZING DURING ECLIPSE

हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय हॉकी टीम ने रविवार को राजगीर (बिहार) में फाइनल मुकाबले में पांच बार की हॉकी विजेता दक्षिण कोरिया की टीम को 4-1 से हराकर हीरो एशिया कप का खिताब अपने नाम करते हुए अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्वकप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। आज खेले गये हीरो एशिया कप के फाइनल मुकाबले में भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने (28वें, 45वें) मिनट, सुखजीत सिंह ने (पहले) मिनट और अमित रोहिदास ने (50वें) मिनट में गोल किए। दक्षिण कोरिया की ओर से 50वें मिनट में डैन सन ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। भारतीय टीम ने आखिरी मिनटों में बढ़ त बनाए रखी और आठ साल का लंबा इंतजार खत्म करने हुए एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ को 1.5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

राजस्थान सरकार ने उत्तराखंड को 5 करोड़ रु. भेजे

जयपुर, 7 सितम्बर। उत्तराखण्ड में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के कारण उत्पन्न गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तराखण्ड के आपदा प्रभावित

- **आपदा प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिये मुख्यमंत्री भजनलाल ने 5 करोड़ रु. का ड्राफ्ट उत्तराखंड मुख्यमंत्री को भेजा।**

परिवारों को राहत पहुंचाने एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि भेजी है। यह सहायता राशि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को डिमांड ड्राफ्ट (डी.डी.) के माध्यम से प्रदान की गई है। शर्मा ने इस संबंध में धामी से फोन पर बातचीत कर राजस्थान की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में राजस्थान, उत्तराखण्ड के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धामी को लिखे पत्र में कहा कि उत्तराखण्ड में आई भीषण बाढ़ और उससे हुई जनहानि के समाचार अत्यंत दुखद एवं व्यथित करने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी दिनभर भाजपा सांसदों की कार्यशाला में मौजूद रहे

उन्होंने सांसदों को अपने इलाके की जनता से जुड़ने व समस्याएं समझने की सलाह दी

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए रविवार का दिन बेहद खास रहा, जब सांसदों की कार्यशाला में उन्होंने एक सामान्य सांसद की तरह भाग लिया और सबसे पीछे जाकर बैठे। संसद के जी.एम.सी. बालयोगी सभागार में सुबह 10:45 बजे से लेकर शाम 6:45 बजे तक, पूरे दिन चली इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री ने सांसदों से सीधे संवाद किया। उन्हें एकता, जनसंपर्क, जागरूकता तथा जिम्मेदार संसदीय आचरण का संदेश दिया। मोदी ने सांसदों को 'टिफिन मीटिंग' का मंत्र दिया भी दिया उन्होंने साफ कहा कि छोटी छोटी बैठकें करें, लोगों की दिक्कतें जानें, ज्यादा से ज्यादा वक्त लोगों के बीच गुजारें। इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ साथ पार्टी के वरिष्ठ

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसदों को ''टिफिन मीटिंग' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा छोटी -छोटी बैठकें करें व ज्यादा से ज्यादा वक्त लोगों के बीच गुजारें।**

नेता और सांसद शामिल हुए।

इस कार्यशाला में उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी और विकसित भारत समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से खुलकर बातचीत की और उन्हें कई जरूरी बातें बताईं, जो न केवल उनके काम को आसान बनाएंगी बल्कि जनता के साथ उनके रिश्ते को भी मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की ताकत एकता में छिपी है। सांसदों को अपने इलाके की जनता से जुड़ना चाहिए, उनकी समस्याएं समझनी चाहिए और मिलकर समाधान खोजने चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल चुनाव जीतने का खेल नहीं है, बल्कि यह सेवा का रास्ता है। इसलिए सांसदों का काम जनता के साथ संपर्क बनाए रखना और उनकी मदद करना है।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों की कठिनाइयों की बात की। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग जैसे मुद्दों पर जागरूकता की कमी है, जिससे कई परिवार परेशानी झेल रहे हैं। उन्होंने सांसदों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दें और यह देखें कि ज़रूरतमंदों तक मदद पहुँची है या नहीं। इसी क्रम में उन्होंने एक रोचक सुझाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्तों की 10 को दिल्ली में बैठक

इस बैठक में देशभर की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा होगी

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) की 10 सितंबर को दिल्ली में बैठक बलायी है जिसमें पूरे देश में राज्यों की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने की तैयारी के बारे में विशेष रूप से चर्चा की जायेगी।

चुनाव आयोग सूत्रों ने रविवार को यहां कहा, ''आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ हर तीन महीने में बैठक करने का एक सिलसिला शुरू किया है। इसी तरह की एक बैठक दिल्ली में 10 सितंबर को बुलायी गयी है।''

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में आयोग राज्यों के सीईओ के साथ प्रशासनिक और बजट संबंधी विषयों पर चर्चा करने के साथ साथ ही देशभर में मतदाता सूचियां

- **चुनाव आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ तीन माह में बैठक करने का सिलसिला शुरु किया है।**

के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पर चर्चा कर सकता है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस और कुछ पार्टियों ने अपनी आपत्तियां व्यक्त की हैं और इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना रखा है। इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय में भी ले जाया गया है। न्यायालय ने बिहार की सूची के पुनरीक्षण पर कोई रोक नहीं लगायी है और पुनरीक्षण का काम अंतिम चरण की ओर अग्रसर है।

पांच हजार रु. का इनामी फर्जी चयनित अध्यापक गिरफ्तार

जयपुर, 7 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए पांच हजार रुपए के ईनामी फर्जी चयनित वरिष्ठ अध्यापक अरुण कुमार मीणा को गिरफ्तार किया है। एसओजी की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी ने अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बिठाकर परीक्षा पास कर नौकरी हासिल की थी और पिछले काफी समय से एसओजी की पकड़ से भाग रहा था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ

- **आरोपी ने डमी कैंडीडेट बैठाकर परीक्षा पास की थी तथा काफी समय से एसओजी की पकड़ से भाग रहा था।**

की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने पांच हजार रुपए के ईनामी फर्जी चयनित वरिष्ठ अध्यापक अरुण कुमार मीणा (26) निवासी टोंक को गिरफ्तार किया है। जो 24 दिसम्बर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के जन्मदिन पर देशभर में ''नमो युवा रन'' आयोजित होगा

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रधानमंत्री की 75 वीं वर्षगांठ पर 75 स्थानों पर यह आयोजन करेगा

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के मौके पर 17 सितंबर को देशभर में 75 स्थानों पर नशा मुक्त भारत के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा ''नमो युवा रन'' का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में इसकी घोषणा की। तेजस्वी सूर्या ने बताया कि फिटनेस के प्रतीक के तौर पर

- **युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि नशा मुक्त भारत के लिये होने वाली इस दौड़ में दस लाख से अधिक युवा भाग लेंगे।**

पहचाने जाने वाले मॉडल, एक्टर मिलिंद सोमण नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस अवसर पर नमो युवा रन की टी शर्ट और एप भी लॉन्च किया गया।

सूर्या ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर देश के जिन 75 स्थानों पर नमो युवा रन आयोजन हो रहा हैउनमें हर स्थान पर करीब 10,000 युवा के भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक नमो युवा रन में 10 लाख से अधिक युवा भाग लेंगे, जो देश के इतिहास की सर्वाधिक भागीदारी वाली दौड़ होगी। सत्रह सितंबर को सुबह 7 बजे 75 स्थानों पर नशा मुक्त भारत संकल्प के लिए एक साथ ये दौड़ शुरु होगी। इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक, भाजपा 15 दिनों तक सेवा पखवाड़ा मनाती है।

इस अवसर पर नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर मिलिंद सोमण ने कहा कि वह मोदी जी के फिटनेस के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ मसल्स या बॉडी बना लेना ही फिटनेस नहीं है बल्कि दैनिक जीवन के काम के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है।

पान मसाला, रियल एस्टेट कंपनियों पर छापे में साढ़े नौ करोड़ रु. बरामद

जयपुर, 07 सितंबर। आयकर विभाग ने रविवार को सर्च के दौरान जीपीएस डिवाइस की मदद से भांकरोटा इलाके में पान मसाले के अवैध गोदाम पर छापामारी कर करोड़ो रुपए का माल जब्त किया है। आयकर विभाग ने बरामद किया हुआ माल

- **इनकम टैक्स विभाग की कार्यवाही में 1250 करोड़ रुपये के कैश लेन देन का खुलासा हुआ।**

कार्रवाई के लिए सीजीएसटी डिपार्टमेंट के हवाले कर दिया है। इसी के साथ आयकर विभाग ने राजस्थान में रियल एस्टेट और पान मसाला कारोबारियों के खिलाफ जयपुर और कोटा में 18 से ज्यादा ठिकानों पर सर्च कार्रवाही की है। विभाग की इस कार्रवाई में 1250 करोड़ रुपए के कैश-लेन-देन का खुलासा हुआ है। अभी तक सर्च में साढ़े नौ करोड़ रुपए कैश ओर साढ़े 10 करोड रुपए की ज्वेलरी भी विभाग को मिली है। जिसे जब्त कर लिया गया है।

'भाजपा और ''आप'' की राजनीतिक खींचतान से पंजाब को भारी नुकसान'

कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने पंजाब के तीन दिन के दौरे के बाद पत्रकारों से बात की

करतारपुर, 7 सितंबर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल ने रविवार को तीसरे दिन भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा जारी रखा और बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की।

पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, गुरजीत सिंह औजला और अन्य नेता शामिल थे, के साथ बघेल आधी रात तक बाढ़ प्रभावित इलाकों में जमीनी हालात का जायजा लेते रहे।

यहां करतारपुर कॉरिडोर पर जनता और पत्रकारों से बातचीत करते हुए, बघेल ने कहा कि भाजपा शासित केंद्र और आप शासित पंजाब के बीच राजनीतिक खींचतान के कारण राज्य के लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों के बीच समन्वय की कमी का हवाला देते हुए, कहा कि पंजाब को यह नुकसान इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि इन्हें अपने मामले सेटल करने थे।

उन्होंने कहा कि बाढ़ एक प्राकृतिक

- **छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है, पर दोनों सरकारें पंजाब के लोगों को राहत देने के लिये एक साथ नहीं बैठीं।**

आपदा है और इसने सभी को प्रभावित किया है, लेकिन फिर भी दोनों सरकारें पंजाब के लोगों को कोई राहत देने के लिए एक साथ नहीं बैठी हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं का बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा महज दिखावा है, क्योंकि उनके पास पीड़ितों को देने के लिए कुछ नहीं है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस तरह की त्रासदी पर केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच कोई बैठक नहीं हुई है। इस स्थिति ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है और बाढ़ ने चार लाख एकड़ से ज़्यादा क्षेत्रफल में खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुँचाया है।

इस बीच, एक सवाल के जवाब में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने पंजाब की नदियों में अतिरिक्त पानी के कथित अनियंत्रित प्रवाह पर भी सवाल उठाया,उन्होंने कहा कि नदियों के बांध टूटने से भारी तबाही हुई है। उन्होंने गुरदासपुर, तरनतारन, अमृतसर, फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह अपनी रिपोर्ट पार्टी नेता राहुल गांधी को सौंपेंगे, जो पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ पर चिंता व्यक्त करने वाले सभी राजनीतिक दलों में से पहले राष्ट्रीय नेता थे।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित पंजाब दौरे के बारे में एक सवाल के जवाब में, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वड़िंग ने कहा कि इस समय राज्य में उनके दौरे का सभी स्वागत करेंगे, लेकिन हमें उम्मीद है कि पंजाब को पर्याप्त मुआवज़ा दिया जाएगा।

उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब के लोगों के प्रति उदार होंगे।

उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के दौरान, जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और राज्य में अकाली-भाजपा सरकार थी, तब भी पंजाब में बाढ़ आई थी और उन्होंने (डॉ. सिंह ने) बिना किसी देरी या राजनीति के राज्य को 1200 करोड़ रुपये की उदार सहायता प्रदान की थी।

चन्द्रग्रहण के कारण दिन में गंगा आरती हुई

वाराणसी 07 सितंबर। खग्रास चंद्रग्रहण के कारण वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर प्रत्येक सायंकाल होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती रविवार को दोपहर में आयोजित की गई।

- **गत 34 वर्षों में यह पांचवी बार है कि गंगा आरती दिन में की गई।**

गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्र ने बताया कि चंद्रग्रहण के कारण मां गंगा की आरती परंपरागत तरीके से दोपहर 12 बजे शुरू हुई और सूतक काल से पहले सम्पन्न कराई गई।

पिछले 34 वर्षों में यह पांचवीं बार है जब मां गंगा की आरती दिन में आयोजित की गई। वर्ष 1991 में स्वर्गीय पंडित सतेंद्र मिश्र द्वारा दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की आरती की शुरुआत की गई थी। इस अवसर पर कई श्रद्धालु और पर्यटक इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

वर्तमान में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण मां गंगा की आरती घाट की छत पर आयोजित की जा रही है। इससे पहले यह आरती 28 अक्टूबर 2023, 16 जुलाई 2019, 27 जुलाई 2018 और 7 अगस्त 2017 को चंद्रग्रहण के कारण दिन में सम्पन्न की गई थी।

खड़गे ने मोदी सरकार पर सुरक्षा के मुद्दों पर गुमराह करने का आरोप लगाया

उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति व्यक्तिगत मित्रता से तय नहीं की जा सकती

कलबुर्गी, 07 सितंबर। कर्नाटक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए सुरक्षा के मुद्दों पर देश को गुमराह करने, चुनावी लाभ के लिए गरीबों का शोषण करने और संतुलित विदेश नीति की भारत की दीर्घकालिक परंपरा को त्यागने का आरोप लगाया।

खरगे ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी सीमा की स्थिति से निपटने के सरकार के तरीके ने स्पष्ट विरोधाभासों को उजागर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शुरुआत में किसी भी घुसपैठ से इनकार किया लेकिन बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद चीन में 'घुसपैठ' (दौरा) किया, जो उसकी कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ऐसे विरोधाभासी बयान भारत की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं जिससे दुनिया को गलत संकेत मिलते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बाबत बोलते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा ऐसे सुधारों का समर्थन किया है जिनसे गरीबों को सचमुच का लाभ हुआ हो। उन्होंने मोदी सरकार पर कई स्लैब बनाकर व्यवस्था को जटिल बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, जब राहत देने के लिए दो स्लैब पर्याप्त थे, तो उन्होंने चार या पांच भ्रामक स्लैब पेश कर दिए, जिससे उन्हीं लोगों को नुकसान हुआ जिनकी मदद करने का दावा किया गया है।

खरगे ने मोदी की कूटनीतिक शैली पर भी

- **कर्नाटक में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र, व्यवारिक और राष्ट्रीय हित पर आधारित होनी चाहिये। वह निजी स्वार्थी या चुनाव के समय की बयानबाजी से प्रभावित नहीं होनी चाहिये।**

निशाना साधा और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप को बार-बार 'दोस्त' कहने को लेकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यक्तिगत अनुमानों ने भारत के कूटनीतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है और घरेलू और विदेश दोनों स्तरों पर गलत धारणा बनाई है। उन्होंने आगे कहा, ''भारत की विदेश नीति व्यक्तिगत मित्रता से तय नहीं की जा सकती।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा तैयार की गई भारत की गुटनिरपेक्ष नीति को याद करते हुए कहा कि इसने देश को दशकों तक वैश्विक सम्मान और रणनीतिक स्थान दिलाया। उन्होंने कहा, ''अगर मौजूदा सरकार उस दृष्टिकोण को जारी रखती तो हमें वर्तमान की जटिलताओं का सामना नहीं करना पड़ता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

व्यस्त मनुष्य को आंसू बहाने का अवकाश नहीं। –बायरन

.......ताकि कर्मचारियों की सेहत ठीक रहे!

पिछले कुछ समय से हम राजस्थान सरकार की एक योजना के बारे में अनेक अप्रिय ख़बरें पढ़ रहे हैं। ख़बरें इस आशय की कि इस योजना के लाभार्थियों और सेवा प्रदाताओं ने अनेक प्रकार के घपले किए और सरकार को उन पर कार्रवाई करनी पड़ी। ख़बरें इस आशय की कि अनेक निजी अस्पतालों ने अलग-अलग कारणों से इस योजना के तहत अपनी सेवाएं देने से मना कर दिया या सेवाओं को सीमित कर दिया, वगैरह। मेरे लिखे बिना भी हमारे अधिकांश पाठक समझ गए होंगे कि मैं किस योजना की बात कर रहा हूं। यह योजना है आरजीएचएस (RGHS) अर्थात राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम। पिछली अशोक गहलोत सरकार ने सन् 2021 में यह योजना प्रारंभ की थी और इस योजना को सभी ने, विशेष रूप से इसके लाभार्थियों ने खूब सराहा था। इस योजना के तहत राजस्थान सरकार के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके परिवारजन, अखिल भारतीय सेवाओं के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारीगण, राज्य की स्वायत्तशाषी संस्थाओं जिनमें विभिन्न बोर्ड व निगम भी शामिल हैं, के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारी और राज्य के न्यायाधीश व पूर्व न्यायाधीशों आदि को एक कार्ड ज़ारी कर विभिन्न अस्पतालों में बिना भुगतान किए (कैशलेस) चिकित्सा, जांचों और दवाओं की सुविधा प्रदान की गई। इस योजना के लागू होने से पहले राज्य में इन अलग-अलग श्रेणी के लोगों के लिए अलग-अलग योजनाएं चल रही थी। सरकार ने एक नेक इरादे के साथ उन सारी योजनाओं को केंद्र सरकार की सीजीएचएस (CGHS) योजना की तर्ज़ पर समेकित कर इन सबको बिना भुगतान के चिकित्सा सुविधा आदि सुलभ करने की यह योजना लागू की। इस योजना की अनेक बारीक बातें भी थीं, सभी लाभार्थियों के लिए अलग-अलग तरह की सुविधाएं थी। उस विस्तार में हम नहीं जाएंगे।

प्रारंभ में यह योजना सरकारी अस्पतालों में सुलभ थी लेकिन बाद में इसे सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी सुलभ करा दिया गया। सरकारी जानकारी के आधार पर इस योजना में कुल तेरह लाख तेईस हज़ार लोग पंजीकृत हैं और उनके परिवारजन की कुल संख्या सैंतीस लाख बीस हज़ार है। राजस्थान में एक हज़ार सात सौ अठारह और राजस्थान से बाहर चालीस अस्पताल इस योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। राजस्थान में दवा की चार हज़ार आठ सौ चौवन दुकानें इस योजना के तहत बिना पैसे चुकाए दवा देने के लिए सूचीबद्ध हैं। इन आंकड़ों में थोड़ा बहुत अंतर हो सकता है, लेकिन इनसे इस योजना की व्यापकता का अनुमान लगाया जा सकता है। सन् 2021 से पहले भी इन लाभार्थियों में से अधिकांश के लिए राजस्थान सरकार की तरफ से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध थी लेकिन तब इन्हें भुगतान करना होता था और बाद में उसका पुनर्भरण होता था। पुनर्भरण में अनेक अड़चनें भी आती थीं और विलंब तो आम था। सबसे बड़ा संकट तो बीमार होते ही अपनी जेब से पैसे खर्च करने का था। ऐसे में यह कैशलेस सुविधा सारे लाभार्थियों को और विशेष रूप से राज्य सरकार के कर्मचारियों व पेंशनरों को एक वरदान लगी।

इस योजना की विशालता का अनुमान कुछ तथ्यों से लगाया जा सकता है। लगभग आठ करोड़ की कुल आबादी वाले राजस्थान के लगभग तेरह लाख लाभार्थियों ने इस योजना के तहत 2021 से 2025 तक दो करोड़ बार ओपीडी (OPD) की सेवाएं ली और उन्नीस लाख से कुछ ज़्यादा बार आईपीडी (IPD) या डे केयर की सेवाएं ली। बड़े लोगों की बात न भी करें तो इसे स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और फेमिली पेंशन पाने वालों के लिए यह योजना सही अर्थों में जीवन रक्षक साबित हुई है। लगातार बढ़ती जा रही महंगाई और बहुत द्रुत गति से महंगी होती जा रही चिकित्सा सुविधाओं के इस समय में और ख़ास तौर पर तब जब कि हमारे अधिकांश सरकारी अस्पताल रोगियों की भीड़, कार्मिकों व बजट की कमी और कुल मिलाकर सरकारी उपेक्षा की वजह से विश्वसनीय नहीं रह गए हैं, निजी अस्पतालों में कैशलेस सुविधा का मिल जाना बहुत बड़ी राहत की बात लगी। जीवन के कीमती साल सरकारी नौकरी को समर्पित कर चुकने के बाद पेंशन के भरोसे जीवन यापन करने वाले कर्मचारी को या उसके दिवंगत हो जाने पर उसके आश्रितों को चिकित्सा सुविधा के लिए निश्चिंत कर निश्चय ही सरकार ने एक सराहनीय काम किया। मैं बार-बार कर्मचारियों की ही बात कर रहा हूं, इसका कारण सर्व विदित है। यही देखें कि जनप्रतिनिधिगण एक अलग ही श्रेणी है और उन्हें वह सब सहजता से सुलभ रहता है जिसका हम सपना भी नहीं देख पाते हैं।

> **कुल मिलाकर यह सभी सम्बद्ध पक्षों का साझा दायित्व है कि इस योजना को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करें। एक ऐसे समय में जब चिकित्सा सेवाएं महंगी होती-होती बहुतों की पहुंच से बाहर हो गई हैं, स्वास्थ्य बीमा कम्पनियां भारी प्रीमियम लेकर भी ज़रूरत पर काम आने के मामले में कोताही बरतने लगी हैं और सरकार ने उनकी नाजायज़ हरकतों की तरफ से आंखें मूंद रखी हैं, कर्मचारियों का एकमात्र सहारा यह आरजीएएचएस योजना ही है और इसे ठीक से चलाया जाना बहुत ज़रूरी है।**

तो यह एक बेहतरीन योजना थी लेकिन शुरु होने के चार बरस बीतते-बीतते बल्कि इससे थोड़ा पहले से इस योजना को लेकर अनेक अप्रिय समाचार आने लगे थे। सबसे पहले तो इस आशय की ख़बरें आई कि बहुत सारे सूचीबद्ध निजी अस्पतालों ने इस योजना के लाभार्थियों को सेवाएं देने में कई किस्म के अडंगे लगाए। फिर यह कि कई निजी अस्पतालों ने अचानक यह कहते हुए सेवाएं देना बंद कर दिया कि सरकार ने लम्बे समय से उनके बिलों का भुगतान नहीं किया है। ऐसा ही अनेक सूचीबद्ध दवा विक्रेताओं ने भी किया। इन कारणों से योजना के लाभार्थियों को अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ा। आप बीमार हैं और आपके पास इतने पैसे नहीं हैं कि अस्पताल का भारी बिल चुका सकें और दवाओं पर बड़ी रकम खर्च कर सकें तो परेशानी तो होगी ही। इसके बाद इस आशय की ख़बरें आई कि योजना का दुरुपयोग करने में कर्मचारी, अस्पताल, दवा विक्रेता और चिकित्सक सभी शामिल रहे हैं। अनेक कर्मचारियों ने अपने कार्ड पर किसी अनधिकृत व्यक्ति का इलाज करवा लिया तो बहुत सारे मामले ऐसे भी सामने आए कि डॉक्टर ने बहुत ज़्यादा दवाएं लिख दीं और मरीज़ ने दवा विक्रेता से मिली भगत कर उन दवाओं की बजाय अन्य सामग्री ले ली। रोगी को बिना भर्ती किए ही अस्पताल ने बिल बना कर सरकार को पेश कर दिया, या अनावश्यक जांचों का भुगतान प्राप्त कर लिया गया। सरकार ने अपने स्तर पर इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए अपनी व्यवस्थाओं को और अधिक कड़ा भी किया, और जो लोग, चाहे वे लाभार्थी हों, दवा विक्रेता हों, डॉक्टर हों या अस्पताल प्रबंधक हों, ग़लत काम करते हुए पकड़े गए उनके खिलाफ़ समुचित कार्रवाई भी की। लेकिन लाभार्थी इस बेहतरीन योजना से जिस आश्वस्ति और सुविधा की आस लगाए हुए थे, वह आस पूरी नहीं हो सकी। इसकी सबसे बड़ी वजह तो यही है कि सरकार अस्पतालों व दवा विक्रेताओं को समय पर भुगतान नहीं करती है। प्रतीक्षा करते-करते उनका धैर्य चुक जाता है और थक हार कर वे अपनी सेवाएं देना बंद कर देते हैं। इसका सीधा असर लाभार्थियों पर और ख़ास तौर पर अल्प वेतन भोगी कर्मचारी या उसके आश्रितों पर पड़ता है। सरकार के काम करने की अपनी गति होती है। वह सरक-सरक कर चलती है जबकि बीमारी किसी को अपने आगोश में लेने के लिए इस बात का ध्यान कहां रख पाती है कि सब कुछ ठीक हो तभी वह अपना काम करे।

निश्चय ही किसी भी योजना का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। आदर्श स्थिति तो यही है कि कोई भी- लाभार्थी या सेवा प्रदाता- उसका दुरुपयोग न करे। लेकिन आदर्श स्थिति तो केवल किताबों में होती है। जीवन में कहीं भी आदर्श स्थिति देखने को नहीं मिलती है। मौका मिलने भर की देर होती है, घपला हो जाता है। ऐसे में सरकार की कड़ाई और ग़लत काम करने वाले को दंड का ही सहारा रह जाता है। और मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि सरकार अपनी तरह से इस स्कीम को फुलप्रूफ बनाने के लिए भरपूर प्रयास कर रही है। अनेक बदलाव उसने किए हैं और जैसे-जैसे नए मामले सामने आते जाएंगे, वह उनसे सबक लेकर अपनी व्यवस्था को बेहतर बनाएगी। मैं सरकार से यह उम्मीद करता हूं कि वह एक समय सीमा तयकरे जिसमें अस्पतालों व दवा विक्रेताओं का भुगतान हर हालत में हो जाए। और अगर न हो तो सम्बद्ध कार्मिक को इसके लिए दंडित किया जाए ताकि इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति न हो। इसी तरह अगर कोई अस्पताल या दवा विक्रेता योजना के लाभार्थी को सेवा प्रदान करने में आनाकानी करे या उसे परेशान करे तो उसके खिलाफ़ भी त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। ये जो बहुत सारे अस्पताल मनमर्ज़ी से योजना का क्रियान्वयन रोक देते हैं इस पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। ख़ुद सरकारी कर्मचारियों (और अन्य लाभार्थियों) से भी यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे इस योजना का दुरुपयोग न करें। ऐसा करना ख़ुद उनके ही हितों को आहत करता है। कुल मिलाकर यह सभी सम्बद्ध पक्षों का साझा दायित्व है कि इस योजना को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करें। एक ऐसे समय में जब चिकित्सा सेवाएं महंगी होती-होती बहुतों की पहुंच से बाहर हो गई हैं, स्वास्थ्य बीमा कम्पनियां भारी प्रीमियम लेकर भी ज़रूरत पर काम आने के मामले में कोताही बरतने लगी हैं और सरकार ने उनकी नाजायज़ हरकतों की तरफ से आंखें मूंद रखी हैं, कर्मचारियों का एकमात्र सहारा यह आरजीएएचएस योजना ही है और इसे ठीक से चलाया जाना बहुत ज़रूरी है।

–अतिथि संपादक,
दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

भारत को बहुत सावधानी रखनी होगी बहुध्रुवीय विश्व में

सुरेन्द्र सिंह शेखावत

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा चरम पर है, भारत की विदेश नीति एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के 2024 चुनाव में पुनः जीतने पर भारतीय अखबारों द्वारा व्यक्त की गई भारी खुशी से लेकर ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ, पहलगाम आतंकी हमले के बाद अमेरिका का पाकिस्तान की ओर झुकाव, पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असिम मुनीर को ट्रंप द्वारा लंच पर आमंत्रित करना, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बढ़ती निकटता, भारत-चीन-रूस का उभरता गठबंधन तथा नया विश्व क्रम-ये सभी घटनाएं भारत की विदेश नीति में गहन बदलाव को रेखांकित करती हैं। इन घटनाओं का विश्लेषण करते पर समझा जा सकता है कि कैसे भारत रणनीतिक स्वायत्तता और बहु-संरेखण की नीति अपनाकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ट्रंप की 2024 चुनाव में जीत ने भारतीय मीडिया में उत्साह की लहर दौड़ा दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को सबसे पहले बधाई दी और उन्हें दुनिया का सबसे अच्छा नेता कहा। भारतीय मीडिया ने ट्रंप की जीत को भारत के लिए अवसर के रूप में चित्रित किया। हालांकि, यह खुशी क्षणिक साबित हुई, क्योंकि ट्रंप ने रूसी तेल और हथियारों की खरीद का बहाना बनाकर भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोप दिए, ट्रंप ने इसे एकतरफा आपदा करार दिया और कहा कि भारत अमेरिकी सामानों पर टैरिफ कम करे। इस कदम ने भारत-अमेरिका संबंधों में दरार पैदा की और भारत को अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए वैकल्पिक साझेदारों की ओर मोड़ दिया। मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पर जोर देते हुए इन टैरिफों को चुनौती दी, लेकिन इससे स्पष्ट हो गया कि अमेरिका के साथ निर्भरता जोखिमपूर्ण है।

इसके बाद, अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले ने दक्षिण एशिया में तनाव बढ़ा दिया। ट्रंप प्रशासन ने हमले की निंदा की और टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया, लेकिन अमेरिका का पाकिस्तानी के प्रति सॉफ्ट कार्नर जाहिर हुआ। यह झुकाव अफगानिस्तान और मध्य एशिया में अमेरिकी हितों से जुड़ा था, जहां पाकिस्तान की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के लिए यह एक झटका था, क्योंकि यह पुलवामा हमले के वक्त अमेरिकी भूमिका संदिग्ध ही दिखाई। । अब ट्रंप की नीति ने भारत को अमेरिका पर कम भरोसा करने के लिए मजबूर किया।

इस संदर्भ में, जून 2025 में ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असिम मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर आमंत्रित करना एक चौंकाने वाला कदम था। ट्रंप ने मुनीर की प्रशंसा की और इसे रणनीतिक रोमांस कहा, जबकि भारत के साथ तनाव चरम पर था। अगस्त में मुनीर की दूसरी यात्रा ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत किया। इससे भारत की विदेश नीति में बदलाव आया, जहां अमेरिका के साथ साझेदारी जारी रखते हुए भी पाकिस्तान मुद्दे पर स्वतंत्र रुख अपनाया गया। इसके विपरीत, अगस्त 2025 में तियानजिन में आयोजित एससीओ समिट ने भारत की विदेश नीति की नई दिशा दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने शी जिनपिंग से सीमा विवाद सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई और पुतिन के साथ हाथ पकड़कर चलते हुए निकटता प्रदर्शित की। मोदी और पुतिन ने कार में साथ यात्रा की, जो ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ एकजुटता का संदेश थी। मोदी ने कहा कि रूस और भारत मुश्किल समय में साथ खड़े रहते हैं। यह निकटता भारत-चीन-रूस के उभरते गठबंधन को रेखांकित करती है, जहां एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच अमेरिकी प्रभुत्व के खिलाफ वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान करते हैं। भारत रूसी तेल खरीदता रहेगा, जबकि चीन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाएगा। हालांकि, यह गठबंधन पूर्ण नहीं है; उसका चीन के साथ पिछला अनुभव अच्छा नहीं रहा है।

ये घटनाएं एक नए विश्व क्रम की ओर इशारा करती हैं। 2025 में, विश्व बहुध्रुवीय हो चुका है, जहां अमेरिका का एकध्रुवीय प्रभुत्व कमजोर पड़ रहा है। चीन, रूस और भारत जैसे उभरते ध्रुव वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को आकार दे रहे हैं। संसाधन युद्ध, जलवायु संकट और राजनीतिक उठावाद बढ़ रहे हैं, जबकि एससीओ जैसी संस्थाएं बहुपक्षीयता को बढ़ावा दे रही हैं। ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति ने इस बदलाव को तेज किया, जिससे भारत जैसे देश वैकल्पिक गठबंधनों की ओर मुड़े।

भारत की बदलती विदेश नीति का मूल अब बहु-संरेखण की ओर है क्योंकि विश्व द्विध्रुवीय नहीं रहा। मोदी युग में, भारत अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारी (क्वाड) बढ़ाता है, रूस से हथियार खरीदता है, और चीन के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखता है। यह नीति जोखिमों को कम करती है, हालांकि इस राह में चुनौतियां बहुत हैं-सीमा विवाद, पाकिस्तान का मुद्दा और आर्थिक निर्भरता। फिर भी, बहु-संरेखण भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत बनाता है, जहां वह स्वतंत्र निर्णय ले सकता है। कुल मिलाकर नए दौर में भारत को किसी गठबंधन का पिछलग्गू बनकर खड़ा रहने की बजाय अपने हित के अनुरूप स्वतंत्र निर्णय लेने होंगे । ड्रेगन द्वारा दिए गए ऐतिहासिक झटकों को भी याद रखना होगा। भारतीय मीडिया को भी अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं पर किसी की जीत पर स्वागत में बिछ जाने की बजाय राष्ट्र प्रथम की नीति पर अपना स्टैंड क्लियर रखना होगा। ट्रंप की जीत पर शुरुआती खुशी से लेकर एससीओ में नई निकटताओं तक, भारत की विदेश नीति में बदलाव साफ नजर आ रहे है । नया विश्व क्रम बहुध्रुवीय है, और भारत इसमें एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभर रहा है। यह नीति न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करती है, बल्कि वैश्विक शांति में योगदान देती है। आने वाले वर्षों में, भारत को इस पथ पर सतर्क रहना होगा, ताकि चुनौतियां अवसरों में बदल सकें।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक हैं।)

क्षमावाणी दिवस : विश्व का एक अद्भुत पर्व

भागचंद जैन

सभी धर्मों का परम् उद्देश्य आत्म कल्याण, मानव कल्याण एवं जीवमात्र का कल्याण है। इन उद्देश्यों की पूर्ति तभी सम्भव है जब हम धर्मानुरूप आचरण करे, लेकिन हम एक सामाजिक प्राणी है। सबके अलग अलग प्रकार के कार्य होते है, आमदनी अलग अलग होती है, विचार भी अलग होते है आदि। इस तरह इन अंतर से मतभेद एवं मनभेद प्रारम्भ होने लगते हैं, जो मानसिक अशांति एवं क्रोध का कारण बनते है एवं कभी कभी विकराल स्थिति पैदा हो जाती है कि पटरी पर लाना मुश्किल हो जाता है। मानव जीवन में यह एक सामान्य प्रक्रिया का अंग है। लेकिन इन सब विपरीत स्थितियों से पार पाने के लिए एक अद्भुत हथियार 'क्षमा' का सहारा प्राप्त है। सभी काय के जीवों में मात्र मनुष्य के पास ही क्षमा का विकल्प होता है। क्षमा में क्षमा मांगना एवं क्षमा करना दोनों ही प्रभावशाली है। जो त्रुटि करता है उसके पास क्षमा मांगने का उपाय रहता है। जानबूझकर की गई त्रुटि में अहम का भाव रहता है, वह क्षम्य नहीं होती है। लेकिन मन की मलीनता दूर कर क्षमा मांगने से जाने अनजाने में की गई त्रुटियों की क्षमा याचना का विकल्प सदैव रहता है एवं बुद्धिमान व्यक्ति इसका उपयोग करते है।

कैसे मनाते है ? :कोई जैसा कर्म करेगा उसे वैसा ही फल मिलेगा। अत: सुखद जीवन हेतु कर्मों की विशुद्धि पर महत्व दिया गया है। जैन धर्म में दशलक्षण धर्म की पालना इसी का अंग है। दश धर्म आत्मा के स्वाभाविक धर्म है। जैन दर्शन में दशलक्षण पर्व के दिनों में दस धर्मो की आराधना करके हम अपने कर्मों की निर्जरा करते है। दशलक्षण धर्म की शुरुआत उत्तम क्षमा धर्म से एवं समापन अश्विन कृष्णा एकम के दिन जिनेन्द्र देव की पूजा पाठ एवं अभिषेक के बाद सभी जिन मंदिरों में सामूहिक रूप से वृहत रूप में, सौहार्दपूर्ण वातावरण में क्षमावाणी पर्व के साथ समापन करते है। इस दिन सभी लोग बिना किसी विकल्प के सहज एवं सरल भाव से जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक दूसरे से एवं सामूहिक रूप से क्षमा याचना करते है। सचमुच में यह आत्मिक सुधार का एक अलौकिक त्यौहार है, जिसमें मन, वचन एवं कर्म के संगम से अर्थात अन्तस मन से क्षमा मांगी जाती है एवं क्षमा किया भी जाता है। हम अपने जीवन में कितने ही बुरे कर्म जानबूझ कर करते है और कितने ही हमसे अनजाने में हो जाते है। हमारे कृत्यों के कारण दूसरों का मन आहत हो जाता है। क्षमावाणी पर्व हमे वर्ष में कम से कम एक बार इस पर विचार करने का अवसर देता है, मन में बैर भाव की भावना को दूर करने का अवसर मिलता है।

क्षमा वाणी पर्व क्यों मनाते है ? :- दशलक्षण पर्व के बाद आने वाला क्षमावाणी पर्व इन दस धर्मों के उपदेशों को व्यावहारिक रूप देने का अवसर है। इस पर्व के माध्यम से एक-दूसरे के प्रति मन में पल रहे वैर-भाव, क्रोध और मन की मलीनता को धोने का अवसर हैं। क्षमावाणी पर्व क्षमा धर्म को चर्या में लाकर मूर्तरूप प्रदान करता है। क्षमा धर्म वर्ष में एक बार मनाने का ही त्यौहार नहीं है, यह श्रावकों की दिनचर्या का महत्वपूर्ण अंग है। प्रतिक्रमण के माध्यम से प्रतिदिन किए गए दोषों से मुक्त होने के लिए सभी जीवों से क्षमा याचना की जाती है एवं सभी को क्षमा भी किया जाता है।

क्षमा के गुण :- क्षमा भाव होने मात्र से ही अन्य गुण स्वत: आत्मसात होने लगते है। पर्व बहुत होते है, जिनमें बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी जाती है। लेकिन जीवन में एक ऐसा दिन भी आना चाहिए जब हम अपनी आत्मा के बोझ को कुछ हल्का कर सके। अपनी भूलों का प्रायश्चित करना तथा आगे कोई भूल नहीं करना हमारे जीवन पथ पर आगे बढ़ने में सहयोगी होता है। शूरवीर की शक्ति का मापदंड ही क्षमा भावना होती है। क्षमा करना वीरों का आभूषण है। कायर तो प्रतिकार करते है। क्षमा करना एक कुलीन कार्य है, यह एक अन्तस का भाव है। अंत:करण शुद्धि के आकांक्षी इस भाव को अपना सकते है ।

जब हम किसी से क्षमा मांगते है तो दरअसल हम अपने ऊपर ही उपकार करते है। हमारी आत्मा का बोझ हल्का होता है, अन्य व्यक्ति के मन में भी अच्छे भाव उत्पन होते है, इसी तरह आपसी वैमनस्य का अंत होता है।

हमारी संस्कृति कहती है – मित्ती में सव्व भूयेसु, वैर मँझन् ण केणवि। प्राकृत भाषा की इस सूक्ति का अर्थ है सभी जीवों में मैत्री- भाव रहे, कोई किसी से बैर -भाव न रखे। जैन संस्कृति ने इस सूक्ति को हमेशा दोहराया है। भगवान महावीर ने कहा है कि "कोहो पिई यपणा सई" अर्थात् क्रोध प्रीति का नाश करता है। क्रोध पर विजय पाने का एक मात्र उपाय क्षमा है। क्षमा से ही जीव को आत्म संतुष्टि एवं मानसिक शांति मिलती है।

क्षमा का प्रभाव :- क्षमापना से वैमनस्य दूर हो जाता है एवं मन हल्का हो जाता है। हम मात्र इस भाव से कई मानसिक एवं शारीरिक बीमारियों से बच सकते है। उदाहरणार्थ क्रोध के भाव से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का जमाव होने लगता है। दुर्बल व्यक्ति को ही अत्यधिक क्रोध आता है। अहम, बदले की भावना, क्रोध, ईर्ष्या भाव, गलती न मानना, दूसरे से आगे बढ़ने की इच्छा, अविवेकपूर्ण निर्णय आदि दुर्गुण मात्र क्षमा अपनाने से ही दूर हो सकते है। क्षमा भाव से परिवार में आपसी समन्वय, सद्भावना और एकता बनी रहती है। समाज भाईचारा बना रहता है, विकास की संभावनाएं बनती है। एक दूसरे के प्रतिद्वंदी के बजाय पूरक बनकर सहभागिता जन्म लेती है।क्षमा भाव से हैप्पी हार्मोन्स का श्राव है, जो खुशी का कारण बनता है।

क्षमा सर्वधर्म समन्वय का आधार :-क्षमा अपनाने पर केवल जैन धर्मावलंबियों का ही एकाधिकार नहीं है, तथापि जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों की अनुपालना करने वाला कोई भी व्यक्ति क्षमावाणी पर्व मना सकता है। क्षमा एक ऐसा आत्मशोधक गुण है, जिसकी सभी को आवश्यकता होती है, क्योंकि मनुष्य को गलतियों का पुतला कहा जाता है। गलती मानना एवं उसमें सुधार करने का सभी को अधिकार होना चाहिए, इसी भावानुरूप उद्देश्य की पूर्ति हेतु क्षमा का उद्भव हुआ है। अन्तस के मूलगुण किसी धर्म -संप्रदाय से बंधे हुए नहीं होते, इसलिए क्षमापर्व सर्व धर्म समन्वय का आधार भी है। वैश्विक स्तर पर सीमा पर मनमुटाव, लड़ाई, मतभेद समाप्त होकर आपसी समन्वय एवं सद्भाव से पूरे विश्व में शांति स्थापित हो सकती है। रूस -यूक्रेन, चीन -ताइवान, इजराइल -फिलिस्तीन, भारत - पाकिस्तान आदि कई देशों के बीच जारी तनाव के बीच युद्ध विराम आसानी से हो सकता है, अभी हाल ही में आर्थिक मोर्चे पर शुरू हुआ टैरिफ वार का भी समाधान हो सकता है एवं विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह विश्व का अनोखा पर्व है, इस पर्व से विश्व की सभी समस्याओं के समाधान का मार्ग बन सकता है।

संकलन-भागचंद जैन
मित्रपुरा
अध्यक्ष अखिल भारतीय
जैन बैंकर्स फोरम जयपुर।

बाढ़ की आपदा में मुख्यमंत्री की राहत बनीं सहारा

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में तत्परता के साथ हरसंभव राहत प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ नागरिक सुरक्षा से लेकर चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं के सुचारू संचालन पर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए और इनकी पालना में राज्यभर में बाढ़ में फंसे लोगों का पेशेवर ढ़ंग से बचाव कर बहुमूल्य मानव जीवन बचाये गये, प्रभावितों को समुचित सहायता और राहत दी गई।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। आम जनता की सुरक्षा के लिए सरकार ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। दुर्घटना संभावित स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं और नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1070 और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1077 लगातार सक्रिय हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें दिन-रात सक्रिय रहकर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं। मानसून के दौरान एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों ने अब तक 1155 व्यक्तियों को सकुशल रेस्क्यू किया है। वर्तमान में पूरे राज्य में एसडीआरएफ की 62 टीमें, एनडीआरएफ की 7 टीमें और सिविल डिफेंस की टीमें सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वायुसेना के हेलिकॉप्टर से जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाया भी जा रहा है। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ जल और दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में खरीफ 2025 में अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान के आकलन के लिए 1 अगस्त, 2025 से गिरदावरी का कार्य प्रारम्भ किया गया। गिरदावरी के कार्य उपरांत जिन जिलों में 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराब हुई है, वहां प्रभावित किसानों को केन्द्र सरकार के एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार कृषि आदान-अनुदान सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों और आंगनबाड़ी भवनों की सुरक्षा को सर्वाच्च प्राथमिकता देते हुए वर्षाजनित परिस्थितियों के चलते घोषित अवकाश के दौरान भवनों का निरीक्षण, जल निकासी और आवश्यक मरम्मत का कार्य तुरंत पूरा करवाया जा रहा है ताकि बच्चों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार द्वारा क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मरम्मत हेतु एसडीआरएफ नॉर्म्स के अंतर्गत विभिन्न जिलों से मरम्मत कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त किए गए हैं। इन कार्यों में सड़क, पुल, विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य संस्थानों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के कार्य शामिल हैं। प्रदेश के 12 जिलों में अब तक 180.67 करोड़ रुपए के 8,867 कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 4,183 विद्यालय भवनों के लिए 83.66 करोड़ रुपए, 930 आंगनबाड़ी भवनों के लिए 21.89 करोड़ रुपए, 165 पंचायत भवनों के लिए 3.57 करोड़ रुपए, 106 चिकित्सालय भवनों के लिए 2.08 करोड़ रुपए, 170 लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 3.94 करोड़ रुपए, 3,128 सड़कों के लिए 64.34 करोड़ रुपए और 184 पुलों व पुलियाओं के लिए 1.14 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह, राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी जिलों को बचाव उपकरणों के लिए 19.45 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। सभी संभागीय मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख रुपए तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। साथ ही, अतिवृष्टि के दौरान जिलों की मांग के अनुसार अतिरिक्त आवंटन किए जा रहे हैं।

राज्य में दक्षिण-पश्चिमी मानसून में अब तक वास्तविक वर्षा 608.65 मिमी रही, जो सामान्य से 62.50 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में प्रदेश के 22 जिलों में वर्षा असामान्य श्रेणी में दर्ज की गई, जिनमें अजमेर, बूंदी, कोटा, टोंक, नागौर, सवाई माधोपुर, सीकर, धौलपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर और करौली जैसे जिले प्रमुख रूप से शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे मौसम विभाग और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, बहते हुए पानी और जलाशयों के निकट न जाएं, अपना आकलन लगाकर पानी से भरे रास्तों को पार करने का प्रयास न करें और किसी भी आपात स्थिति में नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क करें। प्रशासन की टीमें सजग और तत्पर हैं।

ईशा सैनी, एपीआरओ,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग,
राजस्थान

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 8 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:03 तक, धृति योग प्रात: 6:30 तक, बालव करण दिन 10:25 तक, चन्द्रमा दिन 2:19 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से रात्रि 8:03 तक है। आज से पितृ पक्ष महालय श्राद्ध आरम्भ होंगे। आज प्रतिपदा का श्राद्ध है। आज क्षमावाणि पर्व-पड़वा ढोक (जैन) है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:46 तक, शुभ 9:14 से 10:52 तक, चर 1:58 से 3:31 तक, लाभ-अमृत 3:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35

मेष
अपने अति आवश्यक आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में अनावश्यक धन खर्च होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है।

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक परेशानियां बनी रहेगी।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

सत्ता के लोभ और तुष्टिकरण की राजनीति ने कराया देश का बंटवारा : भजनलाल शर्मा

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर जयपुर में संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर लगाए तीखे आरोप

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत का विभाजन किसी मजबूरी का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सत्ता के लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का दुष्परिणाम था। उन्होंने कहा कि विभाजन मानव इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है, जिसमें 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए और निर्दोष हिंदुओं को अमानवीय पीड़ा झेलनी पड़ी। भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, जिस पार्टी ने सत्ता के लिए देश को बांटा, वह देश को कभी जोड़ नहीं सकती। जो लोग तुष्टिकरण और स्वार्थ की राजनीति करते आए हैं, उनके कारण ही पाकिस्तान से आने वाली ट्रेनें लाशों से भरी आती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित हिंदुओं को नागरिकता देने की जिम्मेदारी जिन सरकारों पर थी, वे असफल रहीं, यहां तक कि उनकी संपत्ति का मुआवज़ा तक देने से इनकार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इस ऐतिहासिक गलती को सुधारा है और नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा कर पीड़ितों को न्याय दिलाया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने विभाजन के समय लाखों शरणार्थियों की सेवा की, जबकि तब की सत्ता में बैठे लोग केवल राजनीति करते रहे।

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने भी कांग्रेस और गांधी परिवार को विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि सत्ता सरदार वल्लभभाई पटेल के हाथों में होती, तो देश का बंटवारा टल सकता था। उन्होंने कहा कि यह दिवस राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई को सामने लाने और उससे सबक लेने के लिए मनाया जा रहा है

। परनामी ने कहा, पाक से आने वाला हर हिन्दू शरणार्थी नहीं, पुरुषार्थी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' घोषित कर पीड़ितों की पीड़ा को इतिहास के अंधेरे पन्नों से निकालकर देश के सामने रखने का काम किया है।

जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने स्वागत भाषण में बताया कि विभाजन के दौरान 1.5 करोड़ लोग बेघर हुए, 55 हजार महिलाओं की अस्मिता से खिलवाड़ हुआ और 10 लाख लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें इतिहास से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी और जगह कम पड़ने के कारण सैकड़ों लोग मुख्यमंत्री को सुनने से वंचित रह गए। मंच संचालन पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, अरुण चतुर्वेदी, राजेन्द्र राठौड़, कैलाश चौधरी, सौम्या गुर्जर, सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था – देश के विभाजन की सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाना और उन पीड़ितों को स्मरण करना, जिन्होंने आजादी की कीमत अपने घर, परिवार और जीवन से चुकाई।

भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला सभागार में आयोजित ''विभाजन विभीषिका'' स्मृति दिवस संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

सरकार ने शुरू की ''विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना''

यह योजना राजस्थान में युवाओं के लिए स्वरोजगार की नई राह बनेगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए ''विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना'' को मंजूरी दी है। यह योजना राज्य मंत्रिमंडल की 23 अगस्त 2025 को हुई बैठक में अनुमोदित की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार का मानना है कि युवा शक्ति को यदि उचित संसाधन, प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता मिले, तो वे रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इसी सोच को साकार रूप देने के लिए यह योजना तैयार की गई है।

- **इसके तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।**

इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।

इस योजना में अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान देने का प्रावधान है। इससे स्वरोजगार की राह में आने वाली वित्तीय बाधाएं काफी हद तक दूर होंगी और युवा नवाचार व व्यवसायिक गुणवत्ता पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। राज्य सरकार ने योजना को समावेशी स्वरूप देते हुए विशेष वर्गों के लिए अतिरिक्त लाभ भी सुनिश्चित किए हैं। महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित उद्यम, और कार्डधारी बुनकर एवं शिल्पकार यदि 1 करोड़ से अधिक और 2 करोड़ रुपये तक का ऋण लेते हैं, तो उन्हें एक प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान मिलेगा।

इसके अलावा ऋण पर 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी भी सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दी जाएगी, जिससे उद्यम की स्थापना या विस्तार और अधिक सुलभ हो सकेगा।राज्य सरकार का यह प्रयास केवल ऋण और सब्सिडी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से प्रदेश में युवाओं के लिए स्वरोजगार की मजबूत नींव रखी जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार, युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य हैं, और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार नई योजनाएं और नीतियां ला रही है। राजस्थान स्किल पॉलिसी, युवा रोजगार प्रोत्साहन योजना और युवा नीति 2025 जैसे कदम भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में चार लाख सरकारी भर्तियों और छह लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने का है।विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना निश्चित रूप से प्रदेश में स्वरोजगार को नई गति देगी और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।

कांग्रेस और आरजेडी के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों के विरोध में रविवार को मालवीय नगर मंडल के तत्वावधान में जीटी सेंटर के बाहर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विधायक कालीचरण सराफ ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

गहलोत ने जो कार्य 5 साल में नहीं किए, वो भजनलाल ने पौने 2 साल के कार्यकाल में कर दिए : अशोक परनामी

राजनीति मजे के लिए नहीं, जनसेवा के लिए होती है गहलोत साहब : अशोक परनामी

जयपुर (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने अशोक गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत बताए कि उनके सलाहकार कौन थे, जिन्होंने उन्हें अपने ही युवा नेताओं को नाकारा-निकम्मा बोलने की सलाह दी थी। गहलोत ने पिछले पांच साल सिर्फ कुर्सी की लडाई में और आपसी झगड़ों में निकाल दिए। मैं गहलोत से पूछना चाहता हूं कि वे युवाओं के विरोध में क्यों है? गहलोत साहब, राजनीति मजे के लिए नहीं बल्कि जनसेवा के लिए होती है और यह बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बखूबी साबित कर रहे हैं। अब ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं।

परनामी ने कहा कि गहलोत यह नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत है। भाजपा सरकार संगठन के साथ एकमुखी होकर जनता को विकास की योजनाएं दे रही है। गहलोत अपने तीन बार के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जो कार्य नहीं करा सके, वे सभी काम जन-जन के लाडले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने 20 माह के ही कार्यकाल में कर दिखाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जो कहते है उसे पूरा करते हैं। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में संकल्प पत्र में किए गए वादों में से 50 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा कर दिखाया है। भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को ईआरसीपी, यमुना जल समझौते की सौगात दी। बिजली में प्रदेश को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। युवाओं को 75 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गहलोत झूठे वादे करके ही हमेशा सत्ता में आए। उनके पिछले कार्यकाल में पेपरलीक की घटनाओं ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। प्रदेश की जनता को उनका जंगल राज याद है, जब प्रदेश महिला अपराध में नम्बर वन, महंगी बिजली में नम्बर वन था। उन्होंने कर्जमाफी का झूठा वादा कर किसानों को लूटा, पेट्रोल-डीजल से जनता की जेब पर डाका डाला। गहलोत के कार्यकाल में प्रदेश भ्रष्टाचार में नम्बर वन था। उन्होंने कहा कि गहलोत को नकारात्मक राजनीति छोड़कर सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अच्छे कार्यों की प्रशंसा करनी चाहिए और अपने सुझाव भी देने चाहिए।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने रविवार को पत्रकारों से रूबरू होकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा।

- **उन्होंने कहा कि ''गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं। ''**

प्रभारी जोगाराम पटेल ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर। वर्षा प्रभावितों तक जल्द से जल्द राहत पहुँचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। जोगाराम पटेल ने यह बात रविवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए की। उन्होंने आपदा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजा स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार की उपस्थिति में आयोजित बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति, प्रभावित जनता को समय पर सहायता उपलब्ध कराने, गिरदावरी और फसल नुकसान के सर्वेक्षण की स्थिति सहित बीमा दावों एवं मुआवजा प्रक्रिया की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जाए तथा राहत सामग्री एवं चिकित्सकीय सेवाएं शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने फसल हानि एवं पशु हानि का सही आकलन कर प्रभावित किसानों और पशुपालकों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव आज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आतिथ्य में सोमवार को बिरला सभागार में प्रदेश के मसालों से जुडे कृषकों, व्यापारियों, निर्यातकों एवं अन्य मसाला हितधारकों के लिए कृषि विपणन विभाग-बोर्ड द्वारा राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 226 करोड रुपए की लागत से हुए 143 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा में नवाचार और मानक सुधार जारी : चिकित्सा मंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के नेतृत्व में राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों ने प्रदेश की सेहत की तस्वीर बदल दी है। निरामय राजस्थान अभियान, मिशन मधुहारी, मिशन लीवर स्माइल, स्तनपान प्रबंधन इकाइयां, हीमोडायलिसिस वार्ड और मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना जैसी पहलों के माध्यम से आमजन को बेहतर, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इन योजनाओं के प्रभाव से न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि प्रदेश के दूर-दराज़ और आदिवासी इलाकों में भी बीमारियों का प्रभावी इलाज हो रहा है। निरामय राजस्थान अभियान के तहत हर माह स्वास्थ्य जागरूकता की एक थीम पर आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मिशन मधुहारी के तहत टाइप-1 डायबिटीज रोगियों को नि:शुल्क इंसुलिन और ग्लूकोमीटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि मिशन लीवर स्माइल से लीवर रोगों के प्रति जागरूकता और समय पर इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए स्तनपान प्रबंधन इकाइयों की स्थापना की गई है, जो नवजात शिशुओं को मां का दूध उपलब्ध कराने में सहायक हैं। किडनी रोगियों के लिए जिला अस्पतालों में हीमोडायलिसिस वार्ड बनाकर डायलिसिस सेवाएं सुलभ की गई हैं। मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाकर आदर्श ग्रामों का निर्माण किया जा रहा है। स्वस्थ नारी चेतना अभियान के अंतर्गत एचआईवी संक्रमित महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग की गई, जिससे समय पर इलाज की सुविधा मिली है। इन समर्पित प्रयासों से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार हुआ है और प्रदेशवासी स्वस्थ जीवनशैली की ओर जागरूक हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी नीतियों ने राजस्थान को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई दिशा दी है।

82 प्रतिशत भारतीय ट्रैवलर्स की पसंद हैरिटेज और फेस्टिवल टूरिज्म : ललित के. पंवार

12वां आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग संपन्न

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हाल ही में जारी सांस्कृतिक पर्यटन रिपोर्ट बताती है कि 82 प्रतिशत भारतीय पर्यटक हैरिटेज और त्यौहारों के लिए यात्रा करना पसंद करते हैं। पर्यटन वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। अगर हम इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर सकें, तो इस क्षेत्र में लगभग 4 करोड़ रोज़गार सृजित करने की क्षमता है।'' यह बात राजस्थान पब्लिक सर्विस कमिशन के पूर्व चेयरमैन, आईएएस, ललित के पंवार ने कैसल कानोता में आयोजित 12वें आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन के समापन पर एक सत्र को संबोधित करते हुए कही।

- **कैसल कानोता में पूरे भारत से लगभग 150 हैरिटेज होटेलियर्स शामिल**
- **दो दिनों के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन**
- **इस कन्वेंशन में पहला ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया**

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पर्यटन में उन क्षेत्रों में भी रोज़गार पैदा करने की अनोखी क्षमता है ,जहां अवसर कम हैं, जैसे रेगिस्तानी इलाके। पंवार ने यह भी बताया कि विदेशी पर्यटकों का आगमन अब महामारी से पहले की स्थिति पर पहुंच रहा है, जो उद्योग के सुधार और विकास के लिए अच्छे संकेत हैं।भारत में हैरिटेज टूरिज्म एवं पर्यटन को प्रमोट करने के उदेश्य के साथ आयोजित इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के दो दिवसीय 12वें आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग का जयपुर स्थित कैसल कानोता में सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दो दिवसीय कन्वेंशन के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन, जिसमें पर्यटन एवं हेरिटेज प्रॉपर्टीज के भविष्य और संरक्षण पर चर्चा की गई।

ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड

इस अवसर पर पहली बार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड आईएचएचए के प्रेसिडेंट एमिरेट्स, एचएच महाराजा गज सिंह द्वारा नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को प्रदान किया गया।

इस दौरान स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की बेटियां रोहिणी सिंह, नियति सिंह और भतीजे अंगद मंडावा उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रणधीर विक्रम सिंह मंडावा का जब निधन हुआ था, तब वे आईएचएचए के अध्यक्ष थे। वे हैरिटेज टूरिज्म के क्षेत्र में प्रख्यात नाम रहे हैं, जिन्हें विश्व पर्यटन में मंडावा और शेखावाटी क्षेत्र को आगे लाने का श्रेय जाता है।

फ्यूचर ऑफ टूरिज्म पर सत्र

कन्वेंशन के दौरान फ्यूचर ऑफ टूरिज्म विषय पर एक ज्ञानवर्धक पैनल चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा के दौरान राजस्थान के युवा होटेलियर्स पैनल में शामिल हुए। उन्होंने गेस्ट द्वारा किसी जगह की मौखिक रूप से तारीफ (वर्ड ऑफ माउथ पब्लिसिटी) करने को आज के समय में भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव अन्य गेस्ट्स पर भी ज्यादा असरदार होता है।

वहीं, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कई नए डिजिटल टूल्स की मदद से अब ऐसी जगहें भी लोगों के सामने आ रही हैं, जो पहले पर्यटकों की नजरों से छुपी हुई थीं। उन्होंने बताया कि आज के समय में किसी भी ब्रांड के लिए ऐसा इन्फ्लुएंसर चुनना जरूरी हो गया है, जो उसकी कहानी को उस भाव के साथ लोगों तक पहुंचा सके, जैसा भाव उस कहानी में छुपा होता है। इस सत्र में एम.के जयदेव सिंह कोटा, अविजीत सिंह रोहेट, भाग्यदित्य सिंह देवगढ़ और मोरमुकुट सिंह कानोता ने हिस्सा लिया।

''रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट'' पर चर्चा

इस दौरान एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्राणा सिंह जामवाल, युवरागी राठौड़, शान भटनागर और देव्यानी भटनागर ने अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि राजस्थानी पहनावा, पारंपरिक संगीत, स्थानीय व्यंजन और त्योहार न सिर्फ हमारी संस्कृति की पहचान हैं, बल्कि ये हमें अपनी जड़ों से भी जोड़े रखते हैं।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि किसी भी कला या शिल्प को जीवित रखने के लिए उसका इतिहास और उससे जुड़ी कहानियां जानना और समझना बेहद जरूरी है।

पर्यटन-हॉस्पिटैलिटी उद्योग में जीएसटी के प्रभाव पर चर्चा

भारत 22 सितंबर से एक सरल दो-स्लैब जीएसटी प्रणाली को अपनाने जा रहा है, जिससे पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी उद्योग को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कन्वेंशन में जीएसटी पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में सीए यश धड्डा और सीए चित्रांगदा शेखावत ने होटल व्यापार, हेरिटेज प्रॉपर्टीज और रेस्टोरेंट से संबंधित जीएसटी नियमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कन्वेंशन में होटेलियर्स और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े उपस्थित लोगों की विभिन्न भ्रांतियों का समाधान करते हुए उन्हें विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

होर्स सफारी एंड रुरल टूरिज्म पर चर्चा

इस पैनल चर्चा में मल्लिका सिंह डुंडलोद, रघुवेंद्र सिंह डुंडलोद, ओलिवर सिंक्लेयर, महिराज सिंह चनौद और अंगद देव मंडावा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार होर्स सफारी ग्रामीण समुदायों का समर्थन करते हुए स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देती है। उन्होंने मारवाड़ी घोड़ों के सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये स्वस्थ और उत्कृष्ट घोड़े अब खेलों का भी हिस्सा हैं, जिससे वे ऑथेंटिक और रिस्पॉन्सिबल एक्सपीरियंस चाहने वाले यात्रियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गए हैं।इसके अतिरिक्त, नरेश अरोड़ा द्वारा मार्केटिंग पर; यदुवीर बेरा द्वारा बेरा जैकेट्स पर और भारत सिंह द्वारा ओल्ड सिटी ऑफ जयपुर विषय पर रोचक टॉक्स आयोजित हुए। कार्यक्रम का समापन के आईएचएचए के संयुक्त सचिव, पृथ्वी सिंह कानोता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हैरिटेज टूरिज्म के प्रख्यात नाम स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की स्मृति में उनकी बेटियां रोहिणी सिंह, नियति सिंह और भतीजे अंगद ने रविवार को नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को मंडावा ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया। यह पुरस्कार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए दिया गया।

बजरंग दल चलाएगा देशव्यापी नशा मुक्ति अभियान

जयपुर। युवाओं में तेजी से बढ़ रही नशे की लत को गंभीर चिंता का विषय मानते हुए बजरंग दल ने देशभर में नशा मुक्ति अभियान शुरू करने की घोषणा की है। जयपुर प्रवास के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, जिसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज के विभिन्न वर्गों में जागरूकता कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं और संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे।

- **स्कूल-कॉलेजों और समाज में होंगे जागरूकता कार्यक्रम**

उन्होंने बताया कि यह अभियान विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के युवा संगठन बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा। इसके तहत साप्ताहिक बैठकों में यह तय किया जाएगा कि अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समाज के विभिन्न संगठनों, युवाओं और प्रशासन के साथ समन्वय कैसे बढ़ाया जाए। नीरज दौनेरिया ने कहा कि देश के अधिकांश प्रमुख मंदिरों का नियंत्रण सरकार के पास है, जबकि विहिप का मानना है कि मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के लोगों द्वारा किया जाना चाहिए तथा मंदिरों की आय केवल हिंदू समाज के हितों में खर्च की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस विषय पर आगामी बैठकों में ठोस रणनीति बनाई जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर देशभर के मुख्यमंत्रियों, विधायकों से संवाद स्थापित किया जाएगा। साथ ही जनजागरण अभियान, सम्मेलन और जनसभाएं भी आयोजित की जाएंगी।

कोटड़ा में सवा इंच बारिश, उदयपुर शहर का बड़ी तालाब छलका

आयड़ नदी का बहाव कम हुआ, बस्तियों के लोगों को राहत मिली

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर में झीलों के लबालब होने में रविवार को बड़ी तालाब का नाम भी जुड़ गया। शहर के बीच स्थित सबसे बड़ी क्षमता वाली इस झील पर रविवार को चादर चल गई। वहीं फतहसागर, पीछोला, स्वरूपसागर पहले ही ओवरफ्लो चल रहे हैं।

इधर, शहर में रविवार को आयड़ नदी का बहाव कम पड़ने से निचली बस्तियों में रह रहे लोगों ने राहत की सांस ली है। शहर की जिन कॉलोनियों में शनिवार को पानी घुस गया वहां लोगों ने दिनभर घरों की सफाई की और बेसमेंट में भरे पानी को मोटरों द्वारा बाहर निकाला। बीते 12 घंटों में उदयपुर जिले में रिमझिम बारिश का दौर चला जिले में सर्वाधिक बारिश कोटड़ा में 35 मिमी होने के समाचार मिले हैं।

उदयपुर में सेवाश्रम की कनेक्टिंग पुलिया पर सड़क पर पानी बह रहा है।

- **उदयपुर में रविवार को भी रिमझिम बारिश हुई, उदयसागर के गेट 8-8 फीट खुले**

उदयपुर शहर में शनिवार को आयड़ नदी के उफान पर आने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, लेकिन बारिश का थोड़ा कम पड़ने से रविवार रात से ही आयड़ नदी का प्रवाह कम होने लगा ,जहां कल आयड़ नदी पूरे उफान के साथ उसके नौ कोठे का टच करते हुए बह रही थी। वहीं इसका वेग कम हो गया। शहर के करजाली हाउस, साइफन कॉलोनी, आयड़, अलीपुरा, कृष्णपुरा, पुलां, ठोकर, अहिंसापुरी कॉलोनियों में जहां घरों में पानी भर गया, वहां दिनभर लोगों ने घरों से पानी निकाल सफाई की।

इधर, फतहसागर झील के गेट एक इंच कम कर अब चारों गेट तीन-तीन इंच खुले हुए हैं वहीं स्वरूपसागर के दो गेट 1 फीट 6 इंच व दो गेट दो-दो फीट खुले हुए हैं। सीसारमा नदी अब भी छह फीट के वेग से बह रही है। देवास प्रथम के गेट भी 6 इंच खुले हुए हैं। वहीं उदयसागर के गेट 8-8 फीट खुले हुए हैं।

महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा गिरा, रात होने से हादसा टला

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के लोहारवाड़ा महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा शनिवार रात को भरभराकर ढह गया। बरामदे के आसपास के तीन कमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए। रात का समय होने से स्कूल में कोई बच्चे और टीचर्स नहीं होने से बड़ा हादसा होने से टल गया। स्कूल के 8

- **बरामदा गिरने से आसपास के तीन कमरे भी क्षतिग्रस्त**
- **स्कूल के 8 कमरे जर्जर हालत में हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का डर है**

कमरे जर्जरहाल हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का डर है। स्कूल प्रशासन की ओर से इन कमरों में बच्चों को बैठाने से साफ इनकार किया गया है।

डूंगरपुर में बरसात का दौर चल रहा है। बारिश की वजह से कई भवनों को नुकसान पहुंचा है। वहीं झालावाड़ में स्कूल हादसे के बाद से ही सरकारी स्कूलों में जर्जर हाल कमरों में बच्चों को बैठाना बंद कर दिया है। शहर के लोहारवाड़ा स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि आज सुबह स्कूल का जर्जर हाल बरामदा गिरने की सूचना मिली थी। स्कूल जाकर देखा तो बरामदे की छत ढह गई थी। दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं बरामदे के आसपास के तीन कमरों को भी नुकसान हुआ है। बरामदा गिरने की घटना रात के समय होने से बड़ा हादसा टल गया। स्कूल में बच्चे और स्टाफ के होने पर बड़ा हादसा हो सकता था।

डूंगरपुर शहर के लोहारवाड़ा महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा शनिवार रात को भरभराकर ढह गया।

प्रिंसिपल राजेश चौबीसा ने बताया कि स्कूल के 12 गुना 50 का बरामदा और 8 कमरे पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं। बरामदे के 2 पिलर पहले से क्षतिग्रस्त हो चुके थे। जिससे कभी भी हादसे का डर पहले से था। इस वजह से इन कमरों में बच्चों को नहीं बैठाया जा रहा था। स्कूल में कक्षा पहली से 10वीं तक 180 स्टूडेंट पढ़ते हैं, लेकिन केवल 3 कमरे ही बचे हैं। ऐसे में बच्चों को कमरों में बैठाकर पढ़ाई करवाना मुश्किल हो रहा है। इसे लेकर पहले भी शिक्षा विभाग और प्रशासन को अवगत करवाया गया है। प्रिंसिपल ने स्कूल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग रखी है।

डूंगरपुर जिले में तीन दिन से बारिश जारी

कनबा में सबसे अधिक साढ़े तीन इंच बरसात हुई

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में तीन दिन से रुक-रुककर बरसात का दौर जारी है। रात के समय बरसात के बाद रविवार सुबह रिमझिम और हल्की बरसात से दिन की शुरुआत हुई। आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। वहीं लगातार बारिश की वजह से कई बांध और तालाब लबालब होकर ओवरफ्लो बह रहे हैं। खेत भी तालाब में तब्दील हो गए हैं। कनबा में सबसे ज्यादा साढ़े तीन इंच बरसात हुई है।

- **लगातार बारिश की वजह से कई बांध और तालाब लबालब होकर ओवरफ्लो बह रहे हैं**

मौसम विभाग की ओर से डूंगरपुर जिले में दो दिन तक बारिश के रेड अलर्ट के बाद रविवार को येलो अलर्ट है। सुबह के समय आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। वहीं रिमझिम और हल्की बरसात से शुरुआत हुई। रुक-रुककर बरसात का दौर चल रहा है। तीन दिन से डूंगरपुर में रुक-रुककर तेज और हल्की बरसात हो रही है। बारिश की वजह से कई बांध, तालाब पर 2 से 3 फीट या इससे भी ज्यादा की चादर चल रही है।

जिले के सबसे बड़े सोम कमला आंबा बांध के तीन गेट से पानी की निकासी हो रही है। वहीं दूसरी ओर बांसवाड़ा के माही डेम के गेट खुले होने से बेणेश्वर धाम टापू बना हुआ है। बेणेश्वर धाम के तीनों पुलिया पर पानी बह रहा है। जिससे आवाजाही पिछले 15 दिन से बंद है। डूंगरपुर में रविवार सुबह 8 बजे तक औसत डेढ़ इंच बरसात हुई। सबसे ज्यादा साढ़े 3 इंच (91 एमएम) बरसात कनबा में रिकॉर्ड हुई है। इसके अलावा डूंगरपुर शहर में ढाई इंच (68 एमएम), देवल में 65 एमएम, वेंजा में 60 एमएम, गलियाकोट में 52 एमएम, चिखली में 41 एमएम, आसपुर में 33 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 23 एमएम, धंबोला में 23 एमएम, सागवाड़ा में 26 एमएम, निठाउवा में 25 एमएम, गणेशपुर में 19 एमएम, साबला में 19 एमएम बारिश हुई है।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की 11 बाइक जब्त

पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश कर तीन जनों को गिरफ्तार किया।

झुंझुनूं, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरों की एक गैंग को दबोचते हुए बाइक चोरियों की कई वारदातों का खुलासा किया है। आरोपियों से 11 चोरी की बाइक बरामद कर ली गई है। वहीं अन्य के लिए पूछताछ जारी है। आरोपी ना केवल झुंझुनूं, बल्कि सीकर और जयपुर ग्रामीण जिलों में भी लगातार चोरी की वारदातें कर रहे थे।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पिछले माह ही 24 अगस्त को झुंझुनूं शहर के एक निजी अस्पताल के बाहर से बाइक चोरी हुई थी, जिसके बाद से कोतवाली पुलिस लगातार चोरों का पीछा कर रही थी। करीब 300 सीसीटीवी फुटेज देखकर चोरों तक पुलिस पहुंचने वाली थी कि मुखबिर के जरिए इत्तला मिली कि गुढ़ा रोड पर एक बाइक पर तीन युवक आ रहे हैं, जिनके पास चोरी की बाइक है। जिस पर पुलिस ने तीनों युवकों को बाइक के साथ

- **झुंझुनूं, सीकर और जयपुर ग्रामीण जिलों में भी लगातार चोरी की वारदातें कर रहे थे आरोपी**
- **आरोपियों से पूछताछ करने पर करीब दो दर्जन चोरी की वारदातें कबूल की**

दबोचा। यह बाइक चोरी की थी। आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने सीकर और जयपुर ग्रामीण समेत झुंझुनूं जिले में करीब दो दर्जन चोरी की वारदातें कबूली है। आरोपियों की निशानदेही पर नेशनल हाइवे के निर्माणाधीन पुल के पास मलसीसर रोड की पहाड़ी की तलहटी से 10 और चोरी की बाइक बरामद की गई है। इसी तलहटी में आरोपियों ने चोरी की बाइक का गोदाम बना रखा था। आरोपी जल्द ही सभी बाइकों को ठिकाने लगाने वाले थे कि उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। गिरफ्तारी तीनों आरोपी सीकर के खंडेला थाना इलाके के कोटड़ी निवासी दीपक पुत्र रिछपाल सिंह जाट, वार्ड नंबर सात खंडेला निवासी सचिन पुत्र मनोहरलाल गुर्जर तथा लुहारवास निवासी विकास कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार मेघवाल है, जिनके आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। साथ ही अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि सभी बाइकों के चैसिस नंबर लेकर इनके मालिकों को सूचित किया जा रहा है। इसके अलावा आरोपी एक ही मॉडल की बाइकों को चुराते थे। आरोपी हीरो होंडा की स्पलेंडर बाइक का लॉक तोड़ने में माहिर है।

युवक ने आत्महत्या की

अलवर, (निसं)। बहरोड़ के सदर थाना क्षेत्र के कारोड़ा गांव में शनिवार रात को 35 वर्षीय व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली। उसका शव घर के बाहर एक पेड़ पर लटका मिला। रविवार सुबह शव को परिजनों ने ग्रामीणों की सहायता से पेड़ से उतारा और अंतिम संस्कार करने के लिए गांव के श्मशान घाट लेकर चले गए। अंतिम संस्कार करने की तैयारी चल रही थी, तभी मृतक के रिश्तेदारों की सूचना पर सदर थाना पुलिस श्मशान घाट पहुंची और अंतिम संस्कार रुकवाकर शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में ले गई। बाद में जिला अस्पताल के चिकित्सकों के बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। बहरोड़ के सदर थाना के एएआई ने बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कारोड़ा गांव में राकेश की किसी ने हत्या कर दी है और शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप युवती ने लगाया है। युवती के आरोपों के आधार पर आरोपी युवक रविन्द्र को भाबरू थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि एक युवती ने पुलिस थाना भाबरु में एक युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। युवती ने अपनी शिकायत में कहा कि युवक उससे पिछले चार साल से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए व रुपए भी उधार लिए एवं ब्लैकमेल करने की नियत से अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए।

युवती ने बताया कि युवक पहले से ही शादीशुदा है। वह मेरे घरवालों द्वारा कहीं भी मेरा रिश्ता करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी देता है। जिस पर युवती ने पुलिस थाना भाबरू में युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरु की।

जानकारी के अनुसार जिला कोटपुतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी सहयोग और आसूचना के आधार पर आरोपी रविन्द्र पुत्र जंगाराम को गिरफ्तार किया गया।

लव जिहाद और धर्मांतरण के बढ़ते मामले एक गंभीर खतरा : सुनील आंबेकर

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और धर्मांतरण के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। आंबेकर ने कहा कि जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखे से किया गया धर्मांतरण अनुचित है। इससे समाज में अशांति फैल सकती है। यह समस्या केवल धार्मिक ही नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव के लिए भी एक गंभीर खतरा है। आंबेकर ने रविवार को यहां पत्रकार वार्ता में लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण को सामाजिक उपद्रव बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें हर हाल में रोकना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भावना के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस समस्या का समाधान एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन हमें विश्वास है कि जल्द ही अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी।

- **जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखे से किया गया धर्मांतरण अनुचित है, इससे समाज में अशांति फैल सकती है'**
- **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण को सामाजिक उपद्रव बताया**

आंबेकर ने जोधपुर के लालसागर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक के आखिरी दिन मीडिया से बातचीत में कहा कि संघ का मानना है कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर इस समस्या का सामना करना होगा, क्योंकि धर्मांतरण के खिलाफ यह संघर्ष न केवल हिंदू धर्म की रक्षा का मामला है, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को बचाने का भी प्रश्न है।

सुनील आंबेकर ने कहा कि जनजातीय और वनवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण की समस्या अधिक गंभीर रूप धारण कर रही है। वनवासी कल्याण आश्रम जैसे संगठनों द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में छात्रावास और अधिकार संबंधी कार्यों के बावजूद भी स्थिति चिंताजनक है। आंबेकर ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम संगठन ने जनजाति क्षेत्र में छात्रावास विशेषकर वनवासियों के जो जनजाति लोगों के अधिकार हैं, उसके संदर्भ में भी लगातार पहल की है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े संगठनों की व्यापक रणनीति तैयार की गई है। संघ के स्वयंसेवक हिंदू समाज के साधु-संत और जागरूक व्यक्तियों के साथ मिलकर इस समस्या पर काम कर रहे हैं। आंबेकर ने बताया कि जो धर्म परिवर्तन जबरदस्ती से लालच से या भ्रमित करते हुए किया जाता है, वह सदा ही अनुचित है। इसको उजागर करने के लिए जगह-जगह साधु, संत और हिंदू समाज के बहुत सारे जागरूक लोग लगे हुए हैं। विश्व हिंदू परिषद और अन्य संगठनों द्वारा व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समाज के उन लोगों तक पहुंचने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आंबेकर ने कहा कि समाज में कोई भी व्यक्ति ऐसा न छूटे। वह चाहे किसी जाति का हो, जनजाति का हो, गरीब हो, कहीं सुदूर रहता हो, वहां तक यह बात पहुंचे। इसके लिए सभी लोग प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों द्वारा लीगल तरीके से कई सारे मामले दर्ज कराए गए हैं। धर्मांतरण के मामलों को उजागर (एक्सपोज) करने और न्यायालयों में ले जाने का काम निरंतर किया जा रहा है। सेवा भारती और अन्य संगठन सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की सहायता करके धर्मांतरण रोकने का काम कर रहे हैं। आंबेकर ने बताया कि विजयादशमी के अवसर पर देशभर में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 2 अक्टूबर से विजयादशमी से यह शताब्दी वर्ष आरंभ होगा। सामान्यत: उसके आगे पीछे 7 दिनों तक जगह जगह पर अपनी-अपनी शाखा के स्तर पर, अपने जिला स्तर पर और नगर स्तर पर अपनी-अपनी योजना के अनुसार सभी स्वयंसेवक बड़ी संख्या में गणवेश में विजयादशमी का उत्सव मनाएंगे।

प्रचार प्रमुख ने धर्मांतरण को केवल धार्मिक मुद्दा न मानकर राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भावना के लिए गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि यह एक लंबा रास्ता है, परंतु निश्चित रूप से यह आशा और विश्वास है कि जल्द ही वैसी अनुकूल परिस्थिति बनेंगी। संघ का मानना है कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर इस समस्या से निपटना होगा। धर्मांतरण के खिलाफ यह संघर्ष न केवल हिंदू धर्म की रक्षा का मामला है बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को बचाने का प्रश्न है।

पांच लाख की लूट करने वाले दो गिरफ्तार

लूट की नकदी में से दो लाख रूपये तथा वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

उदयपुर, (कासं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने पीड़ित के साथ मारपीट कर नकदी लूट के मामले में युवती व साथी को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लूट की नकदी में से दो लाख रूपये तथा वारदात में प्रयुक्त बाईक बरामद की है।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित ध्रुव पुत्र जितेन्द्र कुमार ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 28 अगस्त को पैसों की आवश्यकता होने के कारण अपने मित्र कविशसिंह सोलंकी से संपर्क कर बताया तो उसने 5 लाख रूपये उधार दिए, जहां से रूपये लेकर मै व महिला मित्र दोनों कार से फतह स्कूल पहुंचे जहां बाइक पर आए दो व्यक्ति ने कार को रोक मारपीट की तथा नकदी लूट ली। इसी दौरान महिला मित्र कार से उतर कर बदमाशों के साथ फरार हो गई। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपअधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी एएसआई बसंत कुमार मय टीम ने अमीनुद्दीन पुत्र अकीलुद्दीन निवासी खडकजी का चौक सूरजपोल व उसकी महिला मित्र पूजा पुत्री संजय निवासी रावजी का हाटा वारियों की घाटी घंटाघर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लूट की नकदी में से दो लाख रूपये तथा वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की।

हादसे में महिला सहित दो की मौत

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा थाना क्षैत्र में हाइवे पर पीकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक व महिला की मौत हो गई।

पुलिस से प्रापत जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे गोगुन्दा थाना क्षैत्र गोगुन्दा पिण्डवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग कलाश्रम के समीप पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में कुचले जाने पर बाइक चालक हथिया तलाई डेलावास गोरवल निवासी हेमा गमेती (40) पुत्र कालू गमेती तथा भूरकीबाई (55) पत्नी पेमा गमेती की मौत हो गई। सवेरे हेमा अपनी बाइक लेकर गांव से उदयपुर की तरफ आ रहा था।

इस दौरान मिली भूरकी ने उसे शहर चलने तथा जाने का भाड़ा देने की बात कहते हुए उदयपुर जाने के लिए बाइक पर बैठ गई, जहां बीच रास्ते में पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। एएसआई नंदलाल ने मौके पर पहुंच दोनों को उपचार के लिए गोगुन्दा चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

वृद्धा की गला रेतकर हत्या के मामले का खुलासा, आरोपी पति गिरफ्तार

पूछताछ में पता चला कि नशे में आए दिन पत्नी से झगड़ा होता रहता था

उदयपुर, (कासं)। घर में घुस वृद्धा की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या के मामले में का खुलासा करते हुए पुलिस ने अनुसंधान के बाद मृतका के पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित विसाराम निवासी रावछ ने सायरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि गुरूवार रात अज्ञात हमलावरों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर मेरी पत्नी मैतीबाई (60) की हत्या कर फरार हो

- **पुलिस को जिसने रिपोर्ट दी थी, वही पत्नी का हत्यारा निकला**

गए। हमले में घायल होने पर मैतीबाई को परिजन उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों एवं पीड़ित से की गई पूछताछ के आधार पर मृतका के पति आरोपी वीसाराम पुत्र कन्नाजी गमती निवासी रावछ सायरा को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि शराब के नशे में आए दिन पत्नी से झगड़ा होता रहता था। घटना वाली रात में बच्चे घर पर नहीं थे पत्नी व मै घर पर अकेले थे। रात के समय में पड़ोसी के यहां करियावार में गया, जहां से घर लौटा तो शराब के नशे में होने से मैती ने खरी खोटी सुनाई और आवेश में आकर पति विसाराम ने दीवार पर लगे कांच पर मुक्का मारा, जिससे टूटे कांच से एक टुकड़ा उठा कर पत्नी मैती के गर्दन में घुसा हत्या कर दी।

तीन मंजिला मकान गिरने से महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के धानमंडी क्षेत्र में स्थित एक तीन मंजिला मकान के गिरने पर महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को धानमण्डी थाना क्षेत्र सुथारवाड़ा निवासी लक्ष्मी बाई साहू (60) पत्नी नारायणलाल की मकान की तीसरी मंजिल से गिरने पर मौत हो गई। लक्ष्मी मकान की तीसरी मंजिल से नीचे उतर रही थी। संतुलन बिगड़ने पर वह नीचे गिर पड़ी। परिजन उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हेडकांस्टेबल भगवानलाल ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

साइबर ठगी का एजेंट गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। गोविंदगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन साइबर संग्राम के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एटीएम से साइबर फ्रॉड की राशि निकालते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। वह खेड़ली बहादुर थाना गोविंदगढ़ का रहने वाला है। उसके पास से 70 हजार रुपए नकद, तीन फर्जी एटीएम कार्ड, एक बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। थाना अधिकारी बनेसिंह मीणा ने बताया कि आरोपी को सरकारी अस्पताल के पास स्थित एसबीआई एटीएम से पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि वह साइबर ठगी से जुटाई गई राशि को एटीएम से निकालने का काम करता था। इस काम के लिए उसे निकाली गई राशि का पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था।

एसआई भर्ती रद्द करने के विरोध में प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। एसआई भर्ती-2021 को रद्द करने के विरोध में सर्व समाज ने रविवार को कलेक्ट्रेट के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। धरने में विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। वहीं बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंची। प्रदर्शनकारियों ने एस आई भर्ती को रद्द नहीं करने की मांग की। धरने में पहुंचे लोगों का कहना है कि एसआई भर्ती 2021 में पास हुए कई अभ्यर्थी ऐसे थे, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर परीक्षा को पास किया था। भर्ती रद्द होने से उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मेहनत कर पास हुए अभ्यर्थियों के साथ भर्ती रद्द होना अन्याय है। ऐसे अभ्यर्थी अब कहां

- **धरने में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की**

जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार भर्ती रद्द करने के बजाय, जिन्होंने बेइमानी से परीक्षा देकर पास हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिससे मेहनत कर सिलेक्ट हुए अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं हो। धरना स्थल पर हनुमान सिंह खांगटा, गोपाल सिंह भलासरिया, शंभू सिंह मेड़तिया सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग और महिलाएं भी शामिल हुए।

मौत के खौफ से परकोटे के जर्जर भवनों को लोग स्वयं कर रहे खाली

हैरिटेज निगम ने भी सुभाष चौक इलाके में एक और जर्जर भवन के हिस्से को ध्वस्त किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के सुभाष चौक इलाके में जर्जर हवेली धराशायी होने से पिता-पुत्री की मौत तथा 5 लोगों के घायल होने के बाद लोगों के जेहन में मौत का खौफ है।

इस हादसे से सबक लेते हुए लोग अब परकोटे में बनी जर्जर हवेलियों को खुद खाली कर अन्यत्र शिफ्ट हो रहे हैं। हैरिटेज नगर गिनम प्रशासन ने भी रविवार को सुभाष चौक इलाके में एक और जर्जर इमारत के एक हिस्से को ध्वस्त किया। इसके साथ ही 23 जर्जर भवनों को तुरंत

- **हैरिटेज निगम प्रशासन ने 23 जर्जर भवनों को तुरंत खाली करने के निर्देश दिए, नहीं मानने पर भवन मालिक के खिलाफ होगा मामला दर्ज**
- **हैरिटेज निगम कमिश्नर ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण वर्मा को तमाम जर्जर भवनों का पुनः निरीक्षण कर 2 दिन में रिपोर्ट सौंपने को कहा हैं।**

खाली करने के नोटिस थमाए गए हैं। अगर इमारतें खाली नहीं की गई तो भवन मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज जैसा एक्शन लिया जायेगा।

हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण वर्मा की मॉनिटरिंग में जर्जर भवनों के पुनः निरीक्षण के निर्देश दिए है। आयुक्त ने रिपोर्ट 2 दिन में देने के निर्देश दिए है। आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बताया कि किशनपोल जोन इलाके में सबसे ज्यादा जर्जर इमारत चिन्हित किए गए है। ऐसे में निगम के अधिकारी लगातार शहर में निरीक्षण कर रहे है और जर्जर भवनों से लोगों को दूर रहने के लिए साथ ही निगम प्रशासन को तुरंत सूचित करने के लिए कहा जा रहा है। रविवार को जोन उपायुक्त की ओर से कुल 23 जर्जर इमारत को तुरंत खाली करने के लिए नोटिस दिया है। इसके बाद भी अगर भवन मालिक नोटिस पर अमल नहीं करता है तो निगम की ओर से मामला दर्ज करा भवन को ध्वस्त किया जाएगा।

सुभाष चौक इलाके में जर्जर हवेली धराशायी होने और इस हादसे में दो लोगों की मौत के बाद रविवार को कुछ अन्य जर्जर इमारतों में रह रहे लोगों ने मकान खाली कर दिया।

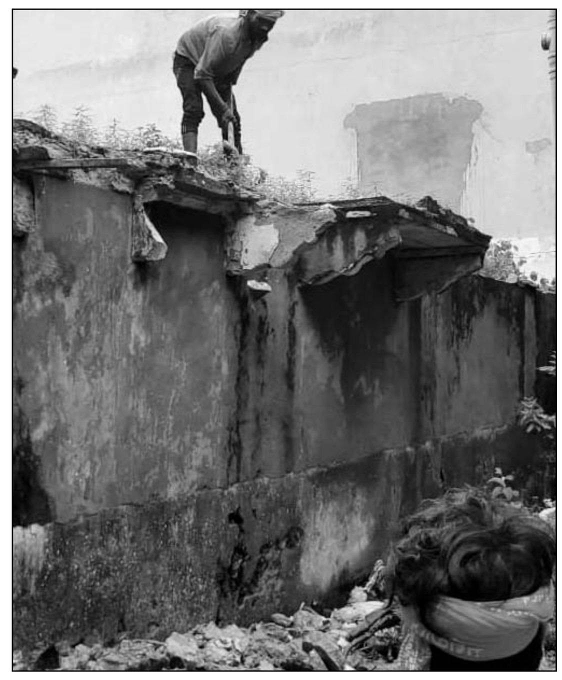

हैरिटेज नगर निगम प्रशासन ने रविवार को सुभाष चौक इलाके में जर्जर इमारत के हिस्से को ध्वस्त किया।

मूट कोर्ट प्रतियोगता में 17 राज्यों से 70 दलों के प्रतिभागी शामिल हुए

राजस्थान विवि. में 13वीं रांका मूट कोर्ट प्रतियोगिता संपन्न

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में पंचवर्षीय विधि महाविद्यालय (यूएफवाईएलसी) द्वारा आयोजित 13वीं रांका मूट कोर्ट प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हुई। यह प्रतियोगिता आपराधिक कानून से जुड़े समकालीन विधिक मुद्दों पर केंद्रित रही। इसमें 17 राज्यों से 70 दलों ने भाग लिया, जिनमें पंजाब, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, दादरा एवं नगर हवेली, बिहार आदि शामिल थे। नेपाल से भी एक अंतरराष्ट्रीय दल ने प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय पंचवर्षीय विधि महाविद्यालय की निदेशक डॉ. अंकिता यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में क्वार्टर-फाइनल में आठ दल चयनित हुए। रविवार को सेमी-फाइनल और फाइनल मैच हुए। इसमें मणिपाल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन, बेंगलुरु की रक्षिताश्री, अदिविश्वास, भूमिका राय विजेता रहे, जिन्हें 31 हजार रु. के साथ ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। जबकि उपविजेता दल कानोडिया कॉलेज ऑफ लॉ फॉर वीमेन, जयपुर की पलक राज, जोया खान, खनक कुमावत रही, जिन्हें 21 हजार रु. का पुरस्कार व ट्रॉफी प्रमाण पत्र से नवाजा यगा। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल पुरस्कार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर को 11 हजार रु., ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र दिया गया। सर्वश्रेष्ठ छात्र अधिवक्ता (अपीलकर्ता पक्ष) में असीम सिमलोटे, एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज जयपुर रहे, जिन्हें 5100 रु. का पुरस्कार व ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र दिया गया। सर्वश्रेष्ठ छात्र अधिवक्ता (प्रतिवादी पक्ष) में धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जबलपुर रहे, इन्हें भी 5100 रु. ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र दिए गए। सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पंजाब को दिया गया। इन्हें भी पुरस्कार स्वरूप 5100 रुपये, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र दिए एग।

समापन समारोह का आयोजन यूएफवाईएलसी, यूओआर के रीडिंग हॉल में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एस.पी. शर्मा, विशेष अतिथि दिल्ली यूनिवर्सिटी के विधि संकाय के प्रो. डॉ. वाघेश्वरी देसवाल रहे। कार्यक्रम को राजस्थान यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. डॉ. अल्पना कटेजा तथा विधि संकाय की विभागाध्यक्ष एवं डीन डॉ. संजुला थानवी ने संबोधित किया।

राजस्थान विवि. में आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पत्नी को सुसाइड के लिए उकसाने वाला पति गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पति की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने वाली महिला के आरोपित पति को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पति की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने वाली महिला के आरोपित पति अक्षय जैन निवासी निर्माण नगर-श्याम नगर को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में परिवादी योगेश चंद जैन निवासी अलवर ने 21 जुलाई 2025 ने मामला दर्ज करवाया था कि उसकी पुत्री स्वप्निल जैन ने अपने पति अक्षय जैन की लगातार प्रताड़ना और मारपीट से तंग आकर आत्महत्या कर ली। स्वप्निल का विवाह 11 जुलाई 2013 को अक्षय जैन से हुआ था। उनके एक पुत्र ओजस जैन का जन्म 2016 में हुआ। परिवादी ने आरोप लगाया है कि विवाह के बाद से ही अक्षय जैन उसके पिता लालचंद जैन माता सुनीता जैन और भाई आशिक जैन दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। अक्षय जैन शराब और नशे की लत के चलते आए दिन स्वप्निल से मारपीट करता था। कई बार स्वप्निल अपने मायके अलवर चली जाती लेकिन परिवार व बेटे के भविष्य को देखते हुए वापस लौट आती। प्रताड़ना से परेशान होकर स्वप्निल ने पहले भांकरोटा थाने में शिकायत की थी। बाद में 1 फरवरी 2024 को अलवर महिला थाना में दर्ज करवाई थी।

सार-समाचार

वृक्ष पूजन एवं जागृति कार्यक्रम संपन्न

जयपुर। वैशाली नगर स्थित, स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में, पर्यावरण संरक्षण जागृति के निमित्त एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर प्रांगण में पूज्य संतों के दिव्य सानिध्य में अनेक भक्तों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वृक्ष पूजन कर पर्यावरण के प्रति अपनी श्रद्धा एवं संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर वृक्ष को जीवन का आधार मानते हुए उसके संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में ज्योति कुमार (मठ, मंदिर संपर्क प्रमुख, हिन्दू अद्यात्मिक एवं सेवा फाउंडेशन) ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग ले कर आयोजन में भी सहयोग दिया। कार्यक्रम का समापन संतों के आशीर्वचन और सभी के वृक्षारोपण संकल्प के साथ हुआ।

बच्चों को बताया ''गुड टच-बैड टच''

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा चलाए जा रहे बाल सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत वाटिका स्थित विजन इंटरनेशनल विद्यालय में ''गुड टच-बैड टच'' विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 400 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला में विद्यालय के बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में जानकारी दी गई तथा वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया गया कि किस प्रकार वे स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं। बच्चों को यह भी बताया गया कि किसी भी असहज परिस्थिति में तुरंत परिवार, शिक्षक अथवा विश्वासपात्र व्यक्ति को सूचित करना चाहिए। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य एवं ट्रस्ट मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ राजीव सक्सेना ने बताया कि बाल सुरक्षा जागरूकता अभियान का उद्देश्य बच्चों में आत्म-सुरक्षा की समझ विकसित करना और समाज में बाल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। महासचिव दुर्गा वर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न सिर्फ बच्चों में आत्मविश्वास और आत्म-सुरक्षा की भावना विकसित करते हैं, बल्कि समाज में बाल शोषण की रोकथाम की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। विद्यालय प्रशासन ने मानव सेवा ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ बच्चों के मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इस कार्यशाला में वक्ताओं में जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से सिमरन आसुदिन, मनस्वी शर्मा, मुस्कान शामिल रही।

बॉलीवुड के सुपरहिट नगमे गाए

जयपुर। शहर के मशहूर सिंगर्स ने हिन्दी फिल्मों के सुपरहिट गीतों को अपनी पुरकशिश आवाज और दिलकश अंदाज में पेशकर बिड़ला सभागार का कोना-कोना बॉलीवुड म्यूजिक की मेलॉडी से सराबोर कर दिया। हेल्दी स्माइल्स ग्रुप एवं यूनिक ड्रीम बिल्डर्स की ओर से सजे गोल्डन एरा शो के 12वें संस्करण की शुरुआत कलाकार मिताली वर्मा ने आ जाने जा गीत...की प्रस्तुति से की। इसके बाद कमल प्रकाश सक्सेना ने ए गुलबदन..., निकिता बंसल ने मेरे नसीब में... गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। दर्शकों के बीच से सुरीले सिंगर डॉ.समीर शर्मा सैम ने दिल लेना खेल है दिलदार का..., महबूबा महबूबा... एवं बचके रहना रे बाबा...जैसे गीतों की मेडले की धमाकेदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं को खुद के संग खूब नचाया। उन्होंने सभी से हाथ मिलाया और अभिवादन किया। कार्यक्रम में सिंगर गीतिका चतुर्वेदी ने लताजी के सुंदर गीतों की मेडले सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पुतला आंदोलन बारिश के कारण स्थगित

जयपुर। सरकार के आदेश के बावजूद घुमंतु अर्ध घुमंतु तथा विमुक्त जाति को पट्टा नहीं मिलने एवं अन्य समस्याओं को लेकर किए जा रहे पुतला आंदोलन के तहत विधानसभा घेराव का आठ सितंबर का कार्यक्रम बारिश की वजह से स्थगित कर दिया गया है। भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी की ओर से प्रेस विज्ञिप्त जारी करके कहा गया है कि 8 सितंबर को पुतला आंदोलन में राजस्थान के दूर-दूर से विधानसभा घेराव के लिए हजारों कार्यकर्ता घुमंतु अर्ध घुमंतु तथा विमुक्त जाति समाज के पंच पटेल एवं नागरिक आना चाहते हैं। लेकिन भारी बारिश की वजह से सब ने कार्यक्रम को आगे किस करने की मांग की जिसे देखते हुए अब आगे की तारीख तय की जाएगी। 8 सितंबर को यूथ हॉस्टल में समाज एवं भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा पंच पटेलन की मीटिंग होगी। जिसमें सरकार द्वारा घुमंतू समाज के हित में किए गए घोषणाओं की पालना में आ रही दिक्कतों पर चर्चा होगी।

चामुंडा माता मंदिर पार्क में विकास कार्यों का शुभारंभ

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 48 में रविवार को सिरसी रोड मीणावाला अमृत नगर, रूप विहार में चामुंडा माता मंदिर पार्क में इंटरलॉकिंग टाईल्स व रंग रोगन के कार्यों का शुभारंभ हुआ। पार्षद कुमकुम शक्तावत ने भूमि पूजन के साथ इस कार्य का आगाज किया। भाजपा नेता शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि वार्ड 48 में जितने भी मंदिर और पार्क हैं, उन सभी का विकास कार्य कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा कराया जा रहा है। इससे पहले इंजीनियर्स कॉलोनी, संस्कार विहार, महादेव नगर, मंगल नगर, और रघुनाथ विहार, जनक विहार, अमर नगर इन सभी कॉलोनियों के मंदिर व पार्कों में इंटरलॉकिंग टाइल्स, टीनशैड, ओपन जिम, फिसल पट्टी झूले, शौचालय और बैठने के लिए बैंच, बाउंड्री वॉल, रैलिंग, रंग-रोगन के कार्य भी करवाए गए हैं। शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि जिस मंदिर और पार्क में जो ज़रूरत थी, वो पूरी की गई। मंदिर-पार्कों के विकास कार्य सिर्फ़ और सिर्फ़ भाजपा सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज और मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह के नेतृत्व में ही संभव है। इस मौक़े पर हनुमान सहाय मीणा, श्याम सुंदर शर्मा, हरिनारायण शर्मा, भंवर सिंह, सुभाष शर्मा, संजय गॉड, शंकर सिंह, महेन्द्र शर्मा, भागीरथ चौधरी, रामअवतार यादव, राजेश कुमावत, भगवान सिंह, परमानंद छापरवाल, विनोद मीणा, रविन्द्र कुमार, केशव सिंह, मनोज शर्मा, रेवंत सिंह, शिखा शर्मा, संतोष कुमावत, रीना कंवर, कविता शर्मा, प्रेम कंवर और सैकड़ों की संख्या में स्थानीय निवासी और मातृ शक्ति उपस्थित रहे।

गोविन्ददेवजी मंदिर में पितृ तृप्ति महायज्ञ

जयपुर (कासं)। श्राद्ध पक्ष एवं चन्द्रग्रहण के उपलक्ष्य में रविवार को गोविन्द देवजी मंदिर प्रांगण में पंचकुंडीय पितृ तृप्ति गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में श्री मन्माध्व गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में तीन पारियों में 200 श्रद्धालुओं ने अपने दिवंगत पितृगणों की स्मृति में काले तिल, जो, चावल एवं घृत से आहुतियां अर्पित कीं।

इससे पूर्व मंदिर सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री गोविन्द देवजी, वेदमाता गायत्री एवं गुरुसत्ता का पूजन किया। आचार्य पीठ से गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी की गायत्री कचोलिया, गायत्री तोमर, डॉ. अजय भारद्वाज और सृष्टि ने प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ सम्पन्न कराया।

प्रवचन में डॉ. अजय भारद्वाज ने कहा कि पितर हमारे अदृश्य सहायक हैं। उच्च संस्कारों वाली अशरीरी आत्माएँ आकस्मिक सहायता एवं अनुग्रह प्रदान कर मार्गदर्शन करती हैं। पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने से उनका आशीर्वाद जीवन के महत्वपूर्ण कार्यों में विशेष बल देता है।

उन्होंने कहा कि पितरों को केवल कर्मकांड से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार, सदाचार और सेवा कार्यों से भी तृप्त किया जा सकता है। माता-पिता और बड़ों की आज्ञा मानना, बुजुर्गों की सेवा करना, वंश परंपरा की श्रेष्ठ परंपराओं को आगे बढ़ाना ही वास्तविक पितृ तर्पण है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ आत्माएँ इतनी प्रखर होती हैं कि वे स्वप्न, विचार या किसी माध्यम से हमें संकेत देकर जीवन में सही दिशा प्रदान करती हैं। यदि हम कृतज्ञता के भाव से पितरों की स्मृति का सम्मान करें, तो वे हमारे जीवन के अदृश्य मार्गदर्शक और शुभचिंतक बनते हैं। भारतीय श्रद्धालुओं के साथ एक विदेशी दंपति ने भी यज्ञ में भाग लिया। उन्होंने यज्ञ के ज्ञान-विज्ञान को समझते हुए श्रद्धापूर्वक अग्नि में आहुतियां अर्पित कीं और अपने पितरों का स्मरण किया।

यज्ञ के अवसर पर आधा दर्जन श्रद्धालुओं ने अपना जन्मदिन भारतीय संस्कृति के अनुरूप पंचतत्व पूजन के साथ मनाया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन की ओर से सभी को ठाकुर श्री गोविन्द देवजी का चित्र, प्रसाद और दुपट्टा भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। गायत्री चेतना केंद्र, जनता कॉलोनी की ओर से सत्साहित्य की प्रदर्शनी लगाई गई, जहाँ श्रद्धालुओं ने प्रेरणादायक पुस्तकें काम लागत मूल्य पर प्राप्त कीं।

यज्ञ की पूर्णाहुति में श्रद्धालुओं ने जूठन नहीं छोड़ेंगे, एक पेड़ अवश्य लगाएंगे, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग नहीं करेंगे जैसे संकल्प लिए।

गोविन्द देवजी मंदिर प्रांगण में रविवार को पंचकुंडीय पितृ तृप्ति गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ।

प्रसूता की मौत पर हंगामा

जयपुर (कासं)। भांकरोटा इलाके के एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान तबीयत बिगड़ने से प्रसूता की मौत हो गई। जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने असपताल के बाहर धरना-प्रदर्शन शुरु कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गुस्साए परिजनों से समझाइश का प्रयास किया। लेकिन गुस्साए परिजनों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए डॉक्टर को गिरफ्तार करने की मांग की।

बताया जा रहा है कि 26 वर्षीय मोनिका को शनिवार सुबह 9 बजे प्रसव हुआ था और उसने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे को जन्म देने के बाद मोनिका को ब्लीडिंग शुरु हो गई। जिसके बाद उसकी तबियत बिगड़ गई। लेकिन डॉक्टरों ने उस गंभीरता से नहीं लिया और 10 घंटे तक औपचारिकता निभाते रहे। जिसके बाद मोनिका की ज्यादा तबियत बिगड़ने पर उसे शाम 6 बजे दूसरे अस्पताल में रैफर कर दिया। जिसके बाद मोनिका ने रात 9 बजे उपचार दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जयपुरिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया। प्रसूता की मौत की खबर मिलने के बाद अन्य रिश्तेदार भी भांकरोटा स्थित निजी अस्पताल पहुंच गए और धरना-प्रदर्शन शुरु कर दिया।

नवसृजित उचित मूल्य की दुकानों की आवेदन प्रक्रिया आज से

जयपुर। जयपुर जिले में 70 नवसृजित उचित मूल्य की दुकानों के लिए सोमवार से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। कार्यालय जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा 11 तथा कार्यालय जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय द्वारा 59 उचित मूल्य की दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि आवेदन पत्र 8 से 30 सितम्बर तक प्रातः 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यालय जिला रसद अधिकारी से प्राप्त किए जा सकेंगे। आवेदन पत्र भरने के बाद इन्हें 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक कार्यालय में जमा करवाया जा सकेगा।

डेढ़ महीने से नाराज प्रेमिका ने गेट नहीं खोला तो प्रेमी ने की आत्महत्या

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके में डेढ़ महीने से नाराज प्रेमिका को मनाने पहुंचा प्रेमी उसकी हरकतों से आहत होकर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद मृतक के परिजनों ने युवती और उसके परिजनों पर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। पुलिस ने युवती के परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

एएसआई छुट्टन लाल ने बताया कि जगतपुरा के विश्वविद्यालय नगर निवासी संजय मीणा (31) पुत्र मोहनलाल अपने माता-पिता और बहन के साथ रहकर प्रॉपर्टी का कारोबार करता था। गत 3 सितंबर को जहर खाकर सुसाइड कर लिया था। प्रॉपर्टी कारोबारी पिछले 15 साल से एक युवती के सम्पर्क में था। करीब तीन साल पहले मोहन लाल को अपने बेटे संजय के प्रेम प्रसंग के बारे में पता चला था। जिसके बाद उन्होंने युवती के घर वालों से दोनो की शादी की बात कर शादी भी तय कर दी थी। बताया जा रहा है कि युवती के पिता ने संजय मीणा से दुकान खरीदने के लिए 20 लाख रुपए की मदद मांगी थी। मदद नहीं करने से की बात को लेकर युवती के परिजन शादी के लिए बहाना बनाने लग गए और करीब डेढ़ महीने से युवती ने संजय से बातचीत करना बंद कर दिया। संजय के आग्रह पर परिजन युवती के घर वालों से बात करने गए तो उन्होने बेइज्जत कर उन्हे घर से निकाल दिया। पीड़ित पिता ने पुलिस को अपने बयानों में बताया कि 3 सितम्बर को संजय मीणा घर से मरने की धमकी देकर थार लेकर निकला था। उन्होने बाइक से उसका पीछा किया और रोकने का प्रयास किया। लेकिन वो नहीं माना। संजय थार जीप लेकर प्रताप नगर में अपनी प्रेमिका के घर पहुंचा और काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा। लेकिन प्रेमिका ने दरवाजा नहीं खोला। संजय ने गेट खोलने के लिए मोबाइल पर कॉल भी किया।

फिल्मी अंदाज में पकड़ा 20 हजार रु. का इनामी बदमाश

जानलेवा हमला-तोड़फोड़ और धमकी के मामले में एक साल से फरार था, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के हत्थे चढ़ा

जयपुर (कासं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने 20 हजार रु. के इनामी बदमाश विरेन्द्र कुमार उर्फ बबली निवासी जागुवास बहरोड को फिल्मी अंदाज में पीछा कर गिरफ्तार किया।

रविवार को पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि बबली जाट अपने निजी वाहन से मुण्डावर मोड से बहरोड की ओर जा रहा है। पुलिस द्वारा पीछा किए जाने का आभास होते ही आरोपी बहरोड के कुंड रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में घुस गया। उसी दौरान कांस्टेबल सुधीर कुमार उसे पकड़ने के लिए दौड़े तो आरोपी ने मोबाइल से अपने 3-4 साथियों को बुलाने का प्रयास किया, जिससे अस्पताल परिसर में हंगामा हो गया। फिर भी कांस्टेबल सुधीर ने अकेले ही बहादुरी दिखाते हुए आरोपी से भिड़ंत की। इस बीच कांस्टेबल मनोज कुमार भी वहां पहुंच गए और दोनों ने मिलकर बबली जाट को काबू में कर लिया। कुछ ही देर बाद थाना बहरोड पुलिस टीम भी मौके पर आ गई और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। जिसे बाद में खैरथल तिजारा जिले की मुण्डावर थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

- **आरोपी के खिलाफ बहरोड और हरियाणा के नांगल चौधरी थाने में 8 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें हत्या, जानलेवा हमला, अपहरण, वसूली, धमकी और मारपीट के गंभीर अपराध शामिल है।**

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एम.एन. ने बताया कि आरोपी करीब सवा साल से फरार चल रहा था। जिसकी खैरथल तिजारा जिले की मुण्डावर थाना पुलिस को तलाश थी। टीम ने लगातार कई दिनों तक रैकी कर बहरोड़ थाना इलाके में आरोपी को दबोच लिया।

आरोपी संगठित आपराधिक गिरोह का सक्रिय सदस्य है, जिसका पुराना आपराधिक रिकार्ड रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी बबली जाट के खिलाफ बहरोड़ और हरियाणा के नांगल चौधरी थाने में 8 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें हत्या, जानलेवा हमला, अपहरण, वसूली, धमकी और मारपीट के गंभीर अपराध शामिल हैं।

कार-बाइक से आए गैंग ने सरपंच परिवार पर की थी अंधाधुंध फायरिंग

11 अप्रैल 2024 को सोडावास निवासी सरपंच सीमा देवी के पति सरजीत चौधरी ने मुण्डावर थाना में शिकायत दी थी कि आज कार और बाइक पर आए 8-9 बदमाशों ने उनके घर पर हथियारों से हमला कर अंधाधुंध फायरिंग की, मेरा नाम जीतू खुर्मपुर कह बाहर खड़ी हुई गाड़ी पर भी 3-4 गोलियाँ चलाईं। परिवादी ने बबली जाट, शशि पंडित, मनोज फौजी, राकेश जाट और तीन चार अन्य के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट देते हुए पुलिस को बताया कि यह उस पर तीसरा हमला है। पहले भी सोडावास बस स्टैंड पर दो दुकानों को लेकर इनके द्वारा मुझ पर हमला किया गया था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में की गई इस संपूर्ण कार्रवाई में एजीटीएफ कांस्टेबल मनोज कुमार और सुधीर कुमार की विशेष भूमिका रही वही थाना बहरोड के एएसआई रामनिवास, हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार, कांस्टेबल विशंभर दयाल और राजकुमार का सराहनीय योगदान रहा।

Celebrating the Art of Performance

Actors' Day honours the craft, creativity, and dedication of performers who bring stories to life on stage and screen. From theatre to cinema, television to digital platforms, actors immerse themselves in diverse roles, capturing human emotions and experiences that resonate across cultures. This day recognises not just the glamour of stardom, but also the discipline, vulnerability, and hard work behind each performance. It's a reminder of how storytelling shapes our collective imagination, challenges perspectives, and inspires empathy. Actors' Day celebrates both legendary icons and emerging talents who continue to redefine the art of performance.

#ENVIRONMENT

BEES STOPPED BUZZING DURING ECLIPSE

Bees there ceased flying and fell nearly silent for the duration of eclipse, the scientists suspect that the bees went into 'nighttime mode' in response to the sudden loss of sunlight

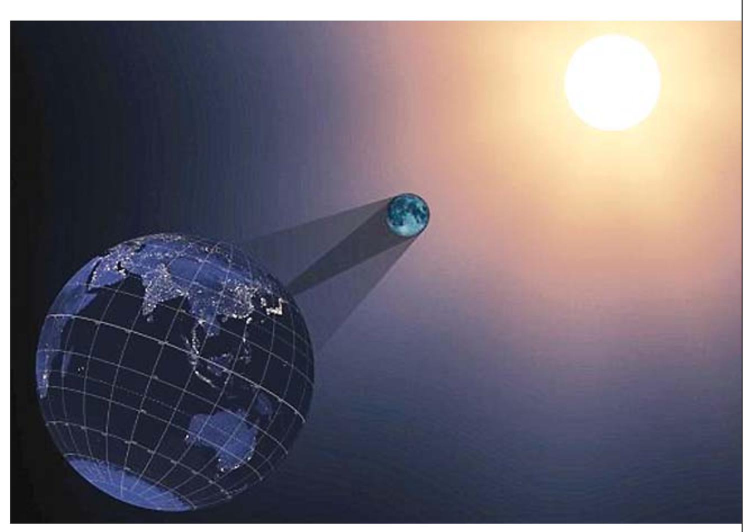

During a solar eclipse on, bees stopped buzzing, according to new research. At 16 points along the path of the total solar eclipse, tiny microphones, each about the size of a USB flash drive, captured a unique biological phenomenon. As Earth fell into complete darkness, the bees fell silent.

"Getting dark in the middle of the day is not something that happens in a bee's normal life," says lead researcher Candace Galen, professor of Biological Sciences in the College of Arts and Science at the University of Missouri.

"It's a behavioural miscue," Galen says. "Here, darkness is a cue for night that a bee is familiar with, but it's coming at the wrong time of the day. Did they use it as a cue or not, even if it is completely out of context? What we found is yes, they do."

Millions of Americans paused that afternoon to watch the eclipse. As it passed overhead, researchers buzzed into action assisted by approximately 400 people, scientists, volunteers, and elementary school students and teachers in Missouri, Idaho, and Oregon, including over 200 elementary school students and teachers from Columbia Public Schools in Missouri, gathering audio data on the behaviour of bees.

At each of the 16 locations, these groups placed the microphones near bee-pollinated flowers and away from

human-generated traffic. Previous research conducted on bee behaviour notes that bees commonly fly slower at dusk and return to their colonies at night. In this study, researchers found that while bees completely stopped buzzing during totality, they continued to fly during the periods of reduced light that occur in the phases of a partial eclipse.

"It's a soundscape," Galen says. "What we have is a buzz that is longer. Either the bees were flying more slowly or making longer flights."

The study appears in the *Annals of the Entomological Society of America*. A Julena Steinholder Duncombe mini-grant from the American Astronomical Society supported the work. The content is solely the responsibility of the authors and does not necessarily represent the official views of the funding agencies. Additional researchers from the University of Missouri, Lincoln University, and Willamette University in Oregon contributed to the work.

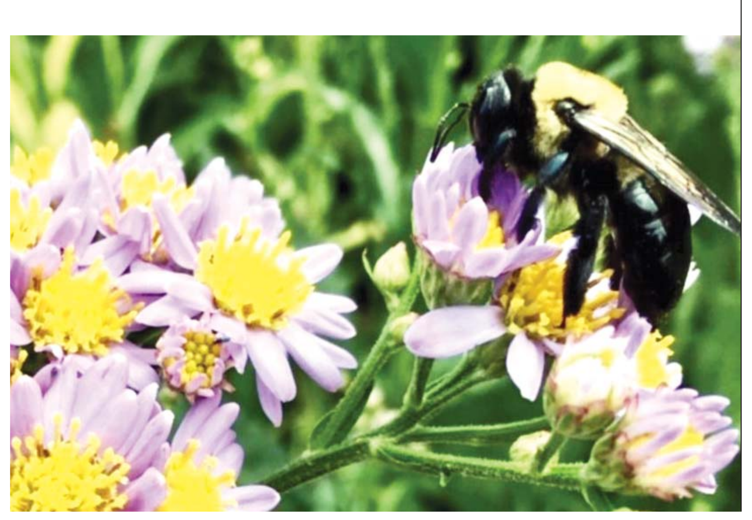

The H-1B changed American food forever

Musk and his fellow technocrats support bringing highly skilled foreign workers to the US. But anti-immigration zealots note how huge numbers, particularly from India, have used H-1B visas to get a toehold into the citizenship process. Once in the US, these temporary workers become irreplaceable and their employers eventually sponsor their green cards for permanent residency. In this view, the H-1B category is a Trojan Horse for migrants and Trump must end it, as he promised in the past. Trump himself seems to be wavering between Musk's view, "We need smart people," he told a reporter, and his desire for dramatic decisions with which to kick off his presidency.

Tabu and Irfan in *The Namesake (2006).*

● Vikram Doctor

"Bombay Based Now US Settled Lauva Patel boy MS Computer Science (US) H-1B Visa, 27/ 6 ft arriving November for marriage." This matrimonial ad ran in *The Times of India* on October 24, 1993. It was one of the first mentions in the newspaper of the H-1B visa, which has been roiling relations between Elon Musk and Donald Trump's MAGA maniacs since December.

The H-1B visa category was created in 1990 to allow US employers to get specialist workers because their demand for tech workers is far more than the America alone can provide. When the category was created, H-1B visas were projected as the short-term fix for this problem. They are explicitly temporary and, if terminated, holders must return to their home country.

Musk and his fellow technocrats support bringing highly skilled foreign workers to the US. But anti-immigration zealots note how huge numbers, particularly from India, have used H-1B visas to get a toehold into the citizenship process. Once in the US, these temporary workers become irreplaceable and their employers eventually sponsor their green cards for permanent residency. In this view, the H-1B category is a Trojan Horse for migrants and Trump must end it, as he promised in the past. Trump himself seems to be wavering between Musk's view, "We need smart people," he told a reporter, and his desire for dramatic decisions with which to kick off his presidency. As that early matrimonial ad indicates, the promise of a more permanent move was always implicit in the H-1B visa, at least to the applicants. It was not just the visa holder moving, but often the spouse as well. Right at the outset, the H-1B programme had anticipated this and its solution was to ban spouses from working. Any hint that a spouse might be looking to work in the US would be grounds to deny the visa. The H-1B visa was not gendered, but in its early years, the vast majority of applicants were men. (Some Indian women would go to work as nurses under the parallel H-1A visa scheme). This meant that a very large number of Indian women, usually well-educated and with existing careers in India, went to the US, only to just sit at home, as mandated by the H-1B visa rules.

The expectation from their families was, of course, that they would have children and rear them. Before that, they would take care of the home for their husbands and, above all, cook. It did not matter that many of these women, previously focused on education and a career, had not done much cooking back in India. Once in the US, they had a husband to feed and time on their hands, so, they were suddenly thrust back into traditional roles for Indian women. Radhika MB's *Visa Wives* is a detailed study of their experiences, made personal by the fact that the author herself moved to the US in 2011 after her husband got a job there. The stories vary widely, ranging from wives who found the move liberating to those who could not adjust and drifted into depression and sickness, even requiring a return to India. Most fall somewhere in between, but one constant is the importance of food.

It would start with the packing. Vanitha, one of the visa wives, travelled in the pre-9/11 days, "When pickles were still allowed in hand baggage. She carried about 10 kgs of different varieties of pickle, mango, methi (fenugreek), gongura, tomato, imli (raw tamarind), among others. Masalas and chutney podis were part of her luggage too." A pressure cooker was a must. Radhika notes that they are available in US stores "but they are nothing like the little one you use in your Indian kitchen." Once in the US, culture shock often really hit while shopping for vegetables. Translating the prices into rupees was traumatic at first, but there was the relief at finding familiar Indian vegetables like hara chana (green chickpeas), kanda (elephant yam), dosakai (Madras cucumber) and avarekai (flat beans), even if they came in frozen form. Indians, who went to the US in the 1970s, had it much harder. My uncle, a doctor, told me how groups of Indians made joint trips every few months from the distant towns they worked in to the few stores like Kalustyans in New York City which stocked desi ingredients.

Foreign food usually travels in mainstream locals through migrant workers, working class, refugees, but Indian cuisine ran through visa wives.

#FOOD

Point of entry

Though the H-1B visa was not gendered, the vast majority of applicants in early years were men. While they went to work, wives were not allowed under visa rules from working.

The H-1B wave has changed all that, making stores selling Indian food a viable proposition across the US. The Patel Brothers chain now has over 50 stores in 20 states where customers can either shop in person or order online for delivery from their nearest branch. Similar stores can be found at other locations with large Indian clusters. "The only things you can't find at Indian stores are your mom and dad. Everything else they manage to stock," Radhika quotes one visa wife as saying.

All these H-1B-enabled factors have come together to influence how Indian food is becoming more familiar and available in the US. One of the most common ways for a country's cuisine to enter another country is with working-class migrants or refugees, two groups who find selling food a quick and relatively easy way to make money. They focus on easy, crowd-pleasing dishes, made with whatever ingredients they can get, even when not entirely authentic. In the process, new dishes are invented, like chicken tikka masala or the super-hot vindaloo and phal curries served in British curry houses.

A hybrid cuisine develops, like Punjabi-Chinese or Mexican-American, whose popularity dominates all views of the original cuisine. For decades, the food in British Indian restaurants was seen to represent all subcontinental cuisines, despite the huge regional differences in Indian food. British Indian restaurants were staffed mostly by men, whose families came later and did not work in the restaurant (but did work in other businesses like corner shops). British Chinese restaurants were more likely to see whole families working behind the counter, wives serving customers or keeping track as cashiers, while their husbands cooked.

There are other ways in which cuisines become popular, such as corporate-led restaurants like Taco Bell (Mexican food) or Jollibees (Filipino food) or through elite groups, like royalty or hipsters, whose love for a particular style of cooking popularises and makes such food aspirational (for instance, the Italian cuisine brought by Catherine de Medici to France in the 16th century, which transformed French cuisine, or the hipster obsession with flat whites and other aspects of coffee culture). The H-1B visa facilitated a new model where visa wives developed and perfected traditional food from their regional Indian communities and then found ways to make it more available, through potlucks, local fairs and, eventually, even restaurants. Combined with the easier availability of regional Indian ingredients, this is making a far more diverse Indian cuisine available in the US than was the case with, for example, Chinese-American or Mexican-American food.

Indian restaurants in the US may still be broadly grouped into categories like South Indian, Punjabi or Gujarati (as they are in India), but there is still likely to be more diversity available, especially if you include home catering options offered by the visa wives. As a contrast, Indian food in Canada tends to be dominated by Punjabi and Caribbean Indian cuisine, both with roots in working-class immigration without H-1B style restrictions on spouses working.

Building relations

Blogging about food but also childcare, crafts and other domestic subjects was transformational for many visa wives. It put them in touch with others like them, a vital connection especially for those in places where there were not many other Indian families. It also gave them a sense of self-worth, as they built their writing and photography skills, and used feedback to hone their recipes to the type of food most in demand.

Their husbands were often supportive, seeing this as a way to create potentially marketable skills, while still remaining within the not-working rules of the visa. This was not exactly a relinquishment of control, Radhika notes that this kind of domestic blogging was non-threatening: "Would they be as comfortable if she were to blog about world politics and policy? Not sure. They freak out if she gives an interview about her life to publications. What if she says something that jeopardises their stay?" The H-1B shadow still loomed.

Bloggers started organising meetings and conventions that gave the visa wives a rare opportunity to travel for themselves, rather than with their families. It helped that some were organised by well-known personalities like chef Vikas Khanna who understood the wider importance of food media. "Cooking means freedom. It's a freedom of thought, that you are not dependent," he says in Radhika's book. "For people who don't travel much, don't have a driver's licence, who are stuck at home, cooking becomes one of the primary ways of spending evenings, and cooking shows become a delight." Indian contestants started appearing on shows like *MasterChef US*. In 2015, Hetal Vasavada became the first vegetarian contestant on the show.

In 1993, just a few days before that H-1B matrimonial ad ran in *The Times of India*, the newspaper published an edit criticising the new visa rules as clearly discriminatory. The US wanted Indian skilled workers, but instead of allowing them in under the existing, broadly structured B1 business visa, it had created this restrictive new system which exploited skills, but did not give rights. "This is clearly a non-tariff barrier in the services sector and needs to be eliminated," the edit said forcefully.

This was right, but not realistic. The US has always been deeply split over the question of migrants, both wanting them and extolling their value to the nation, but also suspicious and ready to raise the drawbridge at the prospect of more. As the holder of that early H-1B visa probably realised, it was best to take what was on offer and then use perseverance and ingenuity, of exactly the kind that the US claims to admire, to find a way in.

And their spouses even more, labouring under both hostility to migrants and patriarchal constraints, would use the particular constraints of H-1B rules to change their lives and American food culture. No matter how much Trump makes these rules even harder, that spirit is not likely to change. Over 30 years later, the woman who answered that ad and got married may still be alive, cooking up Gujarati food in the US, and inspiring many others to follow her path.

rajeshsharma1049@gmail.com

Food habits

Indian restaurants in the US may still be grouped under categories like Punjabi, Gujarati etc.

Anita Jaisinghani always wanted to go to culinary school, but her parents steered her firmly towards sciences. Her own route to the US was a bit circuitous. An early marriage was followed by a few years in Canada, where she studied and worked in microbiology, as her husband worked several jobs while hoping to land the tech gig he really wanted. Finally, when this happened, the family moved to the US with Jaisinghani, now a visa wife, having to stop working.

Jainsinghani had maintained an interest in cooking, using her husband and two kids as 'unsuspecting subjects of my relentless cooking experiments,' she writes in her cookbook *Masala: Recipes from India, the Land of Spices*. This was not just Indian food, since she happily used access to ingredients and recipes from around the world as part of her experimentation. But she could see how poorly Indian food was represented in restaurants in Canada and the US, and that made her think of filling the gap.

In Houston, where her family came to live, Jaisinghani started catering from home along with a Moroccan friend. Then, she started selling fresh chutneys at local markets and followed this by taking a leap and doing a stint at a well-known restaurant to learn the ropes. Ultimately, she went on to open two successful restaurants, Indika and Pondicheri. When her first place was featured in the Houston Chronicle, she showed it to her father (her mother had died earlier). "Is this really your place? Are people paying for your cooking," he asked in amazement. He is now very proud of her success in the food world.

Krishnendu Ray, professor of Food Studies at New York University's Department of Nutrition and Food Studies, saw this pattern many times while researching his book *The Migrant's Table*, about food habits in Bengali-American households. "Most of the women in my sample of 126 households were (a) substantially underemployed for their education credentials due to their visa status and (b) as a result, both had a little more time and higher expectations about cooking and taking care of the family," he said.

The food they cooked was, initially, quite conservative, traditional Bengali style 'macher jhaal, masoor daal, rice, and a sauté of greens, for dinner.' But Ray notes that once when they had children and got into routines of taking their kids to school and participating in activities with other parents, the women became exposed to American foods far more than their husbands, 'who imagined that Americans ate hamburgers, hot dogs, salads and pizzas, almost exclusively, which is all commercial lunch dishes.'

In fact, what the women were experiencing were the real dishes of everyday American home-cooking like 'savory pot pies, cupcakes, stews, chowders, corn on the cob, pirogies, baked zitis, macaroni, casseroles, meatballs, etc. This made them improvise to feed the children, if not their husbands, more hybrid cooking with chicken fingers, corn on the cob, mashed potatoes with butter rather than mustard oil, casseroles, sandwiches, etc.' It is likely that many of their children demanded such foods in their lunches, rather than Indian food, to help them blend in more easily with their classmates.

Ray found his subjects adopting this hybrid approach, improvisatory and 'American' for breakfasts and lunch, while traditional and Indian for dinner. "My argument from there was: that made them quintessentially modern subjects, not outdated characters with outmoded habits as nativists imagine them to be, with a hankering for tradition and for change, through the cycle of the day, the week, and the seasons." They were accumulating food knowledge, both of how to make their traditional Indian foods and how to adapt them to American ingredients and tastes, using salmon instead of Indian fish, or making less spicy versions for American friends.

And they started sharing this knowledge. A key difference between the H-1B migrants and earlier migrants was access to a personal computer and the internet. This helped visa wives break their isolation, connecting first to family members and then other friends they made online, often to share recipes. Radhika writes about Malini who started putting her recipes online to help her sister-in-law, who had recently moved to Canada: "Phone calls were expensive in those days. 'Why don't you put your recipes on a blog? It would be easy for me to access,' she suggested."

Professor Krishnendu Ray, while studying the food habits of Indians in the U.S., found the women were quintessentially modern, hankering for tradition and change.

#WILD

Wally The Walrus

The sea's unlikely stowaway and boat-hopper gets his own place of rest

In recent years, a curious walrus named *Wally* has captured the hearts of people along the northern coasts of Europe and Canada, becoming an unexpected celebrity for his unusual habit of hopping onto boats to rest, sometimes with rather dramatic results.

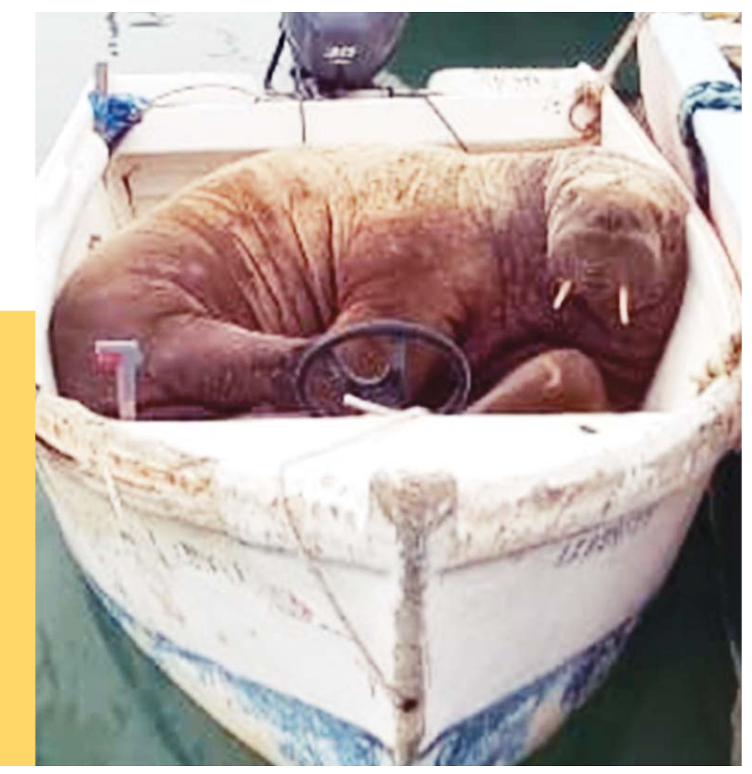

Who is Wally?

Wally is a large Atlantic walrus who first gained public attention around 2019. Unlike typical walruses, who prefer resting on ice floes or rocky shores, Wally developed a quirky habit: using boats as makeshift resting spots. His friendly, inquisitive nature has endeared him to locals and tourists alike, but his unusual behaviour has also led to some unintended consequences.

Wally's Boat-Hopping Antics

Wally's habit is simple but impactful. He often climbs aboard small fishing boats, pleasure craft, and even large commercial vessels anchored near the shore, seeking a comfortable place to relax and nap. While this might seem harmless, Wally's hefty size, an adult male walrus can weigh over a ton, means his sudden appearances can cause quite a stir. In some cases, Wally's presence on a boat has led to it taking on water or even partially sinking under his weight. His unexpected landings have caused minor damage and quite a bit of surprise among boat owners, who often find their vessels hosting an uninvited but surprisingly gentle guest.

Why Does Wally Do This?

Marine biologists believe Wally's boat-hopping is likely a result of changing environmental conditions and habitat pressures. Walruses rely heavily on sea ice and coastal haul-outs to rest between feeding sessions. However, with climate change causing diminishing ice cover and altering the availability of traditional haul-out sites, Wally may be adapting by seeking alternative resting places. Boats, especially in calm harbors, offer stable, flat surfaces that Wally seems to find appealing. His behaviour illustrates how wildlife can adapt to human environments in surprising ways, sometimes leading to both delightful encounters and logistical challenges.

A Symbol of Adaptation and Coexistence

Wally the walrus serves as a compelling example of wildlife adapting to a rapidly changing world. His boat-hopping may cause some headaches for boat owners, but it also reminds us of the close, sometimes unexpected, ways humans and animals share coastal spaces. As climate change continues to reshape habitats, stories like Wally's encourage us to pay attention, to adapt our behaviours, and to find ways to coexist with the remarkable creatures sharing our planet.

Conservation and Care

Wally's story highlights broader concerns about the impact of environmental changes on marine species. Walruses depend on stable, ice-covered habitats for survival, and their shifting behaviours can signal ecosystem stress. Conservationists have used Wally's popularity to raise awareness about climate change and the need for protecting marine environments. Some organizations have monitored Wally's health and movements, ensuring that human interactions remain respectful and do not harm him.

THE WALL

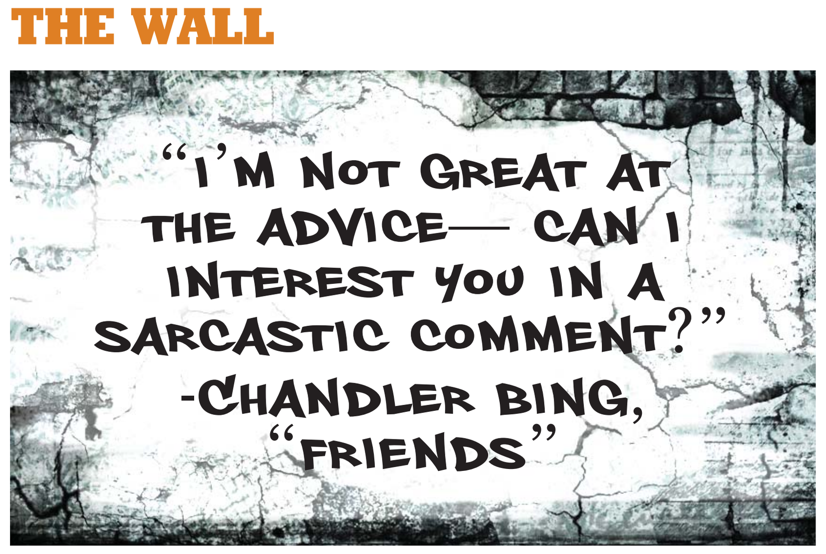

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

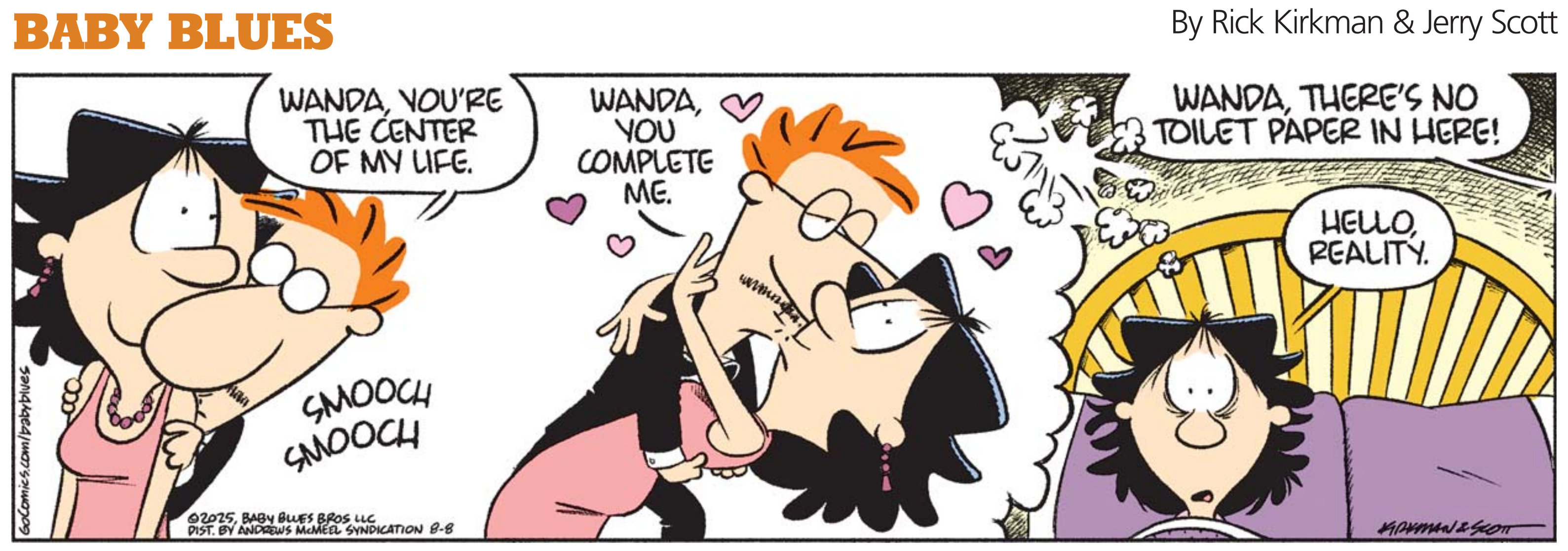

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

पानी में उतरकर केबिनेट मंत्री जोराराम ने फसल खराबे का जायजा लिया

केबिनेट मंत्री जोराराम ने किसानों से बैठक कर मुआवजे का भरोसा दिया

पाली/सुमेरपुर, (नि.सं.)। पाली जिले की सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बाद उपजे हालात का जायजा लेने के लिए स्थानीय विधायक व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत लगातार तीसरे दिन भी दौरे पर रहे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ खेतों में भरे पानी के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया। साथ ही गांवों में घरों व मवेशियों को हुए नुकसान के संबंध में ग्रामीणों से बैठक कर वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी लेकर जिला कलेक्टर से दूरभाष पर बात कर प्रभावितों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

मंत्री कुमावत गांव दलाराम, रूपावास, भांवरी और गिरादड़ा क्षेत्र की फसलों का जायजा लेने के लिए गहरे पानी में स्वयं उतर गए। इसे देख अधिकारी भी पहुंचे और पीड़ितों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए सर्वे करने का भरोसा दिया। मंत्री जोराराम कुमावत ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को शत-प्रतिशत सर्वे कर जल्द से जल्द प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों में पहले से रिपोर्ट तैयार की गई है, वहां फिर से सर्वे कर पुनः प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के आदेश दिए हैं।

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बाद उपजे हालात का जायजा लिया।

केबिनेट मंत्री कुमावत ने भांवरी में चौपाल पर किसानों से चर्चा की और आश्वासन दिया कि अतिवृष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा जल्द से जल्द दिया जाएगा। कुमावत ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण सभी खेतों में जलभराव की स्थिति है, किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। इसकी शत-प्रतिशत गिरदावरी के लिए अधिकरियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध जवाई लबालब हो चुका है। बांध के कुल 13 में से 9 गेट शनिवार को खोल दिए गए थे, बांध में पानी की आवक थोड़ी घटने से फिलहाल तीन गेट दो-दो फीट तक ही खोले गए हैं। जवाई नदी में पानी छोड़ने व जमकर हुई बरसात से पाली व जालोर जिले के अधिकतर नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। कई

- **जोराराम ने अधिकारियों को फसल खराबे का प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिये**

गांवों का संपर्क टूट गया है। रविवार सुबह हेमावास बांध भी ओवरफ्लो नजर आया। यहां करीब एक फीट की चादर चल रही है। इसके अलावा सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के तखतगढ़ शहर की महावीर बस्ती, नेहरू रोड सहित अन्य बस्तियों में पानी भर गया। रविवार को सुमेरपुर-शिवगंज की तरफ जाने वाले पुल से पानी तो उतर गया लेकिन बरसात के चलते पुल क्षितठास्त हो गया। ऐसे में आना-जाना बंद रखा गया।

इस दौरान मंत्री के साथ पाली प्रधान के प्रतिनिधि पुखराज पटेल, सहकारी समिति के अध्यक्ष गोपाराम, चैन सिंह सांखला, दिलीप पटेल, दल्लाराम पटेल, वार्ड पंच भीमाराम, पाली एसडीएम विमलेंद्र सिंह राणावत, तहसीलदार कल्पेश जैन, पटवारी गोपाल सिंह, भैरू सिंह, मगा सिंह, चैन सिंह, कानाराम, जालम सिंह, शैतान सिंह, मोहनलाल पटेल आदि साथ थे।

जवाई का पानी सायला क्षेत्र में पहुंचा, कई जगह जलभराव

कलेक्टर व एसपी ने सायला में जवाई नदी किनारों का निरीक्षण किया

सायला, (नि.सं.)। पश्चिमी राजस्थान के सुमेरपुर के निकट स्थित जवाई बांध से शनिवार दोपहर को पानी की निकासी शुरू होने से सायला क्षेत्र की जवाई नदी में रविवार सवेरे पानी पहुंचा। जानकारी के अनुसार जवाई बांध में सेई बांध से निरंतर पानी की आवक होने तथा केचमेंट एरिया में बारिश के बाद शनिवार को दोपहर दो बजे बांध के गेट खोलकर नदी में पानी छोड़ना शुरू किया था, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया।

उपखंड अधिकारी सूरजभान विश्नोई, तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी व विकास अधिकारी गौरव विश्नोई ने पटवारियों, ग्राम विकास अधिकारियों को संबंधित क्षेत्रों में भेजकर नदी की रपटों पर आवाजाही को बंद करवाया गया। साथ ही संभावित आपदा से निपटने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर निचले भराव वाले क्षेत्रों में निवास करने वाले ग्रामीणों को दूसरी जगहों व स्कूलों आदि में शिफ्ट कराने का कार्य किया। शाम को बांध के 8 गेट खुलने से जल्द ही नदी प्रवाहित होने की संभावना से लोग रात भर एक दूसरे से जानकारी लेते रहे, जबकि प्रशासन व पुलिस लगातार नदी क्षेत्रो की गश्त करती नजर आई। साथ ही भोंपू से ग्रामीणों को सूचना देकर सतर्क रहने की अपील की। वहीं रविवार को सुबह उम्मेदाबाद, खरल, ओटवाला होता हुआ जवाई का पानी सायला क्षेत्र में पहुंचा। जिसकी सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ नदी किनारे उमड़ने लगी, जिन्हें पुलिस द्वारा बेरीकेट लगाकर आगे जाने से रोक दिया था। दोपहर में अचानक बहाव में जलस्तर बढ़ गया, जो सायला के भीलवाड़ी के नीचले इलाकों में पानी भर गया, जहां से निवासरत ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा कात्यायनी माता मंदिर में पानी का भराव हो गया।

जवाई बांध के गेट खुलने से जवाई नदी प्रवाहित होने के बाद रविवार को जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के गवांडे व जिला पुलिस अधीक्षक शेलेंद्रसिंह इंदौलिया सायला दौरे पर रहे तथा उम्मेदाबाद, खरल, सायला व पोषाणा में नदी प्रवाह क्षेत्र का निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था देखी। पुलिस को नदी के प्रवाह के दौरान किसी भी वाहन या व्यक्ति को अंदर नहीं जाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही आमजन से सतर्कता बरतने की अपील। इस दौरान तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी, विकास अधिकारी गौरव विश्नोई, थानाधिकारी सुरेंद्रसिंह मौजूद रहे। विकास अधिकारी व तहसीलदार ने संभावित आपदा से निपटने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

लॉरेंस गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार

लॉरेंस गैंग के ये गुर्गे बीकानेर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे

बीकानेर, (निसं)। लॉरेंस गैंग के 2 गुर्गों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से 5 पिस्टल, एक मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों बदमाशों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। लॉरेंस गैंग के ये गुर्गे बीकानेर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

एडिशनल एसपी सौरभ तिवाड़ी ने बताया कि बीकानेर पुलिस ने इस गैंग के मूवमेंट पर लगातार नजर रखी थी। इस गैंग के सदस्य कोई बड़ी वारदात बीकानेर शहर में करने की फिराक में थे। ये सूचना मिलने पर आईजी हेमंत शर्मा के निर्देशन में कार्रवाई की गई। इसके तहत एमपी नगर पुलिस ने श्रवण सिंह सोडा पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी बज्जू और राजेश तरड पुत्र रामेश्वर निवासी खाजूवाला को गिरफ्तार किया है। इनमें श्रवण सिंह पर तस्करी के कई आरोप लग चुके हैं। राजेश तर्ड खाजूवाला का हिस्ट्रीशीटर है। इन दोनों के खिलाफ करीब 25-25 मुकदमें विभिन्न राज्यों और राजस्थान के विभिन्न थानों में दर्ज है। यह दोनों बदमाश गजनेर

- **पांच पिस्टल सहित मैगजीन व कारतूस बरामद, 25-25 हजार का इनाम घोषित था**

थाना इलाके में मारपीट करने की गंभीर वारदात में शामिल थे। ये दोनों लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के लगातार संपर्क में थे। पुलिस ने इन तीनों के बीच हुई बातचीत और गतिविधियों के आधार पर मामला दर्ज किया है। जिसमें हैरी बॉक्सर (लॉरेंस गैंग का सदस्य), श्रवण और राजेश तर्ड पर संगठित अपराध व आर्म्स एक्ट की गंभीर धाराओं में हुआ मामला दर्ज किया गया। श्रवण सोढ़ा अपने साथियों के साथ मिलकर एक गैंग भी चलाता है, जिसका नाम सोढ़ा गैंग है। कुछ दिन पहले खाजूवाला में इसकी गैंग से 2 लोगों को गिरफ्तार किया। उनसे 2 पिस्टल बरामद की गई थी। श्रवण सिंह सोडा गुजरात के पुलिस थाना गांधीनगर में अपहरण व फिरौती के मामले में भी वांछित है।

खरल में नदी में उतरने पर दो व्यक्ति गिरफ्तार

सायला, (नि.सं.)। सायला थानाक्षेत्र के खरल गांव में चल रही जवाई नदी के बहाव में समझाइश के बावजूद बार-बार पानी में उतरने पर सायला पुलिस द्वारा दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्रसिंह इन्दौलिया के निर्देशन में जिले में भारी बारिश के दौरान चल रहे बाढ़ बचाव अभियान एवं जवाई बांध की फाटकें खोलने के कारण जवाई नदी में तेज बहाव होने के कारण संघन गश्त, निगरानी एवं मानव सुरक्षा के लिए जवाई नदी के नाकों पर लगाये गये पुलिस जाब्ते के द्वारा रविवार को स्थानीय लोगों को जवाई नदी क्षेत्र से दूर एवं सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए समझाइश की गई। इसी दौरान थाना हल्का क्षेत्र के गांव खरल के पास चल रही जवाई नदी के बहाव में दो व्यक्ति बावजूद समझाइश के बार-बार पानी में उतरने पर मीठाराम पुत्र राणाराम भील एवं भंवरलाल पुत्र जोगाराम मेघवाल निवासी खरल को पुलिस के तैराकों द्वारा पानी से बाहर निकाल कर जान बचाई एवं दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस कार्यवाही पुलिस टीम में एएसआई राजाराम, कांस्टेबल अर्जुनकुमार मौजूद रहे।

गोगामेड़ी मेले का समापन, मेले में 20 लाख श्रद्धालु पहुंचे

हनुमानगढ़, (निसं)। राजकीय आत्मनिर्भर मंदिर गोगाजी गोगामेड़ी मेला वर्ष 2025 का रविवार को भाद्रपद पूर्णिमा पर औपचारिक समापन हुआ। समापन के मौके पर भादरा विधायक संजीव बेनीवाल, नोहर अतिरिक्त जिला कलेक्टर संजू पारीक, नोहर उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव और भादरा एसडीएम कल्पित श्योराण, मंदिर के महंत रूपनाथ, प्रशासक गोगामेड़ी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इस वर्ष मेले में पंजाब में आई बाढ़ के कारण दूसरे पखवाड़े में श्रद्धालुओं की संख्या कुछ घटी, फिर भी करीब 20 लाख श्रद्धालु गोगामेड़ी पहुंचकर गोगाजी के दर्शन किए। आय के मामले में इस बार रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। दानपात्रों और रसीदों से पिछले वर्ष 2,12,55,520 रुपए की आय हुई थी, जबकि इस बार यह बढ़कर 3,09,50,596 रुपए (7 सितम्बर तक की गणना अनुसार) हो गई है। अभी 20 से 25 लाख रुपए की राशि की गणना शेष है। अस्थाई भूखंडों एवं अन्य स्रोतों से हुई आय को मिलाकर अब तक कुल आय 8.87 करोड़ रुपए दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष के 7.71 करोड़ रुपए से कहीं अधिक है।

जिला प्रशासन और देवस्थान विभाग ने इस बार यात्रियों की सुविधा के लिए कई नवाचार किए, जिनका व्यापक असर दिखाई दिया। मंदिर परिसर में करीब 850 फीट स्थायी स्टील बेरिकेटिंग बनाई गई, जिससे श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से राहत मिली और चेन स्नेचिंग और पर्स चोरी की घटनाओं पर भी रोक लगी। समाधि के दर्शन के लिए 3 बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गईं। श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु प्रतिदिन 3 हजार यात्रियों की क्षमता वाले जर्मन हैंगर युक्त रैन बसेरे तैयार किए गए, जिनमें 48 शौचालय और 48 स्नानघर भी बनाए गए।

देवस्थान सहायक आयुक्त ओमप्रकाश के मुताबिक, रैन बसेरों में विश्व मानव रूहानी केंद्र की ओर से निशुल्क अस्पताल संचालित किया गया, जिसमें करीब 20 हजार मरीजों का इलाज किया गया और दवाइयां भी वितरित की गईं। मेले में एक भी गंभीर हादसा दर्ज नहीं हुआ। रैन बसेरों के सामने श्रद्धालुओं के लिए भंडारों की भी व्यवस्था की गई।

जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की पहल पर गोगाजी मंदिर के लिए एक अधिकृत वेबसाइट विकसित की गई, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को मेले से जुड़ी जानकारी और लाइव दर्शन उपलब्ध हुए। श्रद्धालुओं के लिए मेला परिचय पुस्तिका छपवाकर वितरित की गई और हेल्पलाइन भी जारी की गई। इस बार मेले में प्रतिदिन लेजर एंड साउंड शो का आयोजन कर श्रद्धालुओं को आकर्षित किया गया।

नौकरी के नाम पर ठगी

बीकानेर, (निसं)। यहां स्टेशन रोड पर रहने वाले एक युवक को रेलवे में नौकरी दिलाने के लिए पिता ने साढ़े 4 लाख रुपए कुछ युवकों को दिए। नौकरी भी नहीं मिली और न रुपए ही वापस आए। अब कोटगेट थाने में इस संबंध में मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रानी बाजार में छप्पन भोग के सामने रहने वाले पवन कुमार सिकवाल अपने बेटे राघव को सरकारी नौकरी लगवाना चाहते थे। इस संबंध में उन्होंने परिचितों से बात की। इसी दौरान एक गिरोह के लोग उस तक पहुंच गए। मूल रूप से पश्चिम बंगाल में रहने वाले पवन को बिहार के नीरज पांडे औ ा र दीवाकर पांडे, पश्चिम बंगाल के आकाश शर्मा और रोहित शॉ के अलावा सतीश चौधरी, शिव कुमार चौधरी ने मुलाकात की।

हमले में दुकानदार घायल

उदयपुर, (कासं)। चाय के रूपयों के लेनदेन के विवाद में व्यापारी ने तेजाब से हमला कर चाय देने वाले को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 अगस्त को कियावतों की भागल गोगुन्दा निवासी प्रेमसिंह पुत्र किशनसिंह राजपूत पर किराणा व्यापारी इसवाल निवासी भरत सोनी पुत्र जगदीश चन्द्र सोनी तथा दिलीप सोनी पुत्र जगदीश सोनी ने तेजाब छिड़क दिया। घायल को परिजन उपचार के लिए ले गए। प्रेमसिंह चाय नाश्ता की दुकान चलाता है तथा भरत सोनी चामुण्डा नाम से किराणा दुकान चलाता है। घटना वाले दिन दस रूपये की चाय लेने के दौरान खाली कप देने को लेकर दोनों में विवाद हो गया। इस दौरान आवेश में आकर आरोपी ने तेजाब छिड़क कर पीड़ित को घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

रेलवे ने बिना टिकट यात्रा पर 87.55 लाख रुपए जुर्माना वसूला

- **वसूली गई राशि एक माह के तय टारगेट से 20 लाख रुपए ज्यादा**
- **साढ़े पांच हजार यात्रियों पर रिजर्व्ड डिब्बों में यात्रा करने पर ठोका जुर्माना**

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने ट्रेनों में बिना और अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले लोगों को सबक सिखाते हुए एक माह में पकड़े गए ऐसे कुल 20 हजार मामलों से 87.55 लाख का उल्लेखनीय जुर्माना वसूल करने में सफलता हासिल की है। बड़ी बात यह है कि मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा बिना टिकट यात्रा को हतोत्साहित करते हुए पकड़े गए ऐसे मामलों की संख्या निर्धारित टारगेट से 12.79 फीसदी ज्यादा है जिसके अनुपात में वसूल किया गया राजस्व भी दिए गए लक्ष्य से 29.61 प्रतिशत अर्थात 20 लाख रुपए अधिक है।

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि मंडल पर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के नेतृत्व और निर्देशानुसार चलाए जा रहे सघन टिकट जांच अभियान के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं तथा इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस उपलब्धि पर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने वाणिज्य विभाग व टिकट चेकिंग स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत मंडल के सभी रेलमार्गों पर चलने वाली ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा की गई औचक जांच के दौरान अगस्त माह में जहां 14 हजार 521 यात्री बिना टिकट और साढ़े पांच हजार यात्री अनियमित टिकट पर (निर्धारित डिब्बे की बजाय आरक्षित डिब्बे में) यात्रा करते पाए गए जिनसे रेलवे ने 87 लाख 49 हजार रुपए बतौर किराया व जुर्माना वसूल किया जबकि बिना बुक सामान के 19 अन्य मामलों पर 5 हजार रुपए जुर्माना आरोपित किया गया।

अभियान के दौरान इस बार स्वच्छ रेल स्वच्छ परिसर के अभियान को गति देते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ ने ट्रेनों और स्टेशनों पर गंदगी फैलाने वाले 2 हजार 831 यात्रियों से 3 लाख रुपए जुर्माना वसूल कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त 103 यात्री ऐसे भी पकड़े गए जो नियमों की अवहेलना करते हुए बीड़ी-सिगरेट फूंक रहे थे, इनसे भी 16 हजार 500 रुपए वसूल कर ऐसा न करने की चेतावनी दी।

परिवार पर चढ़ाई कार, मासूम की मौत, चार की हालत गंभीर

लखासर टोल नाके पर एक कार ने टोल नाके का बैरियर तोड़ दिया था, दिल्ली के युवक हिरासत में

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ के पास स्थित लखासर टोल नाके पर एक कार ने टोल नाके का बैरियर तोड़ दिया। इसके बाद वहां पास ही स्थित बस स्टैंड पर एक परिवार पर गाड़ी चढ़ा दी। इससे डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने कार चला रहे दिल्ली के युवकों को हिरासत में लिया है। बीकानेर-जयपुर नेशनल हाइवे पर रविवार सुबह करीब सात बजे एक कार तेज गति से निकली। दिल्ली से आ रहे कुछ युवक इस कार को चला रहे थे। पहले लखासर टोल नाके पर बैरियर को तोड़कर भागे। करीब 8 किलोमीटर आगे बीकानेर की तरफ जोधासर बस स्टैंड के पास सड़क किनारे तंबू डालकर बैठे परिवार पर कार चढ़ा दी। इससे डेढ़ साल के बच्चे वंश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कार की चपेट में आने से एक पशु ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद राहगीरों ने घायलों को संभाला और एक पिकअप में डालकर पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां इनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर शेरुणा थाने के एएसआई पूर्णमल पहुंचे। फिलहाल गाड़ी को जब्त कर लिया गया है और युवकों को हिरासत में लिया गया है। घटना झपकी आने से हुई या फिर नशे में कार चलाने से हुई इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है, लेकिन हिरासत में पूछताछ की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने फसल खराबे के संबंध में जानकारी ली

भीलवाड़ा, (निसं)। अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना अधिकारियों की प्राथमिकता रहे। आपदा राहत व अतिवृष्टि से संबंधित विभागों के समस्त अधिकारी फील्ड में अलर्ट रहकर सघन मॉनिटरिंग करे, किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना मिलने पर त्वरित निराकरण व सहायता उपलब्ध करायें। उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे के दौरान जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अतिवृष्टि से संबंधित मुद्दों पर आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक लेकर अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण सड़कों के गड्ढों की मरम्मत एवं पेचवर्क त्वरित गति से कराने तथा पशु चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने जिले में फसल खराबे के संबंध में जानकारी ली व ऑनलाइन गिरदावरी का कार्य व फसल खराबे का सर्वे जल्द पूरा कर मुआवजे के प्रस्ताव तैयार कर उच्च स्तर पर भेजने हेतु

- **उप मुख्यमंत्री बैरवा ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की**

निर्देशित किया, जिससे कि जिले के प्रभावित कृषकों को राहत पहुंचाई जा सके। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला प्रशासन द्वारा राज्य सरकार को सड़कों व पुलों की मरमत के कार्य, विद्यालयों व आंगनबाड़ी मरम्मत के विभिन्न कुल 1200 कार्यों के प्रस्ताव भिजवाए गए हैं व शेष अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यों के भी प्रस्ताव तैयार कर जल्द भिजवाये जाएंगे।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने आगामी समय में राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने वाले गांव चलो अभियान, शहर चलो अभियान एवं सहकारिता सदस्यता अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन अभियानों में किए जाने वाले कार्यों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार किया जाए और जनभागीदारी से इन्हें सफल बनाया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के निर्देश अनुसार जिले के तय पंच गौरव उत्पादों के कार्यों की वर्तमान प्रगति की समीक्षा की।

जिला कलेक्टर ने उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पंच गौरव कार्यक्रम के तहत उत्पादों के विभिन्न विकास व अन्य कार्यों हेतु राज्य सरकार को प्रस्ताव तैयार कर भिजवाए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध होने के पश्चात पंच गौरव उत्पादों के संबंध में आवश्यक विकास कार्य करवाये जाएंगे। जिला कलेक्टर संधू ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अतिवृष्टि से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारी प्रत्येक स्थिति पर बारीकी से निगरानी रखे हुए हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, मांडलगढ़विधायक गोपाललाल खंडेलवाल, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा, अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा, एडीएम सिटी प्रतिभा देवटिया, नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल, उपखंड अधिकारी अक्षत सिंह सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात में वाड़ा फला जावर हाल सविना थाना क्षैत्र हीर बावड़ी निवासी जितेश पुत्र शंकरलाल मीणा ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। जितेश हीरा बावड़ी में रहने वाली युवती के साथ लिविंग रिलेशन में रहता था। रात में वह उसके हीरा बावड़ी में स्थित मकान पर गया था, जहां उसकी मां से मिलने गया। वहां किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर उसे फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

दोस्त ने ही दोस्त को मौत के घाट उतारा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के ओम नगर इलाके में मामूली से विवाद के बाद दोस्त ने ही दोस्त को मौत के घाट उतार दिया, हालांकि पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, हत्या के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है। वहीं दूसरी ओर फाइनेंस एसोसिएशन और परिजनों ने सूचना केंद्र चौराहे पर एक करोड़ का मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि मृतक कमलेश सुथार घर में कमाने वाला अकेला था, उसके दो बच्चे हैं और परिवार की जिम्मेदारी उसी के ऊपर थी, उसकी मौत के बाद परिवार आर्थिक संकट से ना जूझे इसके लिए आर्थिक सहायता की मांग और मृतक के आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए।

हनुमानगढ़ : भटनेर दुर्ग के द्वार से सटा बुर्ज ढहने की कगार पर

हनुमानगढ़, (निसं)। भटनेर दुर्ग संकट के दौर से गुजर रहा है। लगातार हो रही बारिश ने इस किले की मजबूती को गहरा आघात पहुंचाया है। पिछले कुछ समय से किले की बुर्जियां एक-एक कर गिर रही हैं और अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि मुख्य द्वार से सटी बुर्ज भी ढहने की कगार पर पहुंच गई है। ऐसे में आमजन की सुरक्षा को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने किले में पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया है।

- **आमजन की सुरक्षा को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने किले में पर्यटकों का प्रवेश बंद किया**

किले के मुख्य द्वार से प्रतिदिन सैकड़ों नागरिकों का आना-जाना होता है। यदि यह बुर्ज अचानक गिरती है तो बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश दोनों है। जानकारी के अनुसार यहां मौजूद करीब 12 बुर्ज जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। पश्चिम दिशा में स्थित बुर्ज संख्या 16 पहले ही टूटकर गिर चुका है। कुछ दिनों पहले पुरातत्व विभाग ने कलेक्टर को पत्र लिखकर चेतावनी भी दी थी। इतिहासकारों के अनुसार यह दुर्ग लगभग 1700 वर्ष पुराना है और कई शासकों की विरासत को अपने भीतर समेटे हुए हैं, मगर वर्तमान में इस धरोहर की दीवारें और बुर्जियां धीरे-धीरे जर्जर होकर ढह रही हैं।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पुरातत्व विभाग के संरक्षण सहायक विपुल कुमार ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से किले में आमजन और पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। टीम पूरे किले में अन्य जर्जर हिस्सों की मॉनिटरिंग कर रही है।

गुवारड़ी बांध में बहे बालक का शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। गुवारडी बांध की रपट में 15 वर्षीय बालक बहने के मामले में दूसरे दिन भी बचाव अभियान जारी रहा। दूसरे दिन रविवार दोपहर में बालक का शव 500 मीटर दूर नदी के बीच झाड़ियों में फंसा मिला। शनिवार को अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोका दिया गया था। मंगरोप थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि एसडीआरएफ सिविल डिफेंस की टीमों ने दो दिन बात सर्च पूरा करते हुए 500 मीटर की दूरी पर 15 वर्षीय बालक जितेंन्द्र आचार्य का शव बरामद कर लिया। जितेंद्र शनिवार को दोपहर बाद दोस्तों के साथ नहाने गया था। बांध ओवरफ्लो से रपट पर चादर चलने दौरान नहाते वक़्त जितेंन्द्र रपट में बह गया था।

- **शव 500 मीटर दूर नदी के बीच झाड़ियों में फंसा मिला**

सार-समाचार

बलराम सत्संग का आयोजन

दौसा। संत सुंदर दास जन्मभूमि विकास संस्थान के के तत्वावधान में रविवार को संत सुंदर दास पैनोरमा में बलराम सत्संग का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मनोहर लाल गुप्ता ने संत सुंदर दास जी व बलराम दास महाराज को नमन करते हुए बलराम सत्संग के घनश्याम दास महाराज, मुरली नाटाणी, घनश्याम रावत, द्वारका महेश्वरा, जगदीश शर्मा, राजेंद्र शर्मा और बलराम सत्संग के सभी का अभिनंदन किया साथ में सत्संग में पधारे जिला खंडेलवाल वैश्य सेवा समिति के अध्यक्ष मनोज भिवाल, जिला महिला खंडेलवाल समाज की अध्यक्ष मीना चोकड़ायत, संत सुंदर दास स्मारक समिति के संरक्षक जगदीश छोकरवाड़ा, हरिनारायण चांदपुर, मंत्री संतोष धोकरिया, दौसा जिला वैश्य महा सम्मेलन के महामंत्री गजानंद गर्ग प्रदेश महिला वैश्य मंत्री अर्चना बड़ाया, गीता रावत व अन्य गणमान्य बंधुओं का सम्मान किया। अध्यक्ष मनोहर लाल गुप्ता ने कहा कि संत सुंदर दास जी का स्थान दौसा में धार्मिक दृष्टि से पर्यटन दृष्टि से सर्वोत्तम स्थान है यहां पर संत सुंदर दास जी के द्वारा किए गए कार्यों को प्रेरणा देने हेतु हर 2 महीने में बलराम सत्संग कराया जाएगा। संत सुंदर दास जी की महिमा पूरा देश जानता है इनकी गिनती तुलसीदास जी, कबीर दास जी के बराबर की जाती है। इन्होंने कई चमत्कारी कार्य किये और पूरे देश में 48 ठांथों की रचना कर प्रेरणादायक कार्य किया इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष रतनलाल डंगायच ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गणेश विसर्जन उत्सव सम्पन्न

भरतपुर (निस)। भरतपुर में गौरी गणेश सेवा मंडल पुष्प वाटिका द्वारा विगत 11 वर्षों से लगातार किया जाने वाला गणेश विसर्जन का कार्यक्रम सेवा मंडल के संरक्षक इंजी. जीवनलाल शर्मा, और अध्यक्ष अभिषेक शर्मा के नेतृत्व मैं सैकड़ों महिला, पुरुषों, और युवाओं के साथ बाजे-गाजे के साथ नवग्रह कुंडा मैं हर्ष उल्लास के साथ, गणपति बप्पा मोरिया अब के बरस तू जल्दी के नारे लगाते हुए पूजा अर्चना कर विसर्जन किया गया विसर्जन यात्रा से पहले पुष्प वाटिका कॉलोनी, स्थित मनोज शर्मा के निवास पर सुबह 9 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया इस अवसर भंडारे मैं भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरधारी तिवारी, कांग्रेस के प्रदेश महा मंत्री धर्मेंद शर्मा , जिला महा सचिव योगेश सिंगल, आरएसी कमांडेंड गणपत महावर, युवा उद्योग पति नवीन पाराशर, सर्व समाज महा सवा अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंगल, जाट संघर्ष समिति के अध्यक्ष, नेम सिंह फौजदार, भाजपा नेता रामनिवास बहनेरा, थानाधिकारी एदल सिंह, राकेश अठावाल, दिनेश चंद शर्मा, रणवीर बहनेरा, रामवीर शर्मा, राजवीर सिंह, सत्या सिंह, दीपक बहनेरा, संगीता शर्मा,ललित चौधरी, धीरज मुद्गल, मनु मुद्गल, हर्ष तिवारी होमेश पिदावली, अंशु भंडौर प्रिंस ख़ेनवार, कुणाल शर्मा प्रियांशु चौधरी, इनके सहित हजारों की संख्या मैं भक्तों ने प्रसादी ठाहण की।

चोर गिरोह कैमरे में दिखा

देवली । इन दिनों,शहर में कई समय से साइकिल चोर गिरोह सक्रिय बना हुआ है। यह सक्रिय कर लोगों के घरों के बाहर कड़ी साइकिलों को निशाना बना रहे है। शहर में ऐसी कई चोरी की वारदातें दिन प्रतिदिन सामने आ रही है। इसी के चलते शनिवार दोपहर विवेकानंद कॉलोनी में वार्ड पार्षद भीमराज जैन के पुत्र मोहांश की साइकिल चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहंस पुत्र मुकेश जैन ने दोपहर करीब डेढ़ बजे अपनी साइकिल घर के बाहर खड़ी की थी।और वह घर के अंदर चला गया। इसी बीच, एक अज्ञात व्यक्ति आया और मौका पाकर साइकिल चुराकर फरार हो गया। इसी प्रकार अभी कुछ दिन पहले शहर के गौरव पथ रोड पनवनी पर स्थित ट्राई ओम कोचिंग सेंटर के बाहर से स्टूडेंट नवनीत सेठी कि मोटे टायर वाली साइकिल पर भी चोरों ने हाथ साफ कर लिया था जिसकी रिपोर्ट स्थानीय पुलिस थाने में समय रहते दी गई थी। ऐसे हालातों पर पार्षद भीमराज जैन ने बताया कि उनके पुत्र ने केवल 10 मिनट पहले ही साइकिल खड़ी की थी। इस मामले में भी पार्षद ने शहर के थाना पुलिस को शिकायत दी है। इससे कुछ दिन पहले, सीमेंट व्यापारी सुनील जैन के पुत्र की साइकिल भी पार्श्वनाथ धर्मशाला के बाहर से चोरी हो गई थी। इन वारदातों को देखते हुए, शहरवासियों को साइकिलों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। इसलिए की स्थानीय पुलिस की पकड़ से साइकिल चोर बाहर है।

हादसे में युवक की मौत

देवली। यहां निकटवर्ती हनुमान नगर थाने के समीप कोटा रोड पर शनिवार रात बस की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई । वहीं दो जने गंभीर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार देवली की ओर से एक बाइक पर तीन युवक सवार होकर हिंडोली थाना क्षेत्र के काबरी गांव को जा रहे थे। वहीं रात को इसी दौरान श्रीमाधोपुर डिपो की रोडवेज बस भी कोटा की ओर जा रही थी। तभी टाटा मोटर्स के सामने संभवतया जाम लगने के चलते बस चालक ने जब बस को पीछे की ओर लिया तो बाइक पर सवार तीनों युवकों के साथ यह हादसा हो गया इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई एवं उसके दो साथी घायल हो गए। ऐसे में हनुमान नगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पुलिस ने यहां मृतक जसवीर (30) पुत्र भोलूराम रेगर के शव को राजकीय चिकित्सालय देवली में रविवार सुबह पोस्टमार्टम करवरकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह का अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

कोटपूतली । राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी रविवार को जिले के दौरे पर रहे. इस दौरान सिंह ने जिले के अधिकारियों के साथ फील्ड में जाकर अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों और विभिन्न कार्यों का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने कोटपूतली के ग्राम कँवरपूरा में तिल, ग्वार और बाजार की फसलों की स्थिति और ग्राम गोवर्धनपुरा में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। सिंह ने जिले में हुई अतिवृष्टि के कारण हानि, फसल खराबा, आवास संबंधित हानि, पशु क्षति की जानकारी लेकर कहा कि लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जर्जर भवनों, कच्चे मकानों का विशेष ध्यान रखें तथा पटवारी एवं ग्राम विकास अधिकारी फील्ड में जाकर समय-समय पर मॉनिटरिंग करें।

प्रभारी मंत्री विजय सिंह ने कोटपूतली में फसल खराबे का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि हमारी सतर्कता से जनहानि को बचाया जा सकता है, इसलिए पूर्णतः जिम्मेदारी से कार्य करें। सिंह ने कृषि एवं राजस्व विभाग को निर्देश दिए कि खराब हुई फसलों की गिरदावरी समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण की जाए ताकि किसानों को शीघ्र मुआवजा एवं फसल बीमा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इस कठिन समय में सरकार उनके साथ खड़ी है।

रामलीलाल 22 से

दौसा। आध्यात्मिक आदर्श रामलीलाल समिति के तत्वावधान में शारदीय नवरात्रा के दौरान 22 सितंबर से 4 अक्टूबर तक स्थानीय बजरंग मैदान में रामलीला का मंचन किया जाएगा।

इधर समिति के पदाधिकारियो ने रविवार को श्राद्रपक्ष शुरु होने से पूर्व सब्जी मंडी स्थित प्रथम पूज्यश्री गणेश जी महाराज की विधिवत रुप से पूजा अर्चना कर भगवान गणेश को न्यौता दिया।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक शंकर लाल शर्मा, लक्ष्मीकांत शर्मा, अध्यक्ष धर्माचार्य डॉ. परमेश्वर गंगावत, उपाध्यक्ष अमरेश जाकड़, सचिव पार्षद आचार्य आशीष, डायरेक्टर राकेश शर्मा, संयोजक अशोक सिंघा, कोषाध्यक्ष उमाशंकर गुढाकटला, प्रचार मंत्री बलराम मिश्र, वरिष्ठ कलाकार प्रदीप नागर, प्रवीण शर्मा, पवन शर्मा, सागर, श्याम प्रेमी, विवेक शर्मा, कुश तिवाड़ी उपस्थित थे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 95 वाहनों का चालान

पावटा । महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज,जयपुर राहुल प्रकाश आईपीएस द्वारा दिनांक 25 अगस्त 2025 से 05 सितंबर 2025 तक चलाये जा रहे अभियान लेन ड्राइव, जागरुकता एवं प्रवर्तन की पालना मे पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड देवेन्द्र कुमार विश्नोई आईपीएस व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजवात आरपीएस व थानाधिकारी पुलिस थाना प्रागपुरा किरण सिंह की उपस्थिति मे अभियान के पहले दिन शनिवार को नेशनल हाइवे सहित विभिन्न स्थानों व मार्गों पर गहनता से चेंकिग की गई।

■ यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, हमारी और दूसरों की जान की हिफाजत के लिए भी जरूरी है : धनकड़

इस दौरान ड्रंक एंड ड्राइव, लेन चेंज, प्रैशर हॉर्न, रॉग पार्किंग, बगैर नंबर प्लेट, रॉग साईड ड्राइविंग व दोपहिया वाहन पर ट्रिपल राईडिंग, बुलेट बाइक से पटाखे छोड़ना, बिना हेल्मेट और अन्य यातायात नियमों की उल्लंघन करते पाए जाने पर 43 वाहनों व रविवार को 52 वाहनों का चालान किया गया।

थानाधिकारी पुलिस थाना प्रागपुरा किरण सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना है। साथ ही अपराधों पर नियंत्रण स्थापित करना है। सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने से आए दिन हादसे घटित हो रहें है। इनमे काफी लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते है और काफी लोगों की मौत हो जाती है।

उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें। चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें। इसके साथ ही यातायात के सभी नियमों का पालन करें। यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं है। यह हमारी और दूसरों की जान की हिफाजत के लिए भी जरूरी है।

अलवर के पितरों के तर्पण वाले सागर जलाशय पर जिला प्रशासन की रोक

■ दशकों से सागर पर शहर वासी करते रहे है पितरो का तर्पण, जिला प्रशासन ने उनका यह हक भी छीना

अलवर । देश में सनातन का ढिडोरा पीटने वाली भाजपा सरकार जो सनातन के नाम और हिन्दुत्व की रक्षा का ढिडोरा पीटती नही नही थकती क्या उसके राज में हिन्दुओं के मौलिक अधिकार सुरक्षित है इसका जीता जागता उदाहरण अलवर शहर स्थित सागर जलाशय है जिसमें हिन्दु अपने पित्तरों का वर्षो से तर्पण करते आ रहे थे लेकिन अब जिला प्रशासन के कुछ धर्म विरोधी कहे या हिन्दू विरोधी अधिकारियों ने इस सागर जलाशय पर ताला लगा कर हिन्दुओं की भावना पर कुठाराघात किया है जो भाजपा सरकार की पोल खोलने के लिए काफी है।

यहां पर उल्लेखनीय है सागर जलाशय जिसे राजपरिवार ने सैकडो साल पहले शहर महल के साथ बनवाया था और इस जलाशय में शहर के लोग श्राद्व पक्ष में अपने पितरों का तर्पण वर्षो से करते आ रहे थे यहां काफी त्यौहार भी मनाए जाते रहे है लेकिन शहर और पर्यटक स्थलों की सुन्दरता के नाम पर इस जलाषय पर जिला प्रषासन ने नाजायज रूप से कब्जा करते हुए इसके चारो तरफ जाल लगा कर ताला बंदी कर दी है। जिला प्रशासन और कुछ धर्म विरोधी लोगों ने यह नही सोचा कि इस जलाषय में वर्षो से हिन्दु परिवार अपने पितरो का तर्पण करते रहे है एक प्रकार से यह भारतीय संविधान में नागरिक के मूल अधिकार में आता है लेकिन संविधान द्वारा मिले अधिकार में भी प्रषासन ने ताला ढोक कर हिन्दुओं की आस्था पर कुठाराघात किया है। शहर के निवासियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि अलवर शहर हमेषा से भाजपा के पक्ष में वोट देता आया है ओर उन्हें पता है कि भाजपा हिन्दुवादी पार्टी है लेकिन शहर विधायक एवं दो मंत्री होने के वावजूद श्राद्व पक्ष में हमारे पूर्वज तर्पण को तरस रहे है हमें उन्हें पानी यानि तर्पण भी नही दे पा रहे है यह हमारे नागरिक अधिकार का हनन है। लोगों ने राज्य मंत्री संजय शर्मा और केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव सहित जिला प्रषासन से अपील की है कि सागर जलाषय का ताला खुलवाकर हमें पितर तर्पण की अनुमति प्रदान करे।

सार-समाचार

गणेश महोत्सव का समापन

देवली । यहाँ विश्व हिंदू परिषद एवं धार्मिक उत्सव आयोजन समिति के तत्वावधान में चल रहे 10 दिवसीय गणेश महोत्सव का शनिवार को विशाल शोभायात्रा के साथ समापन हुआ। शोभायात्रा शहर के अटल उद्यान स्थित टीन शेड स्थल से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्ग गौरव पथ, एजेंसी एरिया, महाराणा प्रताप चौराहा, एसबीआई चौराहा, मुख्य बाजार, छतरी चौराहा, सदर बाजार, ममता सर्कल, किर मोहल्ला होते हुए बनास नदी के तट पर स्थित बोरडा गणेश मंदिर पहुंची। स्थानीय बोरडा गणेश मंदिर में विश्व हिंदू परिषद एवं धार्मिक उत्सव आयोजन समिति द्वारा सभी समाजों के अध्यक्षों का दुपट्टा एवं साफा और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समिति के सुरेंद्र डीडवानिया ने जानकारी में बताया कि विश्व हिंदू परिषद एवं धार्मिक उत्सव आयोजन समिति के तत्वावधान में चल रहे 10 दिवसीय गणेश महोत्सव में इस बार करीब 3 दर्जन से अधिक समाजों ने भाग लिया। इस महोत्सव के अवसर पर शहर में निकली विशाल शोभायात्रा का शहरवासियों ने पुष्प वर्षा भव्य स्वागत किया और यात्रा में शामिल लोगों को जलपान करवा कर पुण्य कमाया। शोभायात्रा में गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ जय घोष के बीच शहर गुंजायमान हो उठा। इसी के साथ बनास नदी के किनारे पर गणपति विसर्जन को देखने आस्था,श्रद्धा एवं विश्वास का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ढोल-नगाड़ों के साथ शोभायात्रा निकालकर गणपति की प्रतिमाओं को बनास नदी में प्रवाहित किया गया। सुरेंद्र डीडवानी ने यह भी बताया कि अनंत चतुर्दशी पर गणपति के कार्यक्रमों की धूम रही और बड़ी संख्या में शहर वासियों ने गणपति बप्पा की आराधना की। दस दिन पूर्व गणेश चतुर्थी को अपने घरों और पांडालों में भगवान गणेश को विराजमान कर नियमित रूप से पूजा-अर्चना कर विराजमान किया हुआ था। ऐसे में महोत्सव के समापन पर निकली विशाल शोभायात्रा के दौरान घोड़ियों का नृत्य और सजीव झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा के दौरान भगवान राम की झांकी, भगवान शिव, गणेश और कृष्ण भगवान की झांकी ने लोगो को आकर्षित किया। वही अनंत चतुर्दशी के मौके पर शहर में लोगों ने भगवान अनंत की पूजा की उन्हें रोठ खीर का भोग लगाया।

सचिन पायलट के जन्मदिवस पर पौधारोपण

भरतपुर (निस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट के 48वें जन्म दिवस पर हनुमान मंदिर भूरी सिंह व्यायामशाला भरतपुर में जिला कांठोस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व्यायामशाला के संचालक चुन्नी कप्तान की अध्यक्षता में बगीची में पांच पौधे लगाये गए जिनमें मोसमी, कटहल, अमरूद, बेलपत्र व अशोक के व 48 किलो फल केला व अमरूद व सेवा पहलवानों व भक्तों में वितरित किये गये। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री धर्मेन्द्र शर्मा, जगदीश बंजी, रेडक्रास के सचिव पवन खंडेलवाल, पूर्व पार्षद ब्रजेन्द्र चीमा, अवधेश शर्मा, जीवनलाल शर्मा, संजय चंदेला, शिक्षक कांठोस के रामेश्वर सेनी, रमेश पाठक, चन्द्रभान फौजदार, सेवादल के ब्रजेश शर्मा, वीरेन्द्र नागर, संतोषी लाल गर्ग वकील, रमेश सतीजा, बल्लो पहलवान सेह, रामू पहलवान, अर्जुन कोच, मूलचंद बंजी, ओमप्रकाश ठाकुर, जुगल वशिष्ट, श्याम सुन्दर आदि मौजूद रहे। अंत में सचिन पाएलट को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके दीर्घायु व स्वस्थ्य रहने की कामना की व सचिन पाएलट जिन्दाबाद के नारे लगे व सचिन तुम संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं।

नवनियुक्त फार्मासिस्टों ने मनाया स्नेह मिलन समारोह

दौसा। दौसा जिले के नवनियुक्त फार्मासिस्टों का स्नेह मिलन समारोह-2025 रविवार को रावत पैलेस दौसा में आयोजित किया गया। समारोह में फार्मासिस्ट विनोद मीना, देवेन्द्र सैन, मुकेश कुमार, नमोनारायण मीना एवं पुष्पेन्द्र कुमार ने जिले में नवनियुक्त समस्त फार्मासिस्टों को माला, साफ़ा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर सीनियर फार्मासिस्टों ने नवनियुक्त फार्मासिस्टों को दवा के दुरुप्रयोग और सेल्फ मेडिकेशन को रोकने के संदर्भ में महती भूमिका बताई। फार्मासिस्ट विनोद मीना एवं देवेन्द्र सैन ने नवनियुक्त फार्मासिस्टों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नवनियुक्त फार्मासिस्ट ब्रजकिशोर सिंह गुर्जर, राजेश चौहान, राजकुमार यादव, मुरलीधर चेजारा, त्रिभुवन कुमार शर्मा, विवेक मीना, नन्द किशोर सैनी, आशीष मीना, योगेश शर्मा, आशीष शर्मा, इशरत ख़ान, मीना चौधरी एवं अन्य सैकड़ों नवनियुक्त फार्मासिस्ट उपस्थित रहें।

50 प्रतिभाएं सम्मानित

राजगढ़ । वैश्य महिला समिति की ओर से रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उत्साह एवं उल्लास के साथ आयोजित कार्यक्रम में 50 प्रतिभाओं का जोरदार स्वागत के साथ सम्मान किया गया।

इसमें 50 प्रतिभाओं का प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। इससे पूर्व अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के कोषाध्यक्ष प्रहलाद अग्रवाल, गिरीश गुप्ता, अनिल बंसल, गोविंद गोयल, बृजेश सर्राफ, दीनदयाल बंसल एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रहलाद अग्रवाल ने संबोधन में कहा कि महिला समिति की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन अनुकरणीय पहले है इसमें समाज के अन्य लोगों को भी आगे आना चाहिए। उन्होंने महिला समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर समिति की ओर से सभी अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। इस अवसर पर समिति की ओर से समाज के होनहार बालकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर गिर्राज गोयल, सत्य प्रकाश विजय, पदमा गोयल, रेखा रानी गुप्ता, मीना विजय, एवं अन्य महिलाएं मौजूद रही।

‘डिग्री प्राप्त करने का साधन ने होकर राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार’

भरतपुर (निस)। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रो. यशवंतराव केलकर आदर्श प्राध्यापक विषय पर संगोष्ठी का आयोजन महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने की एवम अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत संगठन मंत्री पूरण सिंह शाहपुरा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भरतपुर विभाग के प्रचारक उत्कर्ष विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर अभाविप के प्रांत संगठन मंत्री पूरण सिंह शाहपुरा ने प्रो. यशवंतराव केलकर के जीवन, उनके आदर्शों एवं शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। और कहा कि प्रो. केलकर केवल एक श्रेष्ठ प्राध्यापक ही नहीं, बल्कि एक सच्चे मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत एवं समाज के लिए आदर्श व्यक्तित्व थे। उन्होंने विद्यार्थियों के समठा विकास हेतु शिक्षा को जीवन से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने यह संदेश दिया गया कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन न होकर राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है।

प्रो. केलकर का जीवन प्रत्येक शिक्षक और विद्यार्थी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है । विभाग प्रचारक उत्कर्ष के बताया कि कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। वे केवल ज्ञान देने वाले ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण के मार्गदर्शक भी होते हैं। वेद, उपनिषद और गीता जैसी महान ठांथों में गुरु को ईश्वर के तुल्य बताया गया है गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वर । भारतीय परंपरा में शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का साधन न होकर जीवन मूल्यों, नैतिकता और कर्तव्यबोध का आधार रही है। शिक्षक विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करते हैं।

आधुनिक समय में भी शिक्षक का दायित्व है कि वह छात्रों को केवल रोजगारपरक शिक्षा ही न दें, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक और आदर्श मानव बनने की दिशा में प्रेरित करें। इसी क्रम में विश्विद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर त्रिभुवन शर्मा ने कहा कि आज के परिवर्तित परिदृश्य में शिक्षक की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प को साकार करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी है।

शिक्षक समाज की आत्मा को आकार देने वाले शिल्पकार होते हैं, जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, मूल्य एवं संस्कारों का निर्माण करते हैं। राष्ट्र निर्माण का आधार सशक्त, शिक्षित और संस्कारित नागरिक हैं, और ऐसे नागरिकों को गढ़ने का दायित्व शिक्षक पर ही होता है।

शिक्षक विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करते हैं। वे केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित शिक्षा न देकर जीवन कौशल, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की भावना का भी विकास करते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु को साक्षात ब्रह्म, विष्णु और महेश के समान माना गया है। आचार्य ही वे हैं जो शिष्य के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे राष्ट्र की सेवा हेतु दिशा प्रदान करते हैं। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शब्दों में दृ ष्सच्चा शिक्षक वह है, जो अपने ज्ञान से छात्र के व्यक्तित्व का निर्माण कर उसे आदर्श नागरिक बनाता है।

डोटासरा का भव्य स्वागत

भरतपुर (निस)। जिला कांग्रेस कमेटी भरतपुर के अध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में कमालपुरा बॉर्डर स्थित सूपा पेट्रोल पंप पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा साहब का जिले की सीमा में पधारने पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा सलेमपुर कला भुसावर में शहीद सत्येंद्र सिंह चौधरी की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में आए थे। स्वागत कार्यक्रम में जिले के समस्त पीसीसी ,जिला, ब्लॉक, एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, सेवादल तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने डोटासरा को साफा, 21 किलो की माला, तथा शॉल एवं चांदी का मुकुट पहना कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने डोटासरा को संगठनात्मक गतिविधियों का हवाला देते हुए बताया कि जिले में सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता एकजुट होकर काम कर रहे हैं। इस अवसर पर पीसीसी चीफ डोटासरा ने बरसात के मौसम में भी भारी संख्या में कार्यकर्ताओं के पधारने पर सभी को धन्यवाद दिया।

जिला प्रभारी मंत्री ने अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया

दौसा। जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने रविवार को दौसा उपखंड क्षेत्र के महेश्वरा खुर्द एवं महेश्वरा कलां गांवों का दौरा कर अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया और ठामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने बांधों की स्थिति, खेतों में हुए जलभराव एवं प्रभावित फसलों को देखा और अधिकारियों को नुकसान की भरपाई के लिए उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने महेश्वरा खुर्द एवं महेश्वरा कलां के बांधों को देखा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ठामीणों से पानी के भराव एवं फसलों की स्थिति पर चर्चा कर फीडबेक लिया। उन्होंने महिलाओं एवं अन्य ठामीणों से बातचीत कर ज्यादा बरसात से हुई समस्याओं और नुकसान की जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने बाजरे के खेत में जाकर फसल को हुए नुकसान का जायजा लिया।

प्रभारी मंत्री राज्यवर्धन राठौड ने महेश्वरा खुर्द में बांध का निरीक्षण किया।

■ अधिकारियों को नुकसान की भरपाई के लिए उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए

ग्रामीणों ने बताया कि कई खेतों में जलभराव होने की वजह से फसलों को नुकसान हुआ है, जिस पर प्रभारी मंत्री ने उन्हें नियमानुसार नुकसान की भरपाई के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार को फसल खराबे की जल्द गिरदावरी करवाने के निर्देश दिए।

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

NAME CHANGE
I manju Sharma W/O suresh Sharma resident of plot no 30 shakti vihar borkheda kota that my sons in education documents my name manju Sharma entered but correct name is mukesh kumari . in future called me mukesh kumari for all purposes.

आम सूचना दिनांक-29/3/2025
सर्वसाधारण को यह सुचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण अशोक कुमार यादव पुत्र श्री मूलचन्द यादव निवासी बाढ की ढाणी, ग्राम शिकारपुरा तहसील सांगानेर जिला जयपुर, महेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री नन्दाराम निवासी बागवाली ढाणी, बगरू खुर्द तहसील सांगानेर जिला जयपुर एवं हेमराज यादव पुत्र श्री जगदीश यादव निवासी ग्राम सिमलियावास वाटिका तहसील चाकसू जिला जयपुर ने अपनी संपत्ति प्लाट नंबर 2,3,4,5,6,7,8,9,13, 14,15,16 कुल क्षेत्रफल 907.73 वर्गगज वाके "श्याम कुटुम्ब" आवासीय कालोनी, खसरा नंबर 184 ग्राम श्यामपुरा बुहारिया तहसील सांगानेर जिला जयपुर के संबंध में रामनरेश नागर पुत्र श्री प्रहलाद नागर निवासी 31/84/05 वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर को विक्रय करने का इकरारनामा दिनांक 26-6-2024 को किया था, लेकिन उक्त क्रेता ने इकरारनामे की पालना में बकाया राशि अदा नहीं की है। इस कारण उक्त इकरारनामा निरस्त कर दिया गया है। इसलिए कोई भी व्यक्ति / संस्था मेरे अभिभाष्यगण के उक्त प्लाटो के संबंध में रामनरेश नागर के साथ किसी प्रकार का संव्यवहार, लिखापढ़ी करने से निषेध रहे। अतः सूचित रहे।
(धर्मवीर चौधरी) एडवोकेट मो.-9414778500

खोया पाया
नागरिक गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर द्वारा आवंटित भूखण्ड संख्याः 85, 86, जैन सिटी, सरना चौड़, जयपुर की मूल रसीदें, अलॉटमेंट लैटर एवं साईट प्लान कहीं गुम हो गये हैं। कृप्या मिलने पर सूचित करें, हेमराज वैष्णव पुत्र भंवरलाल वैष्णव, 9079382272

मेरा प्लॉट नबर A-408 योजना रोहिणी नगर सेकंड ओरिजिनल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कही गिर गए हैं मिलने पर संपर्क करें रिपु दमन सिंह बेदी 8005683802

कार्यालय नगर परिषद लालसोट (दौसा)
Email ID:-lalsot.jaipur@yahoo.com, Ph-01431-260714
क्रमांकः न.प.ला./2025/2889 दिनांकः4-9-25
सार्वजनिक सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी सतपाल मीना निवासी जयपुर एवं श्री मूलचन्द मीना कल्याण संस्थान जरीये सचिव सतपाल पुत्र बृजमोहन मीना निवासी महारिया तहसील लालसोट के द्वारा ग्राम लालसोट खसरा नम्बर 1642, 1643, 1644, 1646 में 5 बीघा 16 बिस्वा भूमि की आवासीय से संस्थानिक भू उपयोग परिवर्तन हेतु आवेदन किया है। उक्त भूमि को पहुंच मार्ग राजस्व रास्ते खसरा नम्बर 174. 184 से पहुंच मार्ग प्राप्त हो रहा है परन्तु प्रस्तावित योजना तक वांछित छ्रोज रोड उपलब्ध नहीं होने से मास्टर प्लान 2031 की विद्यमान एवं प्रस्तावित 30 मीटर सड़क से खसरा नम्बर 174, 184 राजस्व ग्राम राजोली की अन्तिम सीमा तक उक्त मार्ग को 60 फीट दिया जाना है। अतः राज्य सरकार की जारी अधिसूचना दिनांक 10.08.2020 के प्रोविजन 5.01 [E] (b)/(111) (b) सड़कों के प्रस्तवित मार्गधिकार का निर्धारण अनुसार निर्धारित प्रक्रिया (यथा आपत्ति / सुझाव ले-आउट समिति का निर्णय इत्यादि) पूर्ण करते हुये उक्त राजस्व रास्ते से ग्राम राजोली खसरा न. 415/293, 416/293, 417/293, 418/293, 419/293, 298/176. 171, 172, 397/299, 398/299, 399/299, 400/299, 392/299, 302/180, 304/183, 175, 430/182, 431/182, 423/305 का मार्गाधिकार निर्धारित (न्यूनतम 60 फीट) किया जाना है। अतः उक्त प्रस्तावित खसरा नं. 415/293, 416/293, 417/293, 418/293, 419/293, 298/176, 171, 172, 397/299, 398/299, 399/299, 400/299, 392/299, 302/180, 304/183, 175, 430/182, 431/182, 423/305 संस्थानिक प्रयोजनार्थ छ्रोच सड़क मार्गाधिकार 60 फीट चौड़ा किया जाने हेतु किसी भी संस्था/व्यक्ति को ऐतराज/आपत्ति हो तो अन्दर मयाद 10 दिवस में मय साक्ष्य / सबूत के अपने दस्तावेज जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष नगर परिषद कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि में आपत्ति/ ऐतराज प्राप्त नहीं होने पर नगर परिषद द्वारा कार्यवाही सम्पादित की जावेगी। सूचित रहें।
(नवरतन शर्मा) प्राधिकृत अधिकारी नगर परिषद लालसोट

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 31/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री गिरीश शर्मा पुत्र श्री राजेन्द कुमार शर्मा निवासी बीच का मौहल्ला कोठी दशहरा अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यारा अधिनियम 1959 की धारा 23. के अन्तर्गत प्रन्यास मंदिर श्री गिरधर गोपाल जी बीच का मौहल्ला अलवर (पंजीयन संख्या 414/75) में नवीन विधान तैयार कर दर्ज अभिलेख किये जाने व प्रन्यास का नाम मंदिर श्री गिरधर गोपाल जी उर्फ गोपाल जी ट्रस्ट रखने बाबत हुवे परिवर्तन को दर्ज अभिलेख हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 3/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीनं जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 9/10/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4, जाब्ता दीवानी)
आज अदालत अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम- 9, जयपुर महानगर द्वितीय
ठा. श्री विजय गोविन्द
बनाम
दलजीत सिंह वगैरह
दावा बाबत् .....
मुकदमा नं. 24/25 सन् ....
बनाम .....
मुसम्मी अमर सिंह वल्द स्व. श्री दुर्गा सिंह कौम राजपूत
साकिन- भवानी क्लॉथ स्टोर, श्याम डूंगरी, कुण्डा, आमेर, जयपुर मो. 9829557405
चूंकि .... ने इस अदालत में तारीख .... माह....... सन् 20...... को 1. .... बनाम 2. .... दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि .... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी .... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. .... बनाये जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1. .... आपको तारीख 08.09.2025 को प्रातः 10:30 बजे अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और आप तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 29.08.2025 को जारी किया गया।
मोहर न्यायालय
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-9, जयपुर महानगर द्वितीय

संक्षिप्त

फार्मा मिलन का आयोजन

भरतपुर (निस)। राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ (एकी) शाखा भरतपुर द्वारा फार्मा मिलन 2025 का आयोजन शहर के निजी होटल में किया गया। जिसमें हाल ही में नवचयनित फार्मासिस्टों का स्वागत एवं पदोन्नत फार्मासिस्ट ठोड-प्रथम का सम्मान समारोह किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव कपूर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. मनीष चौधरी एवं डॉ. अमर सिंह ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष तिलक चंद शर्मा, खैरथल तिजारा जिलाध्यक्ष संतोष एवं डीग के जिलाध्यक्ष इन्द्रप्रकाश शर्मा ने कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में 57 नवचयनित फार्मासिस्टों का माला एवं स्मृति चिंह देकर स्वागत किया गया, 9 फार्मासिस्टों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही में 12 फार्मासिस्ट ठोड प्रथम को प्रमोशन मिलने पर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. गौरव कपूर ने बताया कि फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवाओं में अहम भूमिका होती है इनकी ही मेहनत से मरीजों को मिलने वाली दवाईयों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित होती है। फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष तिलक चंद शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन फार्मासिस्टों के बीच संवाद बढाते हैं। कार्यक्रम में जिले भर से आये फार्मासिस्टों ने संगठन की मजबूती और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष बनवारी शर्मा ने बताया कि फार्मासिस्ट संवर्ग गत कई वर्षों से वेतन भत्तों से वंचित रहा है जिसके लिये राज्य सरकार को समय समय पर ज्ञापन देकर ध्यानाकर्षण किया गया लेकिन आज दिनांक तक सरकार ने किसी भी मांगों पर ध्यान नहीं दिया है जिसके लिये आगे की रणनीति के लिए चर्चा की गई।

रक्तदान शिविर आयोजित

दौसा। श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय में रविवार को प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के 48 वें जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजित किया गया। जिसमें तीन दर्जन से युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर प्रभारी एवं कांठोस के युवा नेता महेंद्र गांगड़िया बताया कि सचिन पायलट युवाओं के किसानों के मसीहा है जन-जन के नेता है। हर वर्ष जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर, मरीजों को फल वितरित एवं गौशाला में हरा चारा, गुड वितरण सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। उन्होने बताया कि आज शिविर में तीन दर्जन से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर में दुर्गा शंकर उदावाला, जितेंद्र बैरवा, तोसिफ खान, पंकज सोनड, रवि, रामावतार काबलेश्वर सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

पायलट जन्म दिन मनाया

भरतपुर (निस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी) सचिन पायलट के 48 वें जन्म दिन को टीम सचिन पायलट के द्वारा आनंद धाम वृद्धाश्रम में निवास कर रहे वृद्धजनों के साथ मनाया । टीम सचिन पायलट के साथी हेमेंद्र उपमन (चीकू) के साथ कांग्रेस नेता सुबोध चंसोरिया एडवोकेट, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, जय अनंत सिंह द्वारा केक काटकर एवं आवास परिसर में निवास कर रहे वृद्धजनों को भोजन प्रसाद गृहण करवा कर सादगी के साथ मनाया।

सचिन पायलट के जन्मदिन पर 73 यूनिट रक्त एकत्रित

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष ओ पी बायला के नेतृत्व में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजन किया गया।

■ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कर सचिन पायलट की लंबी स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना की।

पावटा। एआईसीसी महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट व राजस्थान एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड के जन्मदिन पर सामाजिक कार्यकर्ता व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष ओ पी बायला के नेतृत्व में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजन किया गया। शिविर संयोजक ओपी बायला ने बताया की शिविर मे कोटपूतली से राजकीय ब्लड बैंक एवं जीवनदाता ब्लड बैंक की टीमो ने 73 यूनिट ब्लड संठाहण किया। समाजसेवी सुरेंद्र मीणा ने बताया की कार्यक्रम मे ग्रामीण इलाके में युवाओं ने बढ़चढ़ कर रक्तदान किया। युवा नेता ओपी बायला ने कहा की रक्त किसी फैक्ट्री में तैयार नहीं होता है यह मानव शरीर से ही बनता है और मानव के ही काम आता है। इसलिए युवाओं आगे आकर रक्तदान करना चहिये। जीवन में दान हजारों प्रकार के होते है लेकिन एआईसीसी महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट व राजस्थान एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड के जन्मदिन पर जो रक्त का दान किया गया है वह इस दुनिया का सबसे बड़ा दान है। उसके लिये वे क्षेत्र की जनता के सदैव कृतज्ञ रहेगें और सदैव जनता के हित के लिये तत्पर रहेंगे। वही इस दौरान सरपंच संघ जिलाध्यक्ष मेहर सिंह धनकड के नेतृत्व में उपजिला अस्पताल पावटा में मरीजों को फलों का वितरण व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कर सचिन पायलट की लंबी स्वस्थ दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान कार्यक्रम मे वरिष्ठ नेता रामनिवास यादव, पूर्व प्रधान महादेव यादव, बलबीर सिंह, तेजपाल सिंह, रवि सैन, करतार सिंह शेखावत, वेद शर्मा व बडी संख्या मे कांठोस जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव 26 को

भरतपुर (निस)। महाराजा श्री अग्रसेन सेवा संस्थान शहर इकाई की कार्यकारिणी की बैठक किला स्थित कार्यालय प्रहलाद प्रसाद गुप्ता के निवास पर संरक्षक देवेंद्र नाथ गुप्ता एडवोकेट एवं प्रहलाद प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में की गई बैठक में अग्रवाल समाज के विकास के विभिन्न मुद्दों एवं अग्रसेन जयंती महोत्सव मनाए जाने को लेकर चर्चा की गई साथ ही संरक्षक एडवोकेट देवेंद्र गुप्ता जी के पुत्र विपिन गुप्ता का राजस्थान हाई कोर्ट में न्यायाधीश बनने पर सम्मान किया गया शहर इकाई अध्यक्ष प्रहलाद प्रसाद गुप्ता एवं महामंत्री उमेश सिंघल एवं कोषाध्यक्ष राकेश मित्तल ने बताया कि अठासेन जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक में संस्था संरक्षक देवेंद्र गुप्ता एडवोकेट, अध्यक्ष प्रहलाद प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष राकेश मित्तल, महिला इकाई अध्यक्ष पारुल अठावाल, महासचिव सपना डीगिया एवं सुषमा गुप्ता मौजूद रहे।

पांच जोड़ों का पंजीयन किया

सांभरझील। कस्बे के निकटवर्ती धार्मिक स्थल भन्दे बालाजी स्थित श्री ब्रह्म प्रजापति समाज धर्मशाला परिसर में रविवार को प्रातः 11 बजे प्रजापति समाज धर्मशाला विकास एवं विवाह समिति की बैठक समिति अध्यक्ष हुक्माराम दम्बीवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान धर्मशाला के विकास कार्यों पर विस्तार से विचार विमर्श किये गये। इसके बाद समिति के पदाधिकारियों द्वारा आगामी बसन्त पंचमी पर आयोजित होने वाले समाज के 11 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया गया। सम्मेलन में 51 जोड़ों का लक्ष्य तय किया गया और रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया गया है। इसके चलते प्रथम दिन ही पांच जोड़ों का पंजीकरण किया गया। साथ ही सम्मेलन की तैयारियों के लिए अलग-अलग समितियों का गठन कर जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी क्रम आगे बताया कि वहीं बैठक में कोषाध्यक्ष बाबूलाल प्रजापति ने धर्मशाला के विकास कार्यों के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर समिति के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया लाल मारवाल आसलपुर, राजेन्द्र प्रजापति, नन्दाराम प्रजापति, बोदूराम, सुभाष प्रजापति, अजय प्रजापति, शंकर लाल प्रजापति, रामवतार दम्बीवाल, दीपक प्रजापति सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

शहर और गांव चलो अभियान में होने वाले कार्यों को प्राथमिकता से करवाएं : प्रभारी मंत्री

■ राज्य सरकार प्रदेशवासियों के साथ हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है

कोटपूतली। राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों के साथ हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। राज्य सरकार द्वारा अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य व्यापक स्तर पर किये जा रहे हैं। सिंह रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्र के राहत कार्य एवं लम्बित विकास कार्यो, फसल बीमा, सफाई कार्य कार्य के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष वर्षा अधिक होने से कई स्थानों पर अतिवृष्टि की स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने जिले में अतिवृष्टि से हुए मकानों,फसलों और पशुधन के नुकसान की समीक्षा कर अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में जाकर राहत-बचाव कार्यों को तत्परता और सक्रियता से गति प्रदान करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार तात्कालिक राहत के साथ-साथ बारिश और अतिवृष्टि से होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की परेशानियों को प्रभावी रूप से दूर कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित स्थानों पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर आपदा के तहत सहायता के प्रस्ताव तैयार करने, फसलों की समय पर गिरदावरी कराने, पेयजल, आवश्यक दवाओं, साफ-सफाई व्यवस्था की सतत निगरानी के भी निर्देश दिए। जिला प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावितों तक राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में प्रभारी मंत्री सिंह ने जिले में आपदा सहित विभिन्न मद से स्कूलों की मरम्मत के प्रस्ताव, जिले में क्षतिग्रस्त सड़कों के प्रस्ताव लेकर गुणवत्ता पूर्ण कार्य करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिले में शहर चलों अभियान, गाँव चलों अभियान, सहकार सदस्यता अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार शहर और गांव चलो अभियान के साथ-साथ सहकारिता सदस्यता अभियान के दौरान होने वाले कार्यों को प्राथमिकता से चिन्हित करवाते हुए पूर्ण करवाया जाए। अभियान के दौरान होने वाले कार्यों के बारे में भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आम जनता को अभियान की समुचित जानकारी मिल सके। संबंधित विभागीय अधिकारी पूर्व में आवश्यक तैयारी कर लेवें ताकि अभियान के दौरान अधिकाधिक आमजन को लाभान्वित किया जा सके। साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों में डेंगू, मलेरिया, हैजा जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु विशेष कार्य योजना बनाकर एंटी लार्वा गतिविधियां और फॉगिंग गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए।

43 मरीजों ने नि:शुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का लाभ उठाया

■ शिविर में आए मरीजों को फिजियोथेरेपी से संबंधित जानकारी दी गई

दौसा । श्री कृष्ण हॉस्पिटल दौसा में आज नि:शुल्क फिजियोथेरेपी परामर्श एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य लोगों को फिजियोथेरेपी के महत्व से अवगत कराना और दर्द से पीड़ित मरीजों को अभ्यास द्वारा राहत पहुँचाना। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, ग्लोबल एण्ड जनरल हॉस्पिटल, जयपुर, डॉ. अरविंद शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके बाद शिविर में आए मरीजों को फिजियोथेरेपी से संबंधित जानकारी दी गई और उनको परामर्श किया एवं उपचार किया गया। शिविर का संचालन अनुभवी फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. रितिका जैन और डॉ. मनोज चौधरी ने किया। दोनों विशेषज्ञों ने मरीजों को विभिन्न समस्याओं जैसे घुटनों का दर्द, पीठ दर्द, गठिया, लकवा, खेल संबंधी चोटे, हड्डी टूटने के बाद जकड़न तथा अन्य मांसपेशीय व हड्डी से जुड़ी बीमारियों के बारे में जांचकर उपचार प्रदान किया। शिविर में 43 मरीजों ने भाग लिया और जिन्हे आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीकों से लाभान्वित किया। मरीजों ने बताया कि ऐसे शिविर छोटे शहरी क्षेत्रों के लिए बेहद उपयोगी हैं, जहाँ उन्नत आधुनिक फिजियोथेरेपी सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती। इस अवसर पर डॉ. रितिका जैन ने कहा कि फिजियोथेरेपी न केवल दर्द से राहत दिलाती है बल्कि जीवनशैली में सुधार कर लंबे समय तक शरीर को स्वास्थ्य बनाए रखने में मददगार है। वहीं डॉ. मनोज चौधरी ने बताया कि समय पर फिजियोथेरेपी से कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है और यह मरीजों की जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाती है। फिजियोथेरेपी आज के समय में सेहत सुधारने का एक सुरक्षित और असरदार तरीका माना जाता है। यह इलाज बिना दवाइयों और बिना सर्जरी के कई तरह की बीमारियों और तकलीफों को ठीक करने में मदद करता है। अगर किसी मरीज की हड्डी टूटने के बाद जकड़न या कमजोरी रह जाती है तो फिजियोथेरेपी की मदद से वह आसानी से ठीक हो सकता है। जल्दी स्वस्थ होने में भी यह बहुत कारगर है। पैरालिसिस यानी लकवा के मरीजों के लिए फिजियोथेरेपी बहुत फायदेमंद होती है, क्योंकि यह शरीर की बंद हो चुकी नसों और मांसपेशियों को फिर से सक्रिय करने का सार्थक काम करती है। खेल-कूद में लगी चोटों का इलाज करने में भी इसका बहुत महत्व है। गठिया और उम्र बढ़ने से होने वाले दर्द में भी यह राहत देती है। बुजुर्गों को गिरने से बचाने, संतुलन बनाए रखने और उनकी गतिशीलता (चलने-फिरने की क्षमता) बढ़ाने में फिजियोथेरेपी बड़ी सहायक है। आज की भागदौड भरी जिंदगी में गलत तरीके से लम्बे समय बैठना, लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल चलाना और गलत जीवनशैली अपनाने भी शरीर में दर्द और समस्याओं का कारण बनते हैं। फिजियोथेरेपी इन समस्याओं का सरल और प्राकृतिक समाधान है। यह न केवल दर्द कम करती है बल्कि शरीर को मजबूत बनाकर जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर करती है। फिजियोथेरेपी हर उम्र के लोगों के लिए उपयोगी है और यह उन्हे स्वस्थ, सक्रिय और स्वतंत्र जीवन जीने में मदद करती है।

विरोध जुलूस निकाला

भरतपुर । भरतपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स सोसायटी द्वारा तोप सर्किल से स्टेशन रोड पर प्रस्तावित ऐलीवेटेड ओवरब्रिज के विरोध में जुलूस निकाला, जिसमें सोसायटी के लगभग 125-140 सदस्यों ने हाथों में तख्ती पर "हम सब एक हैं, फ्लाई ओवर के खिलाफ हैं" तथा काले झण्डे दिखाकर विरोध प्रकट किया। सोसायटी भवन पर सभी पुनः एकत्रित होकर अगली विरोध रणनीति पर चर्चा की एवं रोष प्रकट किया कि हमारा शांतिपूर्वक आन्दोलन गत 8 दिनों से चल रहा है लेकिन शासन प्रशासन के अधिकारीगणों के कानों पर जूं भी नहीं रेंग रही है कि वह हमें सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करे कि सडक व ऐलीवेटेड ब्रिज की चौडाई क्या है ? सभी ने पूरे जोर की आवाज में कहा कि सरकार के प्रतिनिधि, संबंधित ऐजेन्सी व संबंधित पीडब्लूडी विभाग द्वारा कोई भी सूचना नहीं देने से जो असमंजस की स्थिति बनी हुई है वह शीघ्र ही इसका निराकरण नहीं किया गया तो इस आन्दोलन को तीव्र गति से चलाया जावेगा जिससे प्रशासन व शासन को सूचना देने को बाध्य किया जाये व भारी शंका समाधान जनहित में किया जावे एवं यह भी निर्णय लिया गया कि दिनांक 8.9.25 को मुख्यमंत्री जन सुनवाई केन्द्र पर मुख्यमंत्री जी के नाम इस संदर्भ में ज्ञापन दिया जावे ।

सार-समाचार

छात्रावास भवन का शिलान्यास

कोटपूतली । राज्यमंत्री राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग राजस्थान सरकार एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने रविवार को श्रीमति पानादेवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटपूतली में छात्रावास भवन का शिलान्यास किया। इस दौरान कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल, एडीएम ओमप्रकाश सहारण व एसडीएम बृजेश चौधरी भी मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री ने विधिवत भूमि पूजन एवं पूजा अर्चना कर बजट घोषणा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा उच्च शिक्षा में अध्ययनरत बालिकाओं के लिए घोषित छात्रावास भवन का शिलान्यास किया। सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा उच्च शिक्षा विशेषकर बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। विधायक की अनुशंसा पर निर्मित 50 बैड का यह छात्रावास क्षेत्र के लिए एक सौगात है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर रही है और समाज के वंचित व अभावग्रस्त तबकों के कल्याण हेतु बजट की कोई कमी नहीं रखी जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के कई प्रयास किए जा रहे है, महिलाऐं शिक्षित व आत्मनिर्भर होगी तो मजबूज राष्ट्र का निर्माण होगा। विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र की आवश्कताओं के मद्देनजर व बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री से छात्रावास के निर्माण हेतु अनुशंषा की थी। उन्होंने क्षेत्र की मांग को बजट में घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इससे जिले के पिछडे व वंचित वर्गों की बालिकाओं को निरूशुल्क सुविधायुक्त छात्रावास का लाभ मिलेगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. आर. पी. गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र की अनेकों बालिकाएँ जो उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत है, वे रहन-सहन की उचित व्यवस्था न होने व अभावो के कारण स्कूली शिक्षा के पश्चात ड्रॉपआउट हो जाती है जिससे उच्च शिक्षा में राजस्थान की प्रगति दर प्रभावित होती है। कन्या महाविद्यालय परिसर में स्थित यह छात्रावास उन्हे अध्ययन के साथ-साथ एक उचित परिवेश देगा। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी विपिन, कार्यकारी एजेन्सी कृषि विपणन बोर्ड के अभियन्ता अखिलेश मिश्रा, सहायक अभियन्ता महेश मीणा, कनिष्ट अभियन्ता राकेश कुमार तथा जनप्रतिनिधि जयराम सरपंच सहित आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर विमल कुमार यादव ने किया।

विष्णु सैनी सदस्य बने

भरतपुर (निस)। भरतपुर में मथुरा, सेवर बाईपास स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास पर विश्व हिंदू परिषद के जिलाअध्यक्ष विष्णु सैनी का भव्य स्वागत किया गया। हाल ही में उन्हें भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में राजभाषा सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह सम्मान समारोह गिरिराज प्रसाद सैनी (जनूथर वाले) की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज बंधुओं ने विष्णु सैनी का चांदी का मुकुट, फूल मालाएँ एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें पदम सैनी, रामरूप सैनी, रामदयाल कुशवाहा, चतर सिंह सैनी, मानसिंह सैनी, विजय सिंह सैनी, गजेंद्र सैनी, दुलीचंद सैनी, भगवान सिंह सैनी, श्यामलाल सैनी, लोकेश सैनी, यादराम सैनी, योगेश, दौलत सैनी, खुशीराम, डिंपल, धर्म सिंह सैनी, सुरेश पार्षद, झम्मन सैनी, बुलाकी सैनी, मुकेश सैनी, संजीव सैनी, लालराम सैनी, ओम प्रकाश सैनी, लीलाधर पहलवान, भरत पटेल, कैलाश चंद सैनी, सुनील सैनी, प्रीतम सैनी, मोहनलाल सैनी, भागचंद सैनी एवं मानसिंह सैनी एवं जसवंत सिंह कनिष्ठ अभियंता बिजली विभाग पवन तिवारी कनिष्ठ अभियंता नगर निगम एवं राजकीय ठेकेदार राजीव चौधरी सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि सैनी, माली, कुशवाहा, शाक्य एवं मौर्य समाज के लिए गौरव का विषय है।

सिंघल कोषाध्यक्ष निर्वाचित

भरतपुर (निस)। महाराजा श्री अग्रसेन सेवा संस्थान राजेन्द्र नगर जवाहर नगर भरतपुर के दो वार्षिक 15 सदस्यीय कार्यकारणी के चुनाव, चुनाव अधिकारी एडवोकेट सी एम गुप्ता की देखरेख में निर्विरोध संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी ने बताया कि 15 सदस्यीय कार्यकारणी के लिए 15 आवेदन प्राप्त हुए उसके उपरांत 15 कार्यकारणी सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए। निर्वाचित सदस्यो में से राम कुमार गुप्ता को अध्यक्ष, कपिल गुप्ता को महामंत्री, पंकज सिंघल को कोषाध्यक्ष, अंजुम सिंघल को उपाध्यक्ष, बं मुनेश गुप्ता को सहसचिव निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव कार्यक्रम में राकेश गुप्ता, के के गर्ग, रमेश सिंघल, सुरेश बंसल, जो सी गोयल, प्रशोतम गुप्ता, रवि गुप्ता, के बी बंसल, के बी गोयल, सुबोध आर्य, प्रमेंद्र गुप्ता, के अलावा संस्थान के सैकडों सदस्य उपस्थित रहे। अंत में चुनाव अधिकारी ने निर्वाचित सभी सदस्यों को पद की शपथ दिलाई। चुनाव प्रक्रिया में एडवोकेट रामवीर डागुर, युवराज मित्तल ने सहयोग प्रदान किया।

स्थापना दिवस मनाया

भरतपुर (निस)। श्री भट्ट ब्राह्मण समाज का प्रथम स्थापना दिवस एवं सामाजिक सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में डॉ. गर्ग का भट्ट ब्राह्मण समाज की ओर से साफा, माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान डॉ. गर्ग ने सामाजिक कार्यों में निष्ठा के साथ भाग लेने का आव्हान करते हुये कहा कि समाज सर्वोपरि है। समाज के लिये समर्पण भाव के साथ कार्य करना चाहिये। कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश सहित प्रान्तों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

पंजा दंगल विजेता टीम दौसा को ट्रॉफी

दौसा । दौसा जिला आर्म रैसलिंग एसोसिएशन एवं पं. पंकज शर्मा आर्म रैसलिंग ट्रेंनिंग अकेडमी दौसा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय राजकीय पीजी कॉलेज दौसा के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में दौसा पंजा दंगल का आयोजन किया गया। दौसा पंजा दंगल का शुभारंभ भाजपा के संभागीय मीडिया प्रभारी मुकेश भारद्वाज, प्रोफेसर अमेरिका सिंह राठौड़, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार शर्मा ने किया। खेल मीडिया प्रभारी जयसिंह मीणा ने बताया कि दंगल में मास्टर महुआ, शेर सिकराय, गब्बर गुढा कटला, मिलिट्री मानपुर, बुल्स सैथल, बादशाह लवाण, दौसा दबंग, गोठडा, मेहंदीपुर बालाजी, लालसोट लियोन, फर्स्ट जंक्शन बांदीकुई, सिटी टाइगर दौसा सहित प्रदेश की 15 टीमों ने हिस्सा लिया। अंतर्राष्ट्रीय एथलीट खिलाड़ी, भारतीय आर्म रेसलर पं. पंकज शर्मा ने बताया कि यह दौसा दंगल का पहला सेशन है, और दौसा जिले को राजस्थान के टॉप पर पहुंचाना है। खेल मीडिया प्रभारी जयसिंह मीणा ने बताया कि पंडित पंकज शर्मा के अथक प्रयास और मेहनत से दौसा जिले में यह खेल प्रत्येक गांव ढाणी और कस्बे से खिलाड़ी तैयार कर दिये है, अभी तक इस खेल के लिए शर्मा के प्रयास ने 5 हजार खिलाड़ी तैयार कर दिए, जिसमें से अनेको खिलाड़ी नेशनल लेवल तक खेल खेल चुके हैं और खेल में अपना परचम लहरा रहे हैं। पंडित शर्मा के अथक प्रयास से आर्म रेसलिंग गेम्स अभी यूनिवर्सिटी गेम्स में भी शामिल हो चुका है। इस खेल से विनर होने के बाद राजस्थान सरकार में सपोर्ट कोटे से राजस्थान पुलिस कई विभागों में नियुक्ति दी जा रही है, आने वाले समय में यह खेल बुलंदियों पर पहुंचेगा।

पूर्व जिला दौसा खेल अधिकारी गजेंद्र सिंह राठौड व कुलपति ने अनुराधा गोस्वामी, दिव्यांग पुनर्वास विशेषज्ञ व पंडित पंकज शर्मा को गुरु रतन 2025 पुरस्कार देखकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय खिलाड़ी कुमकुम मीणा, शिवम शर्मा, नीरज शर्मा, अक्षयशर्मा, हरकेश मीणा, अभिषेक पोसवाल, मनीष शर्मा, अनिल गुर्जर, सूरज मीणा को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।

विजेता टीम को किया सम्मानित: दंगल 2025 का समापन राजकीय पंडित नवल किशोर पीजी कॉलेज के इंदौर ऑल स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में हुआ। जिसमें 15 जिले की 15 जिलों की टीमों में भाग लिया। टीम रनर ऑफ टीम जिले की टीम रही और टीम फाइनल विजेता टीम दौसा रही। विजेता टीम को 5:30 फीट की हाइट ट्रॉफी एवं 21 हजार पुरस्कार राशि से तथा सभी प्लेयर्स को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। पूर्व शिक्षा अधिकारी सुशील शर्मा ने चैंपियन ऑफ चैंपियन टीम्स दौसा दबंग के सभी खिलाडियों को मेडल सेरिमनी से सम्मान किया गया। राष्ट्रीय पंजा अकादमी के महासचिव पंकज शर्मा ने आयोजन पर शुभकामनाये दी।

कलक्टर ने चिकित्सा व्यवस्थाओं व प्रगतिरत इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों का जायजा लिया

■ प्रगतिरत निर्माण कार्यों, रिनोवेशन व अपठोडेशन कार्यों को गति प्रदान कर गुणवत्ता युक्त तरीके से ठोप की पाबंदियों से पहले पूर्ण करें

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय, शिशु व महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय, शिशु व महिला चिकित्सालय एवं जेल सर्किल स्थित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं एवं प्रगतिरत इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सके, इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रगतिरत नवीन निर्माण कार्यों, रिनोवेशन व अपठोडेशन कार्यों को गति प्रदान कर गुणवत्ता युक्त तरीके से निर्धारित टाइमलाइन में पूर्ण करावें। उन्होंने प्रगतिरत कार्यो जिनमें जिला चिकित्सालय में यूआईटी द्वारा किए जा रहे ओपीडी रिनोवेशन कार्य, आरएसआरडीसी द्वारा 100 बेड के वार्ड एवं क्रिटिकल केयर यूनिट निर्माण कार्य, शिशु चिकित्सालय में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा रिनोवेशन कार्य एवं एचएससीसी द्वारा मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेकर निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए ठोप की पाबंदियों से पहले पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए जिला चिकित्सालय, जनाना एवं शिशु चिकित्सालय में भविष्य में किए जाने वाले निर्माण कार्यों के दृष्टिगत मैपिंग एवं सर्वे करावें, ताकि निर्माण कार्य समुचित प्लानिंग के साथ करवाए जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि राजकीय चिकित्सालय में मरीजों की सुविधाओं के मध्यनजर वॉटर हार्वेस्टिंग, एयर कंडीशनिंग कार्यों एवं अप्रोच सडक़ों के मरम्मत कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए जाए। उन्होंने शिशु चिकित्सालय में उन्नयन के लिए बजट घोषणा के तहत 75 लाख रुपए की राशि से किए जाने वाले कार्यों की जानकारी लेकर यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जेल सर्किल स्थित मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान लेक्चर हाल, लैबोरेट्री, गर्ल्स एवं बॉयज हॉस्टल तथा इनडोर स्पोर्ट्स सुविधाओं का जायजा लेकर शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित टाइमलाइन में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने शिशु चिकित्सालय में कुपोषण उपचार केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को दिए जा रहे उपचार का उनके परिजनों से फीडबैक लिया तथा प्रभारी अधिकारी से बच्चों को कुपोषण मुक्त करने के लिए दिए जा रहे उपचार के बारे में जानकारी लेकर बेहतर चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने व साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएमओ को निर्देशित किया कि चिकित्सालयों में मरीज को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसके हेतु उपचार की बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध हो तथा परिसर में पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था का समुचित प्रबंध किए जाए।

अभी मेरे पास आईपीएल 2026 को लेकर काफी समय है कि, वो आईपीएल का नया सीजन खेलेंगे या नहीं इस पर मैं सही समय आने पर फैसला लूंगा।

- महेन्द्र सिंह धोनी

भारतीय बल्लेबाज, आईपीएल 2026 में अपने खेलने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। कोहली ने पिछले एक साल के अंदर ही टी-20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है, ऐसे में वह सिर्फ वनडे फॉर्मेट में भारत के लिए खेलेंगे। वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए विराट कोहली ने कमर कस ली है। वहीं भारतीय खिलाड़ी हाल ही में फिटनेस टेस्ट से गुजरे हैं। बता दें कि, ज्यादातर खिलाड़ियों को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया।

क्या आप जानते हैं ?... 1900 से पहले, क्रिकेट खेल भारत में धीरे-धीरे प्रमुखता हासिल करने लगा था। 1884 में, श्रीलंका की एक टीम ने कोलकाता में एक मैच खेला, जो देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत का प्रतीक था।

भारत और पाकिस्तान के अभ्यास सत्र से एशिया कप के लिए बेताबी बढ़ी

दुबई, 7 सितम्बर। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद, आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे।

क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमें अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रहीं। भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ, जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था।

पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के ख़िलाफ़ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच लिए और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई। आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं। शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था।

शाम की शुरुआत भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी पर कोन्स के साथ ब्रोंको ड्रिल के साथ हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितांशु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर चीयरलीडर बने। यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं।

पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं। शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नज़र रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी।

इस बीच, सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ़ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूरी तक मारा। पुल, फ़्लैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें कभी-कभी अपनी शेप खोने पर मुंह बनाना पड़ा।

कुल मिलाकर, ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे लगे कि कुछ गड़बड़ थी। उनकी टाइमिंग बहुत सटीक थी और गेंद की सटीक जगह पर लगने वाली आवाज के कारण बाउंड्री और उसके पार गश्त कर रहे खिलाड़ी बार-बार दौड़कर गेंद को आईसीसी अकादमी ओवल्स के बाहरी क्षेत्र में पहुंचा रहे थे, कुछ तो पाकिस्तान के प्रशिक्षण क्षेत्र में भी पहुंच रहे थे।

सैमसन के मैदान पर उतरने से बहुत पहले, अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और तिलक वर्मा मैदान पर उतरे, उसके बाद सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह और जितेश। अगले 90 मिनट तक, उन्हें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों का सामना करना पड़ा। इसके बाद स्थानीय नेट गेंदबाज़ों की एक टोली आई, जिसमें तीन कलाई के स्पिनर और दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शामिल थे और सभी को पूरी ताकत से गेंदबाजी करने का निर्देश दिया गया। भारत के दो थ्रोडाउन विशेषज्ञ समय-समय पर गेंदबाजी में शामिल होते रहे और जब भी सत्र में गति की जरूरत पड़ी, गति बढ़ा दी गई। भारत ने रात 9 बजे के आसपास चार घंटे का प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। रविवार को विश्राम का दिन है, क्योंकि भारतीय टीम को 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के ख़िलाफ एशिया कप के अपने पहले मैच से पहले दो और सत्र खेलने हैं।

एशिया कप 2025 : भारत-पाक दोनों देशों के बीच होगा मैच : सैकिया

नई दिल्ली, 7 सितंबर। दो दिन में एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा। इसी कड़ी में भारत को पाकिस्तान के साथ 14 सितंबर को मैच खेलना है। इस मैच को लेकर भारत में कई लोग नाराज हैं और इस मैच को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। वहीं अब इस मैच को लेकर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का जवाब आया है। सैकिया ने साफ कर दिया है कि, सरकार ने मल्टीनेशंस इवेंट में हमें उन देशों के साथ खेलने से नहीं रोका है जिनके साथ भारत के संबंध मैत्रीपूर्ण नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव का ये बयान तब आया है जब भारत के पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने पर सवाल उठ रहे हैं।

बता दें कि, पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध अब तक के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। वैश्विक आयोजनों में पाकिस्तान का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में आमने-सामने होंगे। केंद्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में साफ कर दिया था कि भारतीय खिलाड़ी बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ खेल सकते हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय खेल संबंध स्थापिक नहीं होंगे।

बीसीसीआई सचिव ने कहा कि, बोर्ड सरकार के द्वारा निर्धारित किए गए दिशानिर्देशों का पालन करेगा और एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलेगा। इस बयान को इस विवाद पर बोर्ड के अंतिम फैसले के रूप में देखा जा रहा है जिससे फैंस में एक खट्टा-मीठा एहसास है। देवजीत सैकिया ने कहा कि जहां तक बीसीसीआई का सवाल है हमें केंद्र सरकार जो भी आदेश दिया जाता है हमें उनका पालन करना होता है।

उन्होंने आगे कहा कि, हाल ही में हमारी जो नीति बनी है उसके मुताबिक भारत किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकता है। केंद्र सरकार ने इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है कि हम किसी ऐसे देश के साथ खेलें जिसके साथ भारत के अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे। चूंकि आईसीसी कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें इसमें खेलना होगा।

श्रेयस अय्यर नहीं बनेंगे टीम इंडिया के वनडे कप्तान

नई दिल्ली, 7 सितंबर। पिछले कई दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे कप्तान को लेकर कई चर्चाएं चल रही हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि, बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को नया वनडे कप्तान बना सकती है। लेकिन अब इसमें एक नया मोड़ आया है, दरअसल, ताजा रिपोर्ट के मुताबिक एक और खिलाड़ी है जो रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी हासिल कर सकता है।

रोहित शर्मा मौजूदा समय में वनडे कप्तान है। जबकि टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव और टेस्ट की कमान शुभमन गिल के कंधों पर है। ऐसे में ताजा रिपोर्ट में दावा गिया गया है कि शुभमन गिल भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में पहले दावा किया गया था कि श्रेयस अय्यर भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कंफर्म किया था कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। ये लगभग तय है कि समय आने पर शुभमन गिल ही रोहित शर्मा की जगह वनडे में कप्तान होंगे। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि वनडे कप्तान के लिए कोई और दावेदार नहीं बल्कि शुभमन गिल ही सभी फॉर्मेट की कप्तानी संभालेंगे।

बता दें कि, शुभमन गिल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के उपकप्तान थे। वहीं वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान भी हैं। हाल ही में उन्हें टेस्ट की कमान भी सौंपी गई। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद गिल को भारत की टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया और पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर की।

साउथ और सेंट्रल जोन के बीच होगी दलीप ट्रॉफी में खिताबी भिड़ंत

बेंगलुरु, 7 सितम्बर। साउथ जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी के फाइनल में खिताबी भिड़ंत होगी। गुरजपनीत सिंह (चार विकेट) और एम डी निधीष (तीन विकेट) के बाद नारायण जगदीशन (नाबाद 52) के शानदार प्रदर्शन के दम पर साउथ जोन ने 270 रनों की बड़ी बढ़त के साथ रविवार को ड्रॉ हुए पहले सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन के खिलाफ रविवार को दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली। वहीं छह बल्लेबाजों शुभम शर्मा (96), दानिश मालेवर (76), कप्तान रजत पाटीदार (77), उपेंद्र यादव (87), हर्ष दुबे (75) और सारांश जैन (63) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से बनाये गये 600 रनों के विशाल स्कोर साथ फाइनल में जगह बना ली। आज यहां सेमीफाइनल के चौथे दिन नॉर्थ जोन ने कल के पांच विकेट पर 278 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में वासुकी कौशिक ने शतकवीर शुभम खजुरिया (128) को बोल्ड कर नॉर्थ जोन को छठा झटका दिया। इसके बाद एम डी निधीष ने साहिल लूथरा (19) और मयंक डागर (31) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। युद्धवीर सिंह चरक (सात) को तनय त्यागराजन ने अपना शिकार बनाया। गुरजपनीत सिंह ने आकिब नबी (10) को आउटकर 100.1 ओवर में 361 के स्कोर पर नॉर्थ जोन की पारी का अंत कर दिया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 34 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल (13) का विकेट गंवा दिया।इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने नारायण जगदीशन के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 61 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 7 सितंबर। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने फ्रांस को 235-233 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह पहला मौका है जब भारत ने पुरुष कम्पाउंड टीम स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत थोड़ी कमजोर रही और वे पहले सेट में 57-59 से पीछे हो गए। हालांकि इसके बाद टीम ने शानदार वापसी की और हर सेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए फ्रांस की चुनौती को 235-233 से खत्म किया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शूट-ऑफ में मात दी, क्वार्टर फाइनल में अमेरिका को 234-233 से हराया और सेमीफाइनल में तुर्की पर 234-232 से जीत दर्ज की। भारत के युवा तीरंदाज ऋषभ यादव ने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। 23 वर्षीय ऋषभ ने क्वालिफिकेशन में 709 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया और मिश्रित टीम स्पर्धा में भी दमदार खेल दिखाया। उन्होंने भारत की शीर्ष कम्पाउंड महिला तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम के साथ जोड़ी बनाकर मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत जीता। दोनों ने जर्मनी, अल सल्वाडोर और चीनी ताइपे को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारतीय जोड़ी ने शुरुआती बढ़त बनाई और पहले सेट के बाद 39-38 से आगे भी रहे, लेकिन आखिरकार मुकाबला 155-157 से हारकर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। ज्योति सुरेखा वेन्नम के लिए यह दूसरा मिश्रित टीम स्पर्धा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2021 यैंकटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में अभिषेक वर्मा के साथ भी मिश्रित टीम में रजत पदक जीता था। हालांकि, महिला टीम स्पर्धा में भारतीय चुनौती जल्दी खत्म हो गई।

अनिसिमोवा को मात देकर सबालेंका ने जीता यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने फ्लशिंग मीडोज के हार्ड कोर्ट पर अपना दबदबा कायम करते हुए अमांडा अनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब जीता। शनिवार रात खेले गये मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने फाइनल मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6(3) से हराकर अपने खिताब को बरकरार रखा। इस जीत के साथ बेलारूसी खिलाड़ी सबालेंका 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद न्यूयॉर्क में लगातार दो एकल खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। 27 वर्षीय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलैंड गैरोस दोनों के फाइनल में हारने के बाद दबाव में चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में मैच में उतरी थीं। लेकिन उन्होंने मौके का फायदा उठाया और अथक शक्ति और संयम का प्रदर्शन करते हुए 2025 की अपनी पहली और अपने करियर की चौथी बड़ी ट्रॉफी जीती। यह जीत ग्रैंड स्लैम स्तर पर उनकी 100वीं मुख्य ड्रॉ मैच जीत और इस सीजन की उनकी 56वीं जीत भी है।

बेसलाइन से सबालेंका के जोरदार प्रहारों का मुकाबला करते हुए, 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने गत चैंपियन को शुरुआत में ही परेशान किया, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर की गई गलतियां उसके लिए महंगी साबित हुईं। शुरुआती सेट में पांच बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन सबालेंका ने 5-3 के स्कोर पर अपनी लय बनाए रखी और सेट को केवल 38 मिनट में ही समाप्त कर दिया, क्योंकि अनिसिमोवा का फोरहैंड बाहर चला गया था।

दूसरे सेट में अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी की और 5-4 के स्कोर पर सबालेंका की सर्विस के दौरान लड़खड़ाने का फायदा उठाया, जिससे उनका नियमित ओवरहेड नेट में चला गया। इससे अनिसिमोवा ने सर्विस ब्रेक की और टाईब्रेकर कराया। हालांकि, सबालेंका ने वह परिपक्वता दिखाई जिसका श्रेय वह अक्सर पिछली निराशाओं से सीखे गए सबक को देती हैं और मैच को अपने तीसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर पहुंचाया। खिताब जीतने के बाद सबालेंका कहा, जब आप सबसे बड़े टूर्नामेंटों में से एक का फाइनल हार जाते हैं और तुरंत मीडिया के पास जाते हैं, तो आप निराश और भावुक हो जाते हैं। उन पलों ने मुझे और भी अधिक मजबूत बनना सिखाया।

विश्व मुक्केबाजी : लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल, 7 सितंबर। भारत के लक्ष्य चाहर ने रविवार को लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में जॉर्डन के हुसैन इयाश को हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम 16 में प्रवेश किया। लक्ष्य ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक तरीके से की, लेकिन जॉर्डन के खिलाड़ी ने दूसरे राउंड में अंतर कम कर लिया। हालाँकि, भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे राउंड में वापसी करते हुए 5-0 से शानदार जीत हासिल की। इससे पहले, पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में पवन बर्तवाल का अभियान उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक से 0-5 से हारकर समाप्त हो गया। भारत ने मुक्केबाजी के लिए हाल ही में गठित अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय, विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाली पहली विश्व चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय दल उतारा है।

48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप के मेडल सेरेमनी का आयोजन

जयपुर, 7 सितम्बर। 48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप राईफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 का आयोजन दिनांक 30.08.2025 से 07.09.2025 तक ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर पर किया गया।

आज 48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप राईफल / पिस्टल 2025, 10 मीटर, 25 मीटर, 50 मीटर एवं शॉटगन इवेन्ट्स की मेडल सेरेमनी का आयोजन ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड उपस्थित रहे। राजस्थान राईफल एसोसिएशन के आयोजनकर्ता यज्ञिमित्र सिंहदेव (अध्यक्ष) गिरधर प्रताप सिंह, (उपाध्यक्ष) और शशाक कोरानी (सचिव) तथा यू.पी. स्टेट राईफल एसोसिएशन अध्यक्ष, श्याम सिंह यादव पूर्व सांसद लोकसभा तथा जी.एस. सिंह, सचिव, यू.पी. स्टेट राईफल एसोसिएशन, लखनऊ तथा अन्य अतिथिगण भूपेन्द्र सिंह यादव, सेवानिवृत्त आईपीएस पूर्व डीजीपी राजस्थान, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान पब्लिक कमीशन, सुरेश्वर सिंह, विधायक उत्तरप्रदेश विधानसभा, बहराईच, महेन्द्र यादव, अध्यक्ष, राजस्थान यादव महासभा, अशोक मित्तल, अध्यक्ष हरियाणा राईफल एसोसिएशन एवं ज्वाईन्ट सैक्रेटरी ऑफ नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली भी उपस्थित रहे।

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा पाक

इस्लामाबाद, 7 सितम्बर। नवंबर में पाकिस्तान टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान की मेजबानी करेगा। 17 नवंबर को शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में सभी टीमें एक दूसरे ख़िलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। पहले दो मुकाबले रावलपिंडी में खेले जाएंगे जबकि अगले पांच मुकाबलों सहित फाइनल का आयोजन 29 नवंबर को लाहौर में होगा। यह इस सीजन में दूसरी बार है जब वास्तविक रूप से एक द्विपक्षीय सीरीज टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हुई है। पहले अगस्त में अफ़ग़ानिस्तान को तीन टी20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन बाद में यह सीरीज पाकिस्तान और यूएई को साथ लेकर टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई, जिसका फाइनल 7 सितंबर को अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच खेला जाना है। इसी तरह श्रीलंका को पाकिस्तान के ख़िलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबलों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन अब टी20 सीरीज त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं खेली जाएगी लेकिन वनडे सीरीज का कार्यक्रम आने वाले समय में जारी किया जा सकता है।

बेथेल और रूट के शतक, इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दिया 415 रनों का लक्ष्य

साउथैंप्टन, 7 सितंबर। जेकब बेथेल (110), जो रूट (100) की शानदार शतकीय तथा जेमी स्मिथ (62) और जॉस बटलर (नाबाद 62) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 415 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। नौवें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने बेन डकेट (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जेमी स्मिथ के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़े। 17वें ओवर में केशव महाराज ने जेमी स्मिथ को आउटकर पवेलियन भेज दिया। जेमी स्मिथ ने 48 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए 62 रन बनाये। इसके बाद जेकब बेथेल ने जो रूट के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 182 रनों की साझेदारी हुई।

अपना शतक पूरा करने के बाद आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे जेकब बेथेल को 41वें ओवर में केशव महाराज ने अपना शिकार बना लिया। बेथेल ने 82 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 110 रनों की पारी खेली। इसके बाद कप्तान हैरी ब्रूक (तीन) रनआउट होकर पवेलियन लौट गये। 47वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने जो रूट को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पांचवीं सफलता दिलाई। जो रूट ने 96 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 100 रन बनाये।

इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 414 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जॉस बटलर ने 32 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 62 रनों की पारी खेली। विल जैक्स आठ गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कॉर्बिन बॉश और केशव महाराज ने दो- दो विकेट लिये।

आखिरी क्षणों की पेनल्टी से भारत को कतर से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा

दोहा, 7 सितंबर। एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2026 के लिए जल्दी क्वालीफाई करने की भारत की उम्मीदों पर कल रात पानी फिर गया जब ब्लू कोल्ट्स को दोहा के अब्दुल्ला बिन खलीफा स्टेडियम में मेजबान कतर के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता

गुजरात के कर्त्तव्य आनंदकांत चैम्पियन

जयपुर, 7 सितम्बर। द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 ने दो दिनों तक रोमांचक रणनीति और कौशल की जंग देखी। अंतिम क्षणों तक चले कड़े मुकाबलों में गुजरात के कर्तव्य आनंदकात ने चैम्पियन ट्रॉफी अपने नाम की। महाराष्ट्र के श्रायन मजूमदार उपविजेता रहे जबकि हरियाणा के एफएम गर्व गौर ने शानदार प्रदर्शन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जयपुर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अशोक परनामी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में आर.के. सिंह, सीईओ लोटस डेयरी तथा नितिन बखरु, एमडी ज्वेल्स रिज़ॉर्ट्स शामिल रहे। साथ ही अशोक भार्गव, सचिव, आशा भार्गव, अध्यक्ष जे.डी.सी.ए. मधु मेहता, कोषाध्यक्ष जे.डी.सी.ए., अमरीश जोशी, सीओओ वेव्स तथा रवि बजाज, रॉयल जयपुर चेस क्लब भी समारोह में उपस्थित रहे। यह जानकारी डॉ. जयेंद्र चतुर्वेदी, प्रतियोगिता के आयोजन सचिव ने दी।

विशेष रेटिंग व श्रेणी पुरस्कारों में - 1401-1650: सिद्धांत चतुर्वेदी (राजस्थान-जयपुर) प्रथम रहे। 1651-1900: प्रखर त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश) विजेता बने। अनरेटेड: दक्ष जैन (जयपुर) ने बाजी मारी।

महिला वर्ग: याशिका चौधरी (राजस्थान) प्रथम स्थान पर रहीं। वेटरनर (60): वाई.पी. श्रीवास्तव (बिहार) विजेता बने।

सर्वश्रेष्ठ राजस्थान खिलाड़ी: रुद्रदमन मेड़तिया (जयपुर)। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग: अमरजीत कुमार (बिहार)। सर्वश्रेष्ठ जयपुर खिलाड़ी: भव्य गुप्ता (जयपुर)। सर्बश्रेष्ठ विद्यालय: सेंट एंसलेम मानसरोवर। इसके साथ ही 100 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें अंडर-16, अंडर-14, अंडर-12, अंडर-10 और अंडर-8 वर्ग के विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया। सचमुच यह शतरंज प्रेमियों का एक उत्सव रहा।

राजस्थान राज्य सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता : फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

अलवर, 7 सितम्बर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में अलवर तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित राजस्थान सीनियर राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता का सफल आयोजन राफेल यूनिवर्सिटी मैदान, नीमराना में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए प्रतिभाशाली तीरंदाजों ने हिस्सा लिया, जिनमें 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल रहे।

आज खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबलों में अलग-अलग वर्गों में चैंपियन रहे -

रिकर्व पुरुष वर्ग - कृष कुमार (बाड़मेर), रिकर्व महिला वर्ग - खुशी कुमावत, कंपाउंड पुरुष वर्ग - रजत चौहान, कंपाउंड महिला वर्ग - प्रिया गुर्जर, इंडियन राउंड पुरुष वर्ग - नवीन कुमार (हनुमानगढ़)।

इंडियन राउंड महिला वर्ग - प्रियंका (सीएसटी फाउंडेशन)। खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि बबीता शर्मा ने कहा इस स्तर के खेल आयोजन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ शहर के विकास के लिए भी शुभ संकेत हैं। विशेष अतिथि शंशाख भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा खेल अनुशासन और लक्ष्य साधना सिखाते हैं, जो जीवन में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

इस अवसर पर राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर, जिला तीरंदाजी संघ अलवर के अध्यक्ष संजीव गर्ग, प्रतियोगिता ऑब्जर्वर अनिल जोशी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टेक्निकल ऑफिशियल्स का सम्मान भी किया गया। निर्णायक मंडल में प्रगति चौधरी, प्रताप बेनीवाल, बंशी वर्मा, मनीष नागा और दीपांशु व्यास शामिल रहे।

मुख्यमंत्री सोमवार को अतिवृष्टि वाले जिलों की समीक्षा बैठक लेंगे

प्रभारी मंत्रियों व सचिवों की रिपोर्ट पर विचार कर राहत की कार्ययोजना तय होगी

जयपुर, 07 सितंबर। प्रदेश में हाल ही में हुई अतिवृष्टि से प्रभावित जिलों में आमजन को हुए नुकसान की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सभी जिला प्रभारी मंत्रियों एवं जिला प्रभारी सचिवों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे।

मुख्यमंत्री इस अहम बैठक में धरातल की स्थिति का सीधा फीडबैक लेंगे। बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित जिलों की स्थिति का आकलन किया जाएगा तथा प्रभावित लोगों को राहत के लिए कार्ययोजना तय होगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर गत तीन दिनों की अवधि में सभी जिला प्रभारी मंत्रियों और सचिवों ने अपने-अपने प्रभार के जिलों का दो दिवसीय दौरा कर अतिवृष्टि से उत्पन्न परिस्थितियों का जायजा लिया है और प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। इस दौरान जिला प्रभारी मंत्रियों ने आमजन से संवाद किया और वहाँ की परिस्थितियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इन दौरों में प्राप्त तथ्य और आकलन की जानकारी समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी मंत्रियों और सचिवों के अपने प्रभार वाले जिलों का दो दिन दौरा कर अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने भेजा था। मंत्रियों व सचिवों की रिपोर्ट बैठक में पेश होगी।

रुस का हमला: यूक्रेन के सरकारी भवन में आग लगी

कीव, 07 सितंबर। रूस के ड्रोन हमलों के कारण यूक्रेन की राजधानी कीव में एक सरकारी इमारत में आग लग गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम पर लिखा कि वायु रक्षा द्वारा एक ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद आग लगी। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने टेलीग्राम पर कहा, "पहली बार, किसी सरकारी इमारत उसकी छत और ऊपरी मंजिलों को नुकसान पहुँचा है।" उन्होंने आगे कहा, "बचाव दल आग बुझा रहे हैं।" राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि हमलों में कम से कम दो लोग मारे गए और 18 अन्य घायल हो गए। कीव के स्वियातोशिन्स्की ज़िले में एक नौ मंजिला अपार्टमेंट इमारत हमलों में आंशिक रूप से नष्ट हो गई।

■ यूक्रेन की राजधानी कीव के मेयर ने कहा कि पहली बार किसी सरकारी इमारत की छत और ऊपरी मंजिलों को नुकसान पहुँचा।

ढाई घंटे की वर्षा से जालोर की कई कॉलोनियां जलमग्न हुईं

जालोर -आहोर व महेशपुरा मार्ग बंद, बांकली बांध, बांडी सिणधरा, वणधर में पानी पूरा भरा

जालोर, 7 सितम्बर (का.सं.)। जिलेभर में शनिवार देर शाम मूसलाधार बारिश होने से सड़कों पर तेज बहाव से पानी बहना शुरु हो गया। जवाई बांध के एक साथ आठ गेट खोलने के बाद रविवार अलसुबह सांकरना पुल के ऊपर जवाई नदी बहती नजर आई।

जालोर में रविवार सुबह तक 202 मिमी (आठ इंच), आहोर में 102 मिमी, भीनमाल मे 50 मिमी, जसवंतपुरा में 56 मिमी, रानीवाडा 95 मिमी, सांचोर 210 मिमी, बागोड़ा में 101 मिमी, सायला में 79 मिमी, चितलवाना में 201 मिमी बारिश दर्ज की गई। जालोर शहर के तिलक द्वार, बड़ी पोल, लालपोल से पानी पूरे वेग के साथ बहता नजर आया। आहोर चौराहा से कॉलेज तिराहा तक पानी की निकासी नहीं होने से कॉलेज की दीवार धराशायी हो गई और पानी कॉलेज परिसर में घुस गया जिससे पेड़ गिर गये। साथ ही सड़क उधड़ जाने से काफी नुकसान हुआ। कॉलेज के पास सड़क का काम अधूरा होने से खड्डे में कई वाहन फंस गये। सेंट पाल स्कूल के पास की कॉलोनी, सुंदेलाव तालाब के पीछे की कॉलोनियां जलमग्न हो गईं। मूसलाधार बारिश के कारण जवाईबांध में पानी की लगातार आवक होने के कारण शनिवार को एक साथ 8 गेट खोले गए जिससे जालोर की जवाई नदी पूरे उफान पर नजर आई। सांकरना जवाई नदी अलसुबह पुल के ऊपर गुजरी। जवाई बांध ओवरफ्लो होने से शाम 5 बजे तक गेट नंबर 2,4 व 10 से एक-एक फीट पानी बह रहा था। जवाई नदी मे पानी की आवक तेज होने से जालोर आहोर मार्ग , महेशपुरा मार्ग बंद रहा। जालोर में मूसलाधार बारिश के चलते कई स्थान टापू में तब्दील हो गए। तेज बारिश के चलते बांकली बांध, बांडी सिणधरा, वणधर सहित सभी बांधों में पानी पूरी क्षमता से भर रहा है। वहीं कई जगह नालों व नदी में पानी आने से गांवों का सम्पर्क कट गया।

■ सांकरना जवाई नदी आज सुबह पुल के ऊपर से बही, जालोर के तिलक द्वार, बड़ी पोल, लाल पोल में पानी सड़क पर तेज गति से बहा।

खड़गे ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरगे ने रूस को एक दीर्घकालिक साझेदार मानते हुए इस बात पर बल दिया कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र, व्यावहारिक और राष्ट्रीय हित पर आधारित होनी चाहिए न कि निजी स्वार्थों या चुनाव के समय की बयानबाजी से प्रभावित होनी चाहिए।

दिल्ली भाजपा ने 52 ट्रक राहत सामग्री पंजाब भेजी

प्रदेश कार्यालय से ट्रक रवाना करते समय दिल्ली सरकार के सभी मंत्री व सभी पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री रवाना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री ले जा रहे 52 ट्रकों को पार्टी प्रदेश कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर दिल्ली सरकार के सभी मंत्री और पार्टी के तमाम पदाधिकारी मौजूद थे।

पंजाब के जालंधर के लिए रवाना हुए ट्रकों पर बाढ़ पीड़ितों के दैनिक इस्तेमाल में आने वाली सामग्री, जैसे चारपाइयां, रसोई घर में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, कंबल, मच्छर दानी और दवाइयां थीं। पहले ये ट्रक जालंधर जाएंगे और फिर वहां से भाजपा कार्यकर्ता बाढ़ ग्रस्त विभिन्न इलाकों में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाएंगे।

इस मौके पर दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि पंजाब इस समय मुसीबत में है। बाढ़ के कारण फसलें बर्बाद हो गई है। कई गांवों में भारी तबाही मची है। ऐसे समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने पंजाब के हालात का जायजा लेने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को वहां भेजा था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी लगातार पंजाब की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं।

सचदेवा ने कहा, मुख्यमंत्री के कल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से बात कर हालात की जानकारी ली थी तथा बाढ़ पीढ़ि तों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच करोड़ रुपये की राशि दी थी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब के हालात के मद्देनजर दिल्ली भाजपा ने वहां दैनिक इस्तेमाल में आने वाली सामग्री को भेजने का निर्णय लिया। आज 52 ट्रक इन सामानों को लेकर रवाना हो रहे हैं। हम आने वाले दिनों में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए और सामान भेजेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा हम एक ही परिवार हैं, और जब पंजाब संकट में है तो दिल्ली उसका दर्द बाँटने के लिए उसके साथ खड़ी है। सभी मंत्रियों, अधिकारियों और स्वयंसेवकों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने इतने कम समय में भोजन सामग्री से लेकर हर आवश्यक वस्तु की व्यवस्था सुनिश्चित की।

उन्होंने कहा, मैंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से भी बात की है और उन्हें आश्वस्त किया है कि इस कठिन घड़ी में दिल्ली पंजाब के लिए हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। दुख की घड़ी में पूरा देश एक परिवार की तरह हर पंजाब वासी के साथ खड़ा है।

■ जालंधर भेजे गये ट्रकों में दैनिक इस्तेमाल में आने वाली सामग्री, रसोई घर में काम आने वाली सामग्री, कंबल, मच्छरदानी व दवाइयां भेजी गई हैं।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया। उन्होंने कहा कि सांसद महीने में एक बार अपने क्षेत्र में साधारण तरीके से लोगों के साथ बैठें, टिफिन साथ खाएं, बातचीत करें और उनकी समस्याएं सुनें। इससे लोगों का भरोसा बढ़ेगा और योजनाओं के लाभ सीधे उन तक पहुंच पाएंगे।

यमुना का पानी कॉलोनियों, बस्तियों व गांवों में घुसा

आगरा में यमुना का जलस्तर खतरे के लेवल के ऊपर पहुंचा

आगरा, 07 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में यमुना नदी उफान पर है, वाटर वर्क्स पर नदी का जलस्तर खतरे के निशान, पांच सौ मीटर को पार कर गया है।

यमुना में का पानी नदी किनारे बसी कालोनियों, बस्तियों और गांवों में घुस चुका है। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं। निचले इलाकों के निवासियों के लिए बाढ़ शरणालयों की स्थापना की गई है। यमुना किनारे की डेढ़ दर्जन कॉलोनियों में पानी भर गया है। जिला प्रशासन ने घाटों के निकट बैरीकेडिंग करा दी है। लोगों से नदी की तरफ नहीं जाने के लिए अनुरोध किया जा रहा है। लोगों से जरूरी दस्तावेज, खाने का कुछ सामान सहित अन्य वस्तुएं अपने पास रखने की अपील की गई है। सिंचाई विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रविवार की दोपहर दो बजे तक वॉटर वर्क्स पर यमुना नदी का जलस्तर बढ़ कर 500.01 फीट हो गया। इसमें बढ़ोत्तरी जारी है। यहां अलर्ट का लेवल 496.71 फीट, खतरे का लेवल 500 फीट और हाई फ्लड लेवल 507.74 फीट पर है।

■ प्रशासन ने घाटों के निकट बैरीकेडिंग करके लोगों से नदी के पास नहीं जाने की अपील की।

जापान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा देने की इच्छा जताई

टोकियो, 07 सितंबर। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को और विभाजन से बचाने के लिए इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने यह जानकारी दी।

गौरतलब है कि इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन के चुनाव (हाउस ऑफ काउंन्सलर्स) में हार गई थी। इसके लिए इशिबा ने माफी भी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफा पर विचार करेंगे। फैसला पार्टी द्वारा 8 सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव कराने पर निर्णय लेने से ठीक एक दिन पहले आया है। युद्धोत्तर जापान में 1955 में अपनी स्थापना के बाद से प्रमुख राजनीतिक ताकत रही एलडीपी का अध्यक्ष लगभग हमेशा देश का प्रधानमंत्री बनता है क्योंकि पार्टी के पास संसद में सबसे ज्यादा सीटें होती हैं। अभी तक यही देखा गया है कि जब भी कोई एलडीपी अध्यक्ष इस्तीफा देता है।

ग्रामीणों ने घग्घर के तटबंद बचाने के लिए कट्टे लगाये

सिरसा जिले में प्रशासन ने जेसीबी व पोकलेन मशीनें भी व्यवस्था में उतारी

सिरसा, 07 सितंबर। हरियाणा में सिरसा जिला प्रशासन व ग्रामीण घग्घर नदी के बढ़ ते जलस्तर और तटबंधों की सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। कुल 24 टीमें सेक्टर वाइज निरंतर निगरानी कर रही हैं। बुर्जकर्म गढ़ गांव के पास शनिवार को टूटे घग्घर के तटबंध को पाटने के लिए सैकड़ो ग्रामीण जुटे हुए हैं। इस तटबंध के टूटने से हजारों एकड़ में खड़ी फसल डूब गई है।

तटबंध को मजबूत करने के लिए मिट्टी के कट्टे लगाए जा रहे हैं, साथ ही जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से तटबंधों की मजबूती सुनिश्चित की जा रही है। बारिश के बावजूद टीमें लगातार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में जुटी हैं। टीमें ग्रामीणों के साथ लगातार संवाद बनाए हुए हैं और बिजली व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवा रही हैं। उपायुक्त शांतनु शर्मा, जो स्वयं स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं,ने बताया कि वर्तमान में जिला सिरसा में घग्घर नदी के मुख्य तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं और नागरिकों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। रविवार दोपहर तक सरदूलगढ प्वाइंट पर घग्गर का जल स्तर 42900 क्यसैक और वहीं ओटू वीयर डाउन स्ट्रीम में 27550 क्यसैक रहा।

■ बुजकर्म गढ़ गांव के पास शनिवार को घग्घर का तटबंद टूटने से हज़ारों एकड़ में खड़ी फसल डूब गई।

ओडिशा में मानव हाथी संघर्ष बढ़ा

भुवनेश्वर, 07 सितंबर। ओडिशा में इंसान और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ ता जा रहा और जंगली इलाकों में रहने वाले ग्रामीण, हाथियों के झुंड से बचने के लिए पेड़ों की चोटी पर बने अस्थायी लकड़ी के मचानों पर रातें बिताने के लिए मजबूर हैं।

खनन, औद्योगीकीकरण, बुनियादी ढ ांचा परियोजनाओं और कई मानव निर्मित हस्तक्षेपों की वजह से हाथियों के पारंपरिक आवास क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं इसलिए मानव बस्तियों में हाथियों की दखलंदाजी अब एक दैनिक घटना बन गयी है।

30 जिलों में से 26 जिलों में हाथियों के आवास क्षेत्र हैं जहां इन हाथियों का ग्रामीणों के साथ टकराव बढ़ रहा और आसपास के गांवों वालों की जान और संपत्ति को खतरा पैदा हो रहा। जैसे-जैसे जंगलों में शाम ढ लती है, संघर्ष क्षेत्रों में लोग सीढ़ि यों के साथ बने अस्थायी मचान पर रहने चले जाते हैं। 2,098 हाथियों की आबादी वाला ओडिशा अब स्पष्ट रूप से इनके आवास क्षेत्रों को बचाए रखने में विफल साबित हो रहा। अपने निवास स्थानों के नष्ट होने से हाथी गांवों की ओर रुख कर रहे हैं और फसलों को रौंद रहे। साथ ही ग्रामीण लोगों पर हमला कर रहे है।

■ हाथियों का आवास क्षेत्र कम हो रहा है तथा जंगली इलाकों में रहने वालों को रात को पेड़ों के ऊपर बने मचानों पर रात बितानी पड़ रही है।

दस लाख का ईनामी नक्सली मुठभेड़ में मारा गया

रांची, 07सितम्बर। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बुर्जुवा पहाड़ी पर आज सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ में माओवादी का ज़ोनल कमांडर अमित हांसदा मारा गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस मुठभेड़ में 10 लाख रुपये का इनामी भाकपा माओवादी के ज़ोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन को सुरक्षाबलों ने ढ ेर कर दिया। अमित हांसदा झारखंड के बोकारो जिले का रहने वाला था और माओवादी संगठन में उसकी पैठ काफी मजबूत मानी जाती थी। मुठभेड़ की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और कोबरा बटालियन ने संयुक्त रूप से इलाके में सर्च अभियान चलाया। तलाशी के दौरान अमित हांसदा का शव और एक एसएलआर राइफल समेत कई हथियार बरामद किए गए। इससे पहले नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक फायरिंग कर हमला किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उन्हें घेर लिया।

सचिन पायलट ने सांवलिया सेठ मंदिर में जन्मदिन मनाया

हजारों कार्यकर्ता बधाई देने आये, पायलट ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाने का आव्हान किया

चित्तौड़गढ़, 7 सितम्बर। सचिन पायलट ने आज अपने 48 वें जन्मदिन पर चित्तौड़गढ़ के श्री सांवलिया सेठ जी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्री सांवलिया सेठ जी मंदिर प्रांगण में सचिन पायलट को जन्मदिन की बधाई देने के लिए हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ा।

इस मौके पर सचिन पायलट ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जाहिर करते हुए युवाओं को नशे की गिरफ्त में आने से रोकने का आ ान किया और युवाओं को "युद्ध ड्रग्स के विरुद्ध" संकल्प नारा भी दिया।

सचिन पायलट ने कहा कि हमारे समाज में एक ऐसी मुश्किल समस्या है जिसका समाधान हमें करना पड़ेगा। पायलट ने कहा, जब मैं देखता हूं कि गाव- शहर में छोटे-छोटे बच्चे 14 साल के बच्चे नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं तो मुझे बहुत पीड़ा होती है। बच्चों को नशे की गिरफ्त से निजात दिलाने के लिए हमें दलगत राजनीति, जाति, धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठकर लोगों को बचाना होगा।

पायलट ने कहा कि हमें अपने संसाधन लगाने पड़ेंगे, जागरूकता पैदा करनी पड़ेगी। स्कूल-कॉलेज में जाकर बच्चों को जागरूक करना होगा। अगर हम आज नहीं समझे, तो आने वाली पूरी पीढ़ी नष्ट हो जाएगी। अगर आने वाली पीढ़ी ही सही नहीं होगी, तो यह सब बेकार हो जाएंगे। इसलिए नशे की लत के खिलाफ देश में बड़ा अभियान चलना चाहिए।

पायलट ने अपने पिता स्व राजेश पायलट जी को भी याद करते हुए कहा कि मैंने अपने पिता से बहुत कुछ सीखा है। मेरी शिक्षा संस्कार सब अच्छे हुए हैं। इसीलिए मैं तमाम लोगों से भी अपील करता हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दो।

पायलट ने कहा कि राजस्थान के साथ ही देश के अलग-अलग राज्यों में जो अतिवृष्टि हुई है, उससे पूरे उत्तर भारत और खासकर राजस्थान में बाढ़ के हालत हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि स्थिति बहुत जल्दी सामान्य होगी। उन्होंने कहा जिनको नुकसान हुआ है, उनको सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए मैं बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए अपना एक माह का वेतन और और मेरी माता जी जो यहां मौजूद है, की भी एक माह की पेंशन बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए देता हूं। आगे उन्होंने कहा कि आप सब लोगों ने इतनी बड़ी संख्या में पहुंचकर मेरे को मान सम्मान दिया उसके लिए धन्यवाद देता हूँ।

■ सचिन पायलट ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एक माह का वेतन और अपनी माता, पूर्व विधायक रमा पायलट की ओर से एक माह की पेंशन देने की घोषणा की।

सचिन पायलट ने अपने 48वें जन्मदिन के मौके पर चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ जी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान सचिन पायलट को जन्मदिन की बधाई देने के लिए हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ा।

वैष्णो देवी यात्रा स्थगित होने से स्थानीय कारोबार ठप्प हुआ

कटरा के व्यापारियों ने जबर्दस्त नुकसान के कारण ऋण माफी की मांग की

जम्मू, 07 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को लगातार 13वें दिन माता वैष्णो देवी यात्रा स्थगित रहने और लगभग शून्य कारोबार होने से कटरा के व्यापारिक समुदाय ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को जबर्दस्त नुकसान होने का दावा करते हुए ऋण माफी की मांग की है।

मौसम की प्रतिकूल स्थिति एवं तीर्थयात्रा मार्ग पर भूस्खलन की घटनाओं के कारण माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा स्थगित है। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त को अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के निकट भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 34 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकांश तीर्थयात्री थे और कई लोग घायल हुए गए थे। होटल एवं रेस्तरां संघ कटरा के अध्यक्ष राकेश वजीर ने कहा, "श्राइन बोर्ड को यात्रा को पुन: शुरू करने और ट्रैक क्लीयरेंस की वर्तमान स्थिति पर एक स्पष्ट योजना बनानी चाहिए जिससे कई दिनों से इंतजार कर रहे तीर्थयात्रियों को यात्रा की स्थिति की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।"

वजीर ने कहा, "कटरा के साथ-साथ जम्मू, सांबा और कठुआ जैसे पड़ोसी जिलों में भी व्यापार बाधित हुआ है और हमें लगभग हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।" होटल व्यवसायी ने कहा कि घाटे की समीक्षा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य सभी प्रमुख बैंकों को व्यापारिक समुदाय को ऋण माफी के रूप में राहत प्रदान करनी चाहिए।

कटरा ढ ाबा संघ के अध्यक्ष रोमेश डोगरा ने कहा, "इस समय कटरा शहर में व्यापार शून्य है और यात्रा स्थगित होने के कारण छोटे व्यापारियों सहित व्यापारिक समुदाय को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।" डोगरा ने रोपवे परियोजना का विरोध, महाकुंभ और पहलगाम आतंकवादी हमले जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि हमने इसका खामियाजा भुगता है और व्यापारी समुदायों को उचित मंच पर अपनी आवाज उठानी चाहिये। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त को हुए भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

जम्मू-कश्मीर जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा की अध्यक्षता वाली समिति दो सप्ताह के अंदर उपराज्यपाल सिन्हा को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपेगी। मौसम विभाग ने आठ-नौ सितंबर के लिए आंधी-तूफान, गरज के साथ तेज बारिश की चेतावनी भी जारी की है।

■ कटरा के व्यापारियों के अनुसार लगातार यात्रा स्थगन के कारण कटरा, जम्मू, सांबा व कठुआ जिले के व्यवसायियों को करीब एक हजार करोड़ का नुकसान हुआ है।

पांच हजार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2022 और 29 जनवरी 2023 को दो परीक्षाओं में शामिल हुआ था। दोनों के सेंटर टोंक में थे और दोनों ही परीक्षा डमी कैंडिडेट बिठा कर दिलाई थी। आरोपी वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा 2022 में फर्जी तरीके से चयनित हुआ।

इसके कारण आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर एसओजी ने उस पर पांच हजार का इनाम भी रखा। आरोपी पर धोखाधड़ी, जालसाजी और परीक्षा अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज हैं। अब पुलिस डमी परीक्षार्थियों और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908